राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 अमित शाह ने गांधीनगर में अमूल संयंत्र में उन्नत जैविक प्रयोगशाला ...

लोग सोचते हैं कि मेरा टी2 0 क्रिकेट गिर रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है : कोहली 11

वर्ष : 14 | अंक : 11 | नई दिल्ली, मंगलवार, 23 मई, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 39°C

न्यूनतम तापमान 29.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,995
चांदी	72,500
सेंसेक्स	57,635
निफ्टी	16,986

2 हजार का नोट वापस लेने का अर्थव्यवस्था पर बहुत सीमित असर पड़ेगा : शक्तिकांत

बोलें- 1 हजार रुपये का नोट फिर से जारी करने का फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं

प्रात : किरण

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को कहा कि 2,000 रुपये के नोट को चलन से वापस लेने का अर्थव्यवस्था पर ह्यबहुत सीमित प्रभाव ही देखने को मिलेगा क्योंकि ये नोट चलन में मौजूद कुल मुद्रा का सिर्फ 10.8 प्रतिशत ही हैं। दास ने 2,000 रुपये का नोट वापस लेने के कदम को रिजर्व बैंक की मुद्रा प्रबंधन व्यवस्था का हिस्सा बताते हुए कहा कि 30 सितंबर की निर्धारित समयसीमा तक इस मूल्य के अधिकांश नोट वापस आ जाने की उम्मीद है। रिजर्व बैंक ने गत शुक्रवार को 2,000 रुपये के नोट को चलन से वापस लेने का ऐलान करते हुए कहा था कि फिलहाल इस वैध मुद्रा को 30 सितंबर तक बैंकों में जाकर जमा करने के अलावा बदला भी जा सकता है। हालांकि, एक बार में सिर्फ 10 नोट ही बदले जाएंगे। आरबीआई गवर्नर ने यहां संवाददाताओं से कहा, इस कदम का अर्थव्यवस्था पर असर बहुत ही कम रहेगा क्योंकि यह चलन में मौजूद मुद्रा का सिर्फ 10.8 प्रतिशत ही है। उन्होंने कहा, पहले भी 2,000 रुपये के नोट का इस्तेमाल लेनदेन में सामान्य रूप से नहीं होता था।

हमें पता चला है कि लेनदेन में इस मुद्रा का विरले ही इस्तेमाल हो रहा था। इस वजह से आर्थिक गतिविधियों पर असर नहीं पड़ेगा। दास ने कहा कि आरबीआई अपनी स्वच्छ नोट नीति के तहत पहले भी नोट को वापस लेता रहा है। इस तरह की एक कवायद वित्त वर्ष 2013-14 में की गई थी जिसमें 2005 से पहले छपे हुए नोट को चलन से वापस ले लिया गया था। उन्होंने कहा कि 2,000 रुपये के नोट को चलन से हटाने का कदम स्वच्छ नोट नीति का ही हिस्सा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि 2,000 का नोट वैध

मुद्रा बना रहेगा। उन्होंने इसकी वैधता के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम यह जानने के लिए इंतजार करेंगे कि कितने नोट लौटकर आते हैं। फिर 30 सितंबर का समय करीब आने पर कोई फैसला लेंगे। उन्होंने कहा कि लोगों के पास अपने 2,000 रुपये के नोट को बैंक में जाकर जमा करने या बदलने के लिए पर्याप्त समय है लिहाजा किसी को भी घबराना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि नोट बदलने के लिए कम मूल्य वाले नोट पर्याप्त संख्या में मौजूद हैं। दास ने कहा, प्रणाली में पहले ही पर्याप्त नकदी है।

सिर्फ रिजर्व बैंक ही नहीं, बैंकों के संचालन वाले करेंसी चेस्ट में भी पर्याप्त नकदी है। चिंता की कोई बात नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लंबी विदेश यात्रा पर गए लोगों या कामकाजी वीजा पर विदेश गए लोगों को इस फैसले से पेश आने वाली समस्याओं को लेकर आरबीआई संवेदनशील है। उन्होंने कहा, हमारी कोशिश होगी कि लोगों की समस्याओं को दूर करें और समूची प्रक्रिया सही तरह से संचालित हो। आरबीआई गवर्नर ने 2,000 रुपये के नोट के जरिये काला धन वित्तीय प्रणाली में लौटकर आने के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा कि खाते में जमा या नकद विनिमय की बैंकों में एक स्थापित प्रक्रिया है। उन्होंने कहा, हमने अलग से कोई प्रक्रिया नहीं तय की है। आपको पता होना चाहिए कि अगर कोई व्यक्ति 50,000 रुपये से अधिक नकदी जमा करता है तो उसे अपना पैन नंबर देना होता है। इस मामले में भी मौजूदा नियम लागू होंगे। गवर्नर ने कहा कि यूक्रेन युद्ध और पश्चिम के देशों में कुछ बैंकों के विफल होने के बावजूद देश की मुद्रा प्रबंधन प्रणाली काफी मजबूत और विनिमय दर स्थिर है। उन्होंने कहा कि जहां तक प्रणाली में नकदी या तरलता की बात है तो आरबीआई नियमित आधार पर इसकी निगरानी करता है। उन्होंने 1,000 रुपये का नोट फिर से जारी करने की संभावना के बारे में पूछे गए सवाल को अटकल बताते हुए कहा कि फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री ने शिवानंद की धर्मपत्नी के निधन पर जताया शोक

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व सांसद शिवानंद तिवारी की धर्मपत्नी बिमला देवी के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि स्व. बिमला देवी एक धर्मपरायण महिला थीं। बिमला देवी के निधन का समाचार मिलते ही मुख्यमंत्री ने श्री शिवानन्द तिवारी से दूरभाष पर वार्ता कर उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिरशांति तथा परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

केसी त्यागी बने जदयू के मुख्य प्रवक्ता, विशेष सलाहकार की भी जिम्मेवारी

पटना। जदयू के पूर्व महासचिव केसी त्यागी को एक बार फिर से पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें पार्टी का विशेष सलाहकार और मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। केसी त्यागी को फिर से पद पर बहाल करने के लिए सोमवार को जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने पत्र जारी किया। जारी पत्र में कहा गया है कि पूर्व सांसद केसी त्यागी समाजवादी आंदोलन से जुड़े एक अनुभवी नेता हैं। वे पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मिलकर काम किया है। जदयू अब उनका संगठनात्मक अनुभव चाहती है। इसलिए जदयू ने केसी त्यागी को पार्टी का विशेष सलाहकार और मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया है।

म्यांमार में 4.5 तीव्रता का भूकंप, भारत के कई राज्यों तक असर

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के पड़ोसी देश म्यांमार से लगने वाली अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती म्यांमार के क्षेत्र में सोमवार सुबह भारतीय समयानुसार 08 बजकर 15 मिनट 39 सेकेंड पर 4.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका असर अरुणाचल प्रदेश के साथ असम और नगालैंड के कुछ हिस्सों में रहा। यहां बेहद कम तीव्रता का कंपन महसूस किया गया। पूर्वोत्तर का क्षेत्र भूकंपीय जोन-5 के अंतर्गत आता है। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार इसका केंद्र जमीन में 14 किलीमीटर नीचे रहा है। भूकंप का एपीक सेंटर 27.05 उत्तरी अक्षांश तथा 97.04 पूर्वी देशांतर पर स्थित था। भूकंप से अभी तक किसी भी तरह के नुकसान की सूचना है।

ट्रक और कार की टक्कर में पांच लोगों की मौत

देवरिया। उत्तर प्रदेश में जनपद देवरिया के भाटपाररानी थाना क्षेत्र में सोमवार को ट्रक और कार की टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हैं। हालत नाजुक होने पर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट किया है। उन्होंने दिवंगतों की आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनका समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। भाटपार रानी थाना क्षेत्र में फुलवरिया चौराहे के पास ट्रक और कार में भिड़ंत हो गई। हादसे में कार में सवार कादीर तहसील के पास लाला टोली रुद्रपुर के रहने वाले चालक अरशद (30), श्रीप्रकाश की पत्नी विमला देवी (50), आनंद की पत्नी त्रिशूला (40), चंद्र प्रकाश की पत्नी गीता (45) और कृष्ण कुमार की ढाई साल की बेटी सिद्धी की मौत हो गई।

विपक्षी एका की कवायद में खड़गे व राहुल गांधी से मिले नीतीश

- विपक्षी एकता के लिए सभी दलों की जल्द होगी बैठक : ललन

विपक्षी दलों की बैठक पर फैसला शीघ्र : वेणुगोपाल

प्रात : किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी एकजुटता के प्रयासों के तहत सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। जानकारी के मुताबिक इस मुलाकात में विपक्षी एकजुटता के प्रयासों को मजबूत करने और पटना में संभावित बैठक को लेकर चर्चा हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस बैठक को लेकर कहा कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और हमने बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के साथ वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की है। इसमें देश को एक नई दिशा देने की प्रकिया को आगे बढ़ाया गया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बैठक के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमने अभी बैठक की है। अगले एक-दो दिनों में विपक्षी पार्टियों के साथ होने वाली बैठक की तारीख तय की जाएगी। इस बैठक में कई राजनीतिक पार्टियां हिस्सा लेंगी। वहीं, इस बैठक को लेकर जेडीयू अध्यक्ष ललन

सिंह ने कहा कि आज हमारी बैठक में विपक्षी एकता के बारे में जो सहमति बनी हुई थी, उसपर विस्तार से चर्चा हुई। विपक्षी एकता के लिए सभी दलों की एक बैठक होगी, जिसके लिए जगह, समय और तिथि अगले 2-3 दिन में तय हो जाएगी। बताते चलें कि इससे पहले नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिले थे। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने केंद्र की ओर से लाए गए अध्यादेश के खिलाफ आप सरकार को समर्थन देने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री निवास पर हुई मुलाकात के दौरान केंद्र सरकार के रवैये समेत कई राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई थी। केजरीवाल ने दिल्ली की जनता के साथ खड़े होने के लिए दोनों नेताओं का धन्यवाद दिया था। उन्होंने कहा था कि विपक्ष को एकजुट होकर केंद्र सरकार के इस तानाशाही अध्यादेश को संसद में हराना होगा। राज्यसभा में यह बिल पारित नहीं हुआ तो यह 2024 का सेमीफाइनल होगा और पूरे देश में संदेश जाएगा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की सरकार जा रही है। वहीं, नीतीश कुमार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद दिल्ली की चुनी हुई सरकार को काम करने से रोकने पर आश्चर्य जताया और पूरे देश में भाजपा के खिलाफ अभियान चलाने की बात कही थी। इससे पहले, गत शनिवार को कर्नाटक में सिद्धरमैया और उनकी सरकार के मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में विपक्ष के कई प्रमुख नेता नजर आए थे और यहां से विपक्षी एकजुटता का संदेश देने का प्रयास किया गया था। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पिछले कुछ महीनों से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और जदयू के शीर्ष नेता नीतीश कुमार विपक्षी एकजुटता का प्रयास कर रहे हैं। इस प्रयास के तहत खरगे कई विपक्षी नेताओं से बात और मुलाकात कर चुके हैं। दूसरी तरफ नीतीश कुमार भी कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात कर सभी को एक मंच पर आने की सलाह दे चुके हैं।

आरा में गंगा नदी के किनारे रिवर फ्रंट बनाने की कवायद शुरू

केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने जल मार्ग से किया स्थल का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

आरा । देसी-विदेशी सैलानियों को आकर्षित करने और स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए यहां गंगा नदी के किनारे रिवर फ्रंट बनाने की कवायद शुरू हो गई है । केंद्रीय ऊर्जा मंत्री एवं स्थानीय सांसद आरके सिंह की पहल पर यहां गंगा नदी के किनारे सुविख्यात महुली घाट से ऐतिहासिक सिन्हा घाट तक लगभग 3 किलोमीटर के क्षेत्र में घाट को रिवर फ्रंट की तर्ज पर विकसित करने की योजना तैयार की जा रही है । इस सिलसिले में रिवर फ्रंट की संभावनाओं के आकलन के लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्री श्री सिंह ने सोमवार को बड़हरा के विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह, भोजपुर के उप विकास आयुक्त और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ स्थल निरीक्षण किया। इस क्रम में श्री सिंह ने रिवर फ्रंट के निर्माण के दृष्टिकोण से इससे जुड़े जलमार्ग से स्वयं भ्रमण कर अवलोकन तथा आकलन किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गंगा नदी के किनारे रिवर फ्रंट का निर्माण होने से न केवल इस स्थल का सौंदर्यीकरण होगा बल्कि आने वाले दिनों में इसके प्रति देसी-विदेशी सैलानियों का भी आकर्षण बढ़ेगा । इससे आरा , जगदीशपुर आदि इलाके में पर्यटन उद्योग को भी विकसित किया जा सकेगा । उन्होंने कहा कि आरा के निकट प्रस्तावित रिवर फ्रंट और बाबू वीर कुंवर सिंह की जन्मस्थली जगदीशपुर का सौंदर्यीकरण कर इसे एक पर्यटक सर्किट के रूप में विकसित करने की हमारी योजना है।

श्री सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा के लिए 20 से 22 मई तक त्रिदिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के दौरान संदेश, सहार, बड़हरा, उदवंतनगर, अंगियाव, कोइलवर, गड़हनी प्रखंड के नागरिकों व स्थानीय जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन पर व्यापक चर्चा की और इनके सुझावों पर संबंधित अधिकारियों को अविलंब कारवाई हेतु निदेश दिया। इस दौरान श्री सिंह ने आरा के महुली घाट से ऐतिहासिक सिन्हा घाट तक दो स्थानों पर निर्मित एक हाई मास्ट लाइट के अलावा दो-दो अतिरिक्त हाई मास्ट लाइट लगाने तथा लोगों की सहूलियत के लिए दोनों स्थानों पर यात्री शेड के निर्माण का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया ।

भूमि विहीन को जमीन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता : आलोक

वासभूमि रहित परिवारों को दिसंबर तक जमीन उपलब्ध कराने का लक्ष्य

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार के मंत्री आलोक कुमार मेहता ने कहा है कि बंटवारे से या फिर परिवार बढ़ने से जो परिवार वास भूमि विहीन हो गए हैं उन्हें घर बनाने के लिए जमीन उपलब्ध कराना सरकार प्राथमिकता है। इस कड़ी में विभाग के अपर मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा की अध्यक्षता में सोमवार को समीक्षा बैठक हुई। मेहरोत्रा ने कहा कि अभियान बसेरा के तहत पूरे राज्य में वासभूमि रहित परिवारों को दिसंबर माह तक जमीन उपलब्ध कराने का लक्ष्य विभाग के समक्ष है। इसके लिए सभी अपर समाहताओं को अगले 15 दिनों में जिलावार सूची तैयार करने का निदेश दिया गया है।

इस सूची में पूर्व के सर्वे के बाद बचे हुए लोगों के नाम दर्ज रहेंगे ताकि जरूरतमंदों की सूची बनाने और उन्हें वास भूमि उपलब्ध कराने का लक्ष्य हासिल करने में सहूलियत हो। शास्त्रीनगर के सर्वे सभागार में हुई इस बैठक में विभाग के सचिव जय सिंह के अलावे निदेशक भू अर्जन श्री सुशील कुमार और सभी संयुक्त सचिव के अलावा सभी 38 जिलों के अपर समाहर्ता मौजूद थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव ने दाखिल-खारिज के लंबित मामलों की

विस्तार से जिलावार समीक्षा की। उन्होंने सभी अपर समाहताओं को अपने जिले के अंचलों की जूम पर साप्ताहिक बैठक करने का निदेश दिया ताकि लंबित मामलों की संख्या में कमी आए। हालांकि उन्होंने इस बात पर संतोष जाहिर किया कि पिछले 3 महीनों में दाखिल-खारिज के लंबित मामलों की संख्या 10.30 लाख से घटकर 8.12 लाख हो गई है। उन्होंने 30 जून तक लंबित मामलों की संख्या शून्य करने का निदेश सभी अपर समाहताओं को दिया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि अगले 2 माह में राज्य के सभी राजस्व कर्मचारियों को लैपटॉप उपलब्ध करा दिया जाएगा। इससे लंबित वादों की संख्या को कम करने में सहूलियत होगी। कई जिलों से यह शिकायत भी मिली कि सीओ या फिर आरओ के छुट्टी पर जाने के कारण उनके हिस्से का काम लंबित हो जाता है। इस पर अपर मुख्य सचिव ने कहा कि दोनों पदों में एक पर भी अगर कोई अधिकारी है तो वो अवकाश पर गए अधिकारी का कार्य भी देखेगा। दाखिल खारिज की जिलावार समीक्षा में बिना किसी वाजिब कारण के लंबित मामलों की संख्या सर्वाधिक पटना जिले में पाई गई। बगैर किसी कारण के 19.05.23 तक पटना जिले में दाखिल खारिज के 10094 मामले लंबित पाए गए। अतिक्रमण के मामले की जिलावार समीक्षा में पाया गया कि पूरे राज्य में कुल 6972 अतिक्रमण के मामले विभाग के संज्ञान में है जिसमें से 4556 मामले का निष्पादन कर दिया गया है। इसके लिए कुल 4316 अतिक्रमणों को हटाया गया है। किन्तु अभी भी 2416 मामले लंबित है। इसमें सर्वाधिक 315 मामले नालंदा जिले से संबंधित हैं। अपर मुख्य सचिव ने अतिक्रमण के मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करने का निदेश दिया।

संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को करना चाहिए : खड़गे

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों कराए जाने की मांग करते हुए सोमवार को कहा कि अगर ऐसा होता है तो इससे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दिखेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सरकार में राष्ट्रपति का पद महज प्रतीकात्मक बनकर रह गया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा था कि संसद के नए भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नहीं, बल्कि राष्ट्रपति मुर्मू को करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को संसद के नए भवन का उद्घाटन करेंगे। खरगे ने ट्वीट किया, ऐसा लगता है कि मोदी सरकार ने दलित और आदिवासी समुदायों से राष्ट्रपति इसलिए चुना ताकि राजनीतिक लाभ लिया जा सके। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के लिए आमंत्रित नहीं किया गया। मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी इस समारोह के लिए आमंत्रित नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, संसद भारतीय गणराज्य की सर्वोच्च विधायी संस्था है और राष्ट्रपति सर्वोच्च संवैधानिक पद है। राष्ट्रपति मुर्मू सरकार, विपक्ष और हर नागरिक का प्रतिनिधित्व करती हैं। वह भारत की प्रथम नागरिक हैं। खरगे ने इस बात पर जोर दिया, अगर संसद के नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति करती हैं तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मयार्दा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करेगा।

सम्मेलन प्रधानमंत्री ने पापुआ न्यूगिनी में आयोजित तीसरे शिखर सम्मेलन के समापन समारोह को किया संबोधित

फिपिक देशों को स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल की तमाम सुविधाएं देगा भारत : मोदी

प्रात : किरण

पोर्ट मोरेस्बी (पापुआ न्यूगिनी)। भारत ने प्रशांत द्वीपीय देशों के लिए स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी और औद्योगिक विकास के लिए कई महत्वपूर्ण सौगातें देने की आज घोषणा की और मानवीय सहयोग की इस साझीदारी को और मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पापुआ न्यूगिनी की राजधानी में आयोजित फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन (फिपिक) के तीसरे शिखर सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए ये घोषणाएं कीं। श्री मोदी ने अपने संबोधन में फिपिक शिखर सम्मेलन में 14 प्रशांत द्वीप देशों-फिजी, पापुआ न्यू गिनी, टोंगा, तुवालु, किरिबाती, समोआ, वानुअतु, नीयू, माइक्रोनेशिया के संघीय राज्य, रिपब्लिक ऑफ मार्शल आइलैंड्स, कुक आइलैंड्स, पलाऊ, नौरू और सोलोमन आइलैंड्स के नेताओं के आने और विचार मंथन में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि आज के इस मंथन से जो विचार उभरे हैं, उनपर निश्चित रूप से गौर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी कुछ साझा प्राथमिकताएँ हैं और प्रशांत द्वीपीय देशों की कुछ आवश्यकताएँ हैं। इस मंच पर हमारा प्रयास है कि हमारी साझीदारी इन दोनों पहलूओं को ध्यान में रखते हुए चले। श्री मोदी ने फिपिक में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए कुछ घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि प्रशांत क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा को सशक्त करने के लिये हमने फिजी में एक सुपर-स्पेशियलिटी कार्डियोलॉजी अस्पताल बनाने का निर्णय किया है। प्रशिक्षित स्टाफ, अत्याधुनिक सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर से युक्त यह अस्पताल पूरे क्षेत्र के लिए एक लाइफलाइन बनेगा। भारत सरकार इस मेगा ग्रीन-फील्ड प्रोजेक्ट का पूरा खर्चा उठाएगी। उन्होंने कहा कि भारत सभी 14 प्रशांत द्वीपीय देशों मे डायलिसिस यूनिट् लगाने मे मदद करेगा और इन 14 देशों को समुद्री एम्बुलेंस भी प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में फिजी में हमने जयपुर फुट कैंप लगाया था। इस कैंप में 600 से अधिक लोगों को बिना किसी शुल्क कृत्रिम अंग लगाए गए। उन्होंने कहा कि इस वर्ष

हमने पापुआ न्यूगिनी में जयपुर फुट कैंप लगाने का फैसला किया है। वर्ष 2024 से, हर साल इस तरह के दो और कैंप प्रशांत द्वीपीय देशों मे लगाये जायेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में जन औषधि स्कीम के द्वारा, किफायती दामों पर अच्छी गुणवत्ता की 1800 जेनेरिक दवाइयां लोगो को दी जा रही हैं। उदहारण के तौर पर, मधुमेह रोधी दवा, बाजार की कीमत के मुकाबले जन औषधि केंद्र में 90 प्रतिशत तक कम और बाकी सभी दवाएं 60 से 90 प्रतिशत तक कम कीमत पर मिलती है। उन्होंने इसी तरह के जन औषधि केन्द्र को प्रशांत द्वीपीय देशों में भी खोलने का प्रस्ताव किया।श्री मोदी ने कहा कि वैज्ञानिक अध्ययन से पता चलता है कि मधुमेह जैसे जीवनशैली संबंधी रोग से बचाव मे योग बहुत काम आ सकता है। भारत प्रशांत द्वीपीय में योग केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव करता है। उन्होंने कहा कि फिजी के नागरिकों के लिए एक सप्ताह के सातों दिन एवं चौबीसों घंटे आपातकालीन हेल्पलाइन की सुविधा तैयार की जाएगी। प्रशांत द्वीपीय क्षेत्र के सभी देशों में भी इस तरह की सुविधा स्थापित करने में हमें खुशी होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि पापुआ न्यूगिनी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर आईटी का उन्नयन करके उसे क्षेत्रीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं साइबर सुरक्षा हब के रूप में तैयार किया जाएगा। उन्होंने हर एक प्रशांत द्वीपीय देश में लघु एवं मध्यम उद्यम सेक्टर के विकास के लिए परियोजना की घोषणा करते हुए कहा कि इस योजना के तहत मशीनरी और टेक्नोलॉजी आपूर्ति की जाएगी और क्षमता निर्माण के लिए कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि प्रशांत द्वीपीय राष्ट्राध्यक्षों के आवासों को सौरऊर्जा युक्त करने की परियोजना सभी ने पसंद की। अब हम सभी फिपिक देशों मे कम से कम एक सरकारी इमारत को सौर ऊर्जा युक्त बनाएंगे।

मोदी ने पापुआ न्यू गिनी के गवर्नर जनरल से वार्ता की

नई दिल्ली/पोर्ट मोरेस्बी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पापुआ न्यू गिनी में गवर्नर जनरल बॉब डाडे के साथ दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूती प्रदान करने के लिए बातचीत की। श्री मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के दूसरे चरण के लिए रविवार को पापुआ न्यू गिनी पहुंचे। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, पापुआ न्यू गिनी के गवर्नर जनरल सर बॉब डाडे के साथ शानदार बैठक हुई। हमने विभिन्न क्षेत्रों में हमारे देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने पर बातचीत की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक ट्वीट में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पापुआ न्यू गिनी में दिन की शुरूआत ऐतिहासिक गवर्नमेंट हाउस में गवर्नर जनरल सर बॉब डाडे के साथ गर्मजोशी भरे माहौल में बातचीत हुई। दोनों देशों के बीच संबंधों और विकास साझेदारी के महत्वों पर जोर दिया गया। यह बैठक पोर्ट मोरेस्बी में गवर्नमेंट हाउस में भारत-प्रशांत द्वीप सहयोग मंच (एफआईपीआईसी) के तीसरे शिखर सम्मेलन के अवसर पर हुई। गवर्नर जनरल ने प्रधानमंत्री मोदी की पापुआ न्यू गिनी की पहली यात्रा पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।एक बयान में कहा गया कि दोनों देशों के नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों एवं विकास साझेदारी के महत्व सहित विचारों का आदान-प्रदान किया और वे इसे अधिक मजबूत बनाने पर सहमति बनी।

रोड़ीबेलवाला से हटाए 40 अवैध अस्थायी कब्जे

हरिद्वार, एजेंसी। पुलिस, प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम ने रोड़ीबेलवाला क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। टीम ने सीसीआर से अलकनंदा घाट तक 40 अवैध कब्जों को हटाया। इनमें अस्थायी झोपड़ियां और खोमचे थे। रेहड़ी और फड़ लगाने वालों को भी हटाया गया। टीम ने अतिक्रमणकारियों को दोबारा कब्जा करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। शनिवार को प्रशासन, नगर निगम और पुलिस की टीम ने रोड़ीबेलवाला मैदान में सीसीआर के पास से अतिक्रमण हटाना शुरू किया। टीम को देख अवैध कब्जाधारकों में अफरा-तफरी मच गई। अवैध कब्जा धारक अपनी झोपड़ी, रेहड़ी और अस्थाई ढाबों में रखा सामान समेट कर भागने लगे। इस क्षेत्र में हर की पैड़ी और आसपास के घाटों पर भीख मांगने और फड़ एवं फेरी लगाकर सामान बेचने वाले परिवार के साथ रहते थे। संयुक्त टीम ने एक एक कर 40 अवैध कब्जों को हटाया। टीम ने रोड़ी बेलवाला मैदान के साथ गंगा घाटों से फड़ और रेहड़ी लगाने वाले दुकानदारों को हटा दिया। तहसीलदार रेखा आर्या ने बताया कि अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। टीम में सहायक नगर आयुक्त श्याम सुंदर दास, सफाई निरीक्षक संजय शर्मा, रोड़ी बेलवाला चौकी प्रभारी प्रवीण रावत, पुलिस टीम और होमगार्ड शामिल रहे।

भेल प्रशासन पर व्यापारियों के उत्पीड़न का लगाया आरोप

हरिद्वार, एजेंसी। भेल प्रशासन के तुगलकी फरमान पर भाजयुमो के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय व्यापार मण्डल प्रदेश अध्यक्ष संजीव चौधरी ने कहा कि भेल प्रशासन मनमानी पर उतारू हो गया है। इसकी शिकायत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारी उद्योगमंत्री से की जाएगी। उन्होंने कहा कि भेल प्रशासन व्यापारियों का मानसिक और आर्थिक शोषण कर रहा है। नए-नए फरमान जारी किए जा रहे हैं। कभी स्टेडियम बंद किया जा रहा है तो कभी दुकानों को शाम के बंदी का नोटिस दिया जा रहा है। चौधरी ने कहा कि भेल के अधिकारी तानाशाही छोड़ें। अन्यथा व्यापारी सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को बाध्य होगा। राष्ट्रीय व्यापार मण्डल प्रदेश महामंत्री सुदीश श्रोत्रीय ने कहा कि भेल अधिकारी तालिबानी फरमान जारी कर रहे हैं। व्यापारी का शोषण किया जा रहा है।

निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर उठे सवाल, रोका काम

हरिद्वार, एजेंसी। अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य ने कड़च्छ में नाले का निर्माण कार्य रुकवा दिया। आरोप है कि निर्माण कार्य में दोयम दर्जे की निर्माण सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। शहर विधायक मदन कौशिक ने मामले का संज्ञान लेकर अधिकारियों को निर्माण के जांच के निर्देश दिए हैं। ग्रामीण अभियंत्रण सेवा इकाई बकरा मार्केट से लेकर कड़च्छ तक 75 लाख की लागत से नाले का निर्माण हो रहा है। शुक्रवार को अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य श्यामल प्रधान ने नाले का निरीक्षण किया। श्यामल प्रधान ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता को खराब बताते हुए काम रुकवा दिया। उन्होंने शहर विधायक मदन कौशिक और विधायक प्रतिनिधि मुकेश कौशिक को फोन कर बताया कि पुरानी ईटों से नाले का निर्माण किया जा रहा है। श्यामल प्रधान ने बताया कि शहर विधायक ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों की जांच के निर्देश दिए।

डिजिटल दुनिया में पुस्तकें ही सच्ची मार्ग दर्शकः डॉ. शास्त्री

**ऋमहिला विद्यालय डिग्री कॉलेज सतीकुंड कनखल में पुस्तकालय समिति की ओर से जी-20 के तहत वेबिनार हुआ। विद्यार्थी जीवन में पुस्तकालय की उपयोगिता विषय पर आयोजित वेबिनार में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के पुस्तकालय विभाग के डॉ. अनिल कुमार धीमान ने पुस्तकालय का महत्व बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को पुस्तकालय आकर पढ़ने के लिए प्रेरित किया। महिला विद्यालय की सचिव डॉ. वीणा शास्त्री ने पुस्तकालय को जीवन का गहरा मित्र बताया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. गीता जोशी ने पुस्तकों के सानिध्य को दुनिया का सर्वाधिक सुखद सानिध्य बताया। महाविद्यालय की पुस्तकालय अध्यक्ष अनुराधा शर्मा ने छात्राओं को पुस्तकालय में आने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान गुरुकुल कांगड़ी विवि के पुस्तकालय विभाग से समीर राणा, चमनलाल डिग्री कालेज के असिस्टेंट प्रो. कुलदीप सैनी, पुस्तकालय समिति की सदस्य प्रो. प्रीति आत्रेय, मोतिया शर्मा, डॉ. प्रेरणा पाण्डेय, डॉ. राखी सिंह, डॉ. निभा राठी, सुमन चावला और रेखा रानी समेत कई लोग मौजूद रहे।

दो साल से बिना सचिव चल रही सामुदायिक केंद्र की कार्यकारिणी

हरिद्वार, एजेंसी। सामुदायिक केंद्र शिवालिक नगर के सदस्य एवं भाजपा मंडल महामंत्री रविकांत गुप्ता ने सामुदायिक केंद्र शिवालिक नगर के चुनाव नहीं कराए जाने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में सामुदायिक केंद्र के सचिव सुनील कुमार डिंपी की कोरोना की चपेट में आने से निधन हो गया था। कार्यकारिणी भंग कर 3 माह के अंदर प्रबंध कार्यकारिणी के चुनाव होने थे जोकि आज तक नहीं हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना सचिव के कार्यकारिणी मनमाने ढंग से कार्य कर रही है। प्रतिवर्ष की उपलब्धियों और आय-व्यय का ब्यौरा आम सभा की बैठक में नहीं दिया जा रहा है। इससे सदस्यों में अविश्वास एवं असंतोष की भावना बढ़ रही है। कार्यपालक निदेशक बीएचईएल रानीपुर और महाप्रबंधक मानव संसाधन बीएचएल रानीपुर, विधायक रानीपुर, चेयरमैन नगरपालिका परिषद शिवालिक नगर से सामुदायिक केंद्र शिवालिक नगर के चुनाव कराए जाने की मांग की है।

अब पिस्टल चलाना सीखेंगे होमगार्ड

हल्द्वानी, एजेंसी। होमगार्ड को अब हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। मुख्यालय ने इसके लिए 100 पिस्टल और 10 हजार कारतूस खरीदे हैं। उधर एक महीने में 330 महिला होमगार्ड की भर्ती भी शुरू कर दी जाएगी। यह बात होमगार्ड के डीआईजी अमिताभ श्रीवास्तव ने हल्द्वानी पहुंचकर पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि अभी एसएलआर से भी होमगार्ड की ट्रेनिंग कराई गई थी। पीएफ और अवकाश मामले में पूछे गए सवाल में डीआईजी ने कहा कि होमगार्ड के अधिनियम के तहत पीएफ का प्रावधान नहीं है। यह नीतिगत मामला है। सरकार जो भी निर्णय लेगी उसे लागू किया जाएगा। मातृत्व व साप्ताहिक अवकाश मामले में शासन स्तर पर चर्चा चल रही है। इसके बाद उन्होंने होमगार्ड कार्यालय का निरीक्षण किया। इधर, ग्रामीण कंपनी हल्द्वानी में तैनात चोरगलिया निवासी भाष्करानंद की बीती 28 फरवरी को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। डीआईजी ने एचडीएफसी की तरफ से 35 लाख रुपये का चेक मृतक की पत्नी को सौंपा। इस दौरान डिवीजनल कमांडेंट एलएम जोशी आदि मौजूद रहे।

दूसरे दिन 56 गोल्फरों ने हाथ आजमाए

नैनीताल, एजेंसी। राजभवन गोल्फ क्लब की ओर से आयोजित 18वीं गवर्नर्स कप गोल्फ प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को तीन युवा गोल्फरों सहित 56 गोल्फरों ने अपने हाथ आजमाए। शुक्रवार को प्रतियोगिता के पहले दिन 58 गोल्फरों ने हिस्सा लिया था। राजभवन गोल्फ कोर्स में आयोजित प्रतियोगिता के दूसरे दिन सुबह से दोपहर बाद तक खिलाड़ी डटे रहे। राजभवन गोल्फ कोर्स में देश के विभिन्न हिस्सों से आए गोल्फर प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के साथ ही यहां के प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ उठा रहे हैं। गवर्नर्स कप गोल्फ प्रतियोगिता में हिस्सा कर रहे गोल्फरों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस तरह के गोल्फ कोर्स में खेलने का अलग ही आनंद है। उन्होंने कहा कि यहां की व्यवस्थाओं और आतिथ्य से वह प्रभावित हुए हैं। कुछ गोल्फरों ने कहा कि वे पिछले कई वर्षों से राजभवन गोल्फ कोर्स में खेल रहे हैं।

नजीबाबाद-कोटद्वार राजमार्ग का निर्माण जल्द होगा शुरू, विस अध्यक्ष ने की केंद्रीय सचिव के साथ बैठक

देहरादून, एजेंसी।
विस अध्यक्ष ने केंद्रीय सचिव के साथ बैठक में कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र में प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं को धरातल पर उतारने पर चर्चा की। उन्होंने केंद्रीय सचिव से निर्माण शुरू करने के लिए अधिकारियों को दिशानिर्देश देने का आग्रह किया

नजीबाबाद-कोटद्वार राजमार्ग का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। रविवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने सभी अनुमति मिलने के बाद भी निर्माण कार्य न होने पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन के साथ बैठक कर नाराजगी जताई। इस पर केंद्रीय सचिव ने विभागीय अधिकारियों को तत्काल काम शुरू करने और जल्द से जल्द पेड़ काटने के आदेश दिए।

दिल्ली प्रवास के दौरान विस अध्यक्ष ने केंद्रीय सचिव के साथ बैठक में कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र में प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं को धरातल पर उतारने पर चर्चा की। उन्होंने केंद्रीय सचिव से निर्माण शुरू करने के लिए अधिकारियों को दिशानिर्देश देने का आग्रह किया। विस अध्यक्ष ने कहा कि कोटद्वार बाईपास का निर्माण अति आवश्यक है। कोटद्वार क्षेत्र में नेशनल हाईवे के तहत आने वाला बाईपास सड़क आर्मी फायर रेंज के पास से होते हुए लालपानी, रतनपुर, जीतपुर क्षेत्र से होकर एनएच-534 पर मिलेगा।

विस अध्यक्ष ने कहा कि सड़क का निर्माण न होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस मार्ग का सर्वेक्षण कार्य हो चुका है। साथ ही निर्माण के लिए सभी स्वीकृति भी प्राप्त हो गई हैं। लेकिन अभी तक मार्ग का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया। कहा कि नजीबाबाद- कोटद्वार राजमार्ग के निर्माण के लिए सभी प्रकार की अनुमति पूर्ण होने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाना चाहिए।

विस अध्यक्ष ने विकासखंड दुगड्डा में कोल्हू चौड़ नदी पर पुल निर्माण, चिल्लरखाल-सिगड्डी-कोटद्वार पाखरो मोटर मार्ग पर 12 किलोमीटर तक सुधारीकरण कार्य के लिए केंद्रीय सड़क अवस्थापना निधि के तहत धनराशि आवंटित का आग्रह किया। सचिव अनुराग जैन ने भी विधानसभा अध्यक्ष को सभी विषयों पर गंभीरता से कार्य करने और कोटद्वार के विकास को लेकर केंद्र के पूर्ण सहयोग देने का आश्वस्त किया।

विजिलेंस का अधिकारी बताकर सिंचाई विभाग के प्रधान सहायक से एक लाख ठगे

हल्द्वानी, एजेंसी। मुख्य अभियंता सिंचाई विभाग कार्यालय कालाढूंगी रोड में प्रधान सहायक के पद में तैनात उमेश चन्द्र कोठारी से चार लोगों ने विजिलेंस का अधिकारी बनकर एक लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने प्रधान सहायक को कुछ वीडियो भी दिखाए। पैसा नहीं देने पर ट्रैप करने और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। प्रधान सहायक की तहरीर पर पुलिस ने महिला सहित चार अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्रधान सहायक उमेश चंद्र कोठारी ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि बृहस्पतिवार दोपहर करीब 11ः30 बजे एक महिला सहित चार लोग उनके दफ्तर पहुंचे। आरोपियों ने अपने आप को विजिलेंस अधिकारी बताया। एक आरोपी ने अपने मोबाइल में उसके कुछ टेप किए हुए आधे-अधूरे वीडियो दिखाए। विजिलेंस कार्ड दिखाते हुए धमकाया। उन्होंने कहा कि एक लाख रुपये देने पर वह मामला रफा-दफा कर देंगे। ऐसा नहीं करने पर वह उसे फंसा देंगे। साथ ही वीडियो भी वायरल कर देंगे।

कहना है कि वह आरोपियों की धमकियों से डर गए। एक आरोपी के साथ बाइक में जाकर अपने बैंक से 70 हजार रुपये निकाले। एक दोस्त से 30 हजार रुपये उधार लिए और आरोपियों को एक लाख रुपये की रकम दे दी। कहना है कि डर के चलते वह पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करा पाए।

बताया कि आरोपी यूएस नगर नंबर की सफेद कार से आए थे। एसएसपी पंकज भट्ट ने बताया कि तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों को चिह्नित किया जा रहा है।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ भी ऐसी वसूली की चर्चा कुछ दिन पूर्व शहर में फैल रही थी। लोक निर्माण विभाग के सूत्रों ने बताया कि रुद्रपुर और हल्द्वानी क्षेत्र के कथित पत्रकार पहले स्टिंग किया। फिर लोनिवि के अधिकारियों से भारी भरकम राशि वसूल की। हालांकि इस बारे में कोई अधिकारी बताने को तैयार नहीं है।

हल्द्वानी और रुद्रपुर का एक बड़ा गैंग इस पर काम कर रहा है। सूत्र बताते हैं कि पहले कुछ लोग ठेकेदार बनकर आते हैं। उनके पास हिडन कैमरा होता है।

पूर्व प्रधानमंत्री की पोती ने की मुख्यमंत्री धामी से मुलाकात, पुलिस पर लगाए कई गंभीर आरोप

देहरादून, एजेंसी।
अंद्रीजा ने राजपुर थाने में तहरीर दी थी। इस तहरीर में उन्होंने ससुर पूर्व सांसद अनंग उदय सिंह, देवर अलिकेश नारायण पर दहेज के लिए उत्पीड़न का आरोप भी लगाया था। यह मामला पीएमओ तक भी पहुंच गया था। पिछले दिनों अंद्रीजा सिंह ने पुलिस मुख्यालय में भी शिकायत की थी।

पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की पोती अंद्रीजा सिंह ने रविवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। अंद्रीजा ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पहले तो पुलिस ने देर से मुकदमा दर्ज किया, अब जांच में ढिलाई बरती जा रही है। मुख्यमंत्री ने डीजीपी और पुलिस कप्तान को निष्पक्षता से जांच करने के निर्देश दिए। इसके बाद कप्तान ने कैंप ऑफिस में अंद्रीजा सिंह से मिलकर पूरी जानकारी ली। अंद्रीजा का आरोप है कि गत 13 मई को वह किसी काम से घर के बाहर गई थीं। इस दौरान उनके पति अर्केश सिंह और मैनेजर हरि सिंह ने घर के गेट पर ताला लगा दिया और उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। कारण पूछने पर मारपीट करने लगे और गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

इस मामले में अंद्रीजा ने राजपुर थाने में तहरीर दी थी। इस तहरीर में उन्होंने ससुर पूर्व सांसद अनंग उदय सिंह, देवर अलिकेश नारायण पर दहेज के लिए उत्पीड़न का आरोप भी लगाया था। यह मामला पीएमओ तक भी पहुंच गया था। पिछले दिनों अंद्रीजा सिंह ने पुलिस मुख्यालय में भी शिकायत की थी।

तहरीर के आधार पर अब अंद्रीजा के पति, ससुर, देवर और पति के मैनेजर के खिलाफ मुदकमा दर्ज किया गया है। रविवार को अंद्रीजा मुख्यमंत्री से मिलने पहुंची थीं। इसके बाद उन्होंने एसएसपी दलीप सिंह कुंवर से भी मुलाकात की। एसएसपी ने बताया कि अंद्रीजा सिंह से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली है। मामले में तेजी से जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया ने किए भगवान बदरी विशाल के दर्शन, नातिन के साथ पहुंचकर लिया आशीर्वाद

चमोली, एजेंसी।
अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया अपनी नातिन के साथ भगवान बदरी विशाल के दर्शन करने पहुंची। यहां पहुंचने पर मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने उन्हें भगवान बदरी विशाल का प्रसाद और अंग वस्त्र भेंट किया।

हिंदी फिल्मों की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री रही डिंपल कपाड़िया ने आज अपनी नातिन के साथ बदरीनाथ धाम के दर्शन कर पूजा- अर्चना की। दर्शन के उपरांत उन्होंने श्री बदरीनाथ -केदारनाथ मंदिर समिति के कार्यालय में समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय से भेंट की।

समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने उन्हें भगवान बदरी विशाल का प्रसाद और अंग वस्त्र भेंट किया। इस

अवसर पर मंदिर समिति के उपाध्यक्ष किशोर सिंह पंवार, अधिशासी अभियंता अनिल ध्यानी, सहायक अभियंता गिरीश देवली आदि मौजूद रहे।

गुरुग्राम निवासी पर्यटक की हार्ट अटैक से मौत

नैनीताल, एजेंसी। गुरुग्राम से घूमने आए पर्यटक की शनिवार को नैनीताल में अचानक मौत हो गई। घटना से उनके परिजनों में कोहराम मच गया। जाम के कारण मरीज को अस्पताल पहुंचाने में देरी हो गई। प्रथमदृष्टया हार्ट अटैक से मौत होने की आशंका है। जानकारी के मुताबिक अधिवक्ता त्रिलोक (45) अपनी पत्नी, भाई और भाभी के साथ घूमने के लिए शनिवार सुबह नैनीताल पहुंचे। वह यहां मेट्रोपोल परिक्षेत्र के पास एक होटल में रुके थे। शनिवार शाम सात बजे अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने होटल प्रबंधन को इसकी जानकारी दी। शाम 7.45 बजे उन्हें बीडी पांडे अस्पताल ले जाया गया लेकिन जाम के चलते मरीज को अस्पताल तक पहुंचाने में काफी दिक्कतें हुई। इस दौरान क्षेत्र में रहने वाले नितिन जाटव व शहनवाज उनकी मदद को आगे आए। उन्होंने किसी तरह जाम खुलवाकर त्रिलोक को अस्पताल पहुंचाया। डॉ.हिमांशु ने सैलानी त्रिलोक को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन की ओर से पुलिस को सूचना दी जा चुकी है। पुलिस के आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। भवाली (नैनीताल)। नगर में शनिवार को बिहार निवासी एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह सिकरा चंपारण बिहार निवासी बिकेश शर्मा (20) पुत्र शंभू शर्मा सप्ताहभर पूर्व काम के लिए बिहार से आया था। शनिवार सुबह पेट में दर्द होने पर साथियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया।

हत्या के मामले में दोषी को आजीवन कारावास

नैनीताल, एजेंसी।
जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुजाता सिंह ने चार साल पहले हल्द्वानी के मुखानी क्षेत्र में हुई हत्या के मामले में दोष साबित होने पर दोषी को आजीवन कारावास और दस हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड अदा न करने पर अभियुक्त को दो साल का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक छह जून 2019 को इंद्रा मौर्या पत्नी स्व.कृष्णपाल मौर्या निवासी सरदार की कोठी मल्ली बमौरी मुखानी ने मुखानी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पांच जून की सुबह उनके पड़ोसी राजेंद्र सिंह मेहरा की गाय उनके खेत में आई और फसल को नुकसान पहुंचाने लगी। वह अपने पति कृष्णपाल के साथ खेत से गाय को भगा रहे थे तभी राजेंद्र सिंह ने वहां पहुंचकर गालीगलौज की और जान से मारने की धमकी दी। उसी रात राजेंद्र सिंह ने घर के बाहर कृष्णपाल के गर्दन पर पाटल से वार कर हत्या कर दी। जांच के बाद पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया। अभियोजन पक्ष की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) सुशील कुमार शर्मा ने अपने तर्कों को साबित करने के लिए न्यायालय में आठ गवाह पेश किए। दोनों पक्षों को सुनने और जांच रिपोर्ट का अवलोकन कर आरोपी राजेंद्र मेहरा पर हत्या का दोष साबित हो गया। इस पर न्यायाधीश ने अभियुक्त को आजीवन कारावास और दस हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

300 लीटर कच्ची शराब और डेढ़ किलो गांजे के साथ चार गिरफ्तार

ऋषिकेश, एजेंसी। कोतवाली पुलिस ने एक स्कॉर्पियो कार से तीन सौ लीटर कच्ची शराब और डेढ़ किलो गांजा बरामद किया है। इस दौरान पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज हो गया है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक खुशीराम पांडेय ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर 20 मई को गढ़ी तिराहा श्यामपुर के पास एक स्कॉर्पियो कार को रोककर चेक किया गया। चेकिंग के दौरान वाहन में डेढ़ किलो गांजा और 300 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। पुलिस ने वाहन में सवार उधम सिंह नगर निवासी जयंत कुमार, हर्ष देव, नैनीताल निवासी विक्रमजीत और गुरु बिंद सिंह उर्फ सोनू को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली से दोस्त की शादी में शामिल होने आए थे चार दोस्त, सरयू में नहाने पहुंचे ; हुई अनहोनी

बागेश्वर, एजेंसी।
दिल्ली से दोस्त के विवाह में शामिल होने आया एक युवक सरयू नदी में डूब गया है। पुलिस की टीम खोजबीन कर रही है। जबकि तीन अन्य युवक घटना में बालबाल बच गए। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया है। नगर के तल्ला बिलौना निवासी सुरेश लाल के पुत्र पंकज का विवाह 27 मई को है। पंकज दिल्ली में रहता है। उसके विवाह में उसके साथी रोहिल्ला, दिल्ली निवासी 25 वर्षीय प्रिंस, 30 वर्षीय खुशाल, 28 वर्षीय राहुल और 26 वर्षीय अक्षय रविवार की सुबह गांव पहुंचे। नाश्ता के बाद चारों युवक सरयू नदी की तरफ चले गए। वहां पशु चिकित्सालय के पीछे की तरफ नदी में नहाने लगे। एकाएक चारों डूबने लगे। उनके साथ कोई स्थानीय नहीं था। अक्षय ने सूझबूझ का परिचय दिया और बारी-बारी दो अन्य

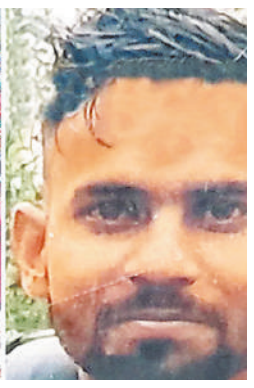

साथियों को पानी से खींचकर बाहर निकाल लिया। जबकि 25 वर्षीय प्रिंस पुत्र विरेंद्र नदी की गहराई की तरफ अंदर डूब गया। उसे काफी खोजने की कोशिश की। लेकिन वह नहीं मिला। इसके बाद घटना की सूचना स्थानीय लोगों को सूचना दी। पुलिस, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग की टीम घटना स्थल पहुंची। डूबे युवक की तलाश की जा रही है। अभी वह नहीं मिला है। घटना के बाद बिलौना गांव में कोहराम मच गया है। घटना में बचे तीनों अन्य साथी भी बदहवास हैं। कोतवाल कैलाश नेगी ने बताया कि सर्च अभियान जारी है।

14 से 23 साल के खिलाड़ियों को भी उदीयमान योजना का मिलेगा लाभ

रुद्रपुर, एजेंसी।
मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना में आठ से 14 वर्ष की तर्ज पर ही 14 से 23 वर्ष के खिलाड़ियों को जोड़ा जाएगा। खिलाड़ियों के खातों में प्रति माह 1500 रुपये की खेल छात्रवृत्ति दी जाएगी।

प्रदेश सरकार ने बीते वर्ष आठ से 14 वर्ष के खिलाड़ियों के लिए मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना शुरू की है। इसमें जिले के 300 खिलाड़ियों का शारीरिक परीक्षण कर उनका चयन किया गया था। खिलाड़ियों को तीन माह में डीबीटी के माध्यम से 4500 रुपये खेल छात्रवृत्ति दी गई थी। इसी की तरह अब 14 से 23 साल के खिलाड़ियों का भी न्याय पंचायत स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर, फिर जिला स्तर तक ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तर पर अव्वल आने वाले खिलाड़ियों की मेरिट के आधार पर सूची बनाकर 300 खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा।

जिला क्रीड़ाधिकारी प्रभारी गिरीश कुमार का कहना है कि इस वर्ष से आठ से 14 व 14 से 23 वर्ष के खिलाड़ियों को भी खेल छात्रवृत्ति दी जाएगी। बताया कि इन्हें भी प्रतिमाह 1500 रुपये के तहत हर तीन माह में 4500 रुपये का भुगतान किया जाएगा। बताया कि निदेशालय स्तर से खिलाड़ियों के चयन करने के लिए अभी कोई गाइडलाइन नहीं मिली है। गाइडलाइन मिलने के बाद कमेटी बनाकर खिलाड़ियों का चयन खेल छात्रवृत्ति के लिए किया जाएगा।

कल से विस्तारा शुरू करेगा मुंबई की एक और अतिरिक्त फ्लाइट

ऋषिकेश, एजेंसी।
देहरादून-मुंबई के बीच हवाई सफर करने वालों को अब एक और विकल्प मिलने जा रहा है। विमानन कंपनी विस्तारा सोमवार से देहरादून-मुंबई हवाई रूट पर एक और अतिरिक्त फ्लाइट संचालित करने जा रहा है। यात्रियों संख्या सही रही तो इस फ्लाइट को नियमित भी किया जा सकता है। विस्तारा ने समर शेड्यूल में देहरादून-दिल्ली और देहरादून-मुंबई के बीच अपनी दो फ्लाइट शुरू की थी। जो वर्तमान में नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं, लेकिन इस बीच गो फर्स्ट के सामने वित्तीय संकट छाने के कारण उसने अपनी देहरादून-मुंबई की फ्लाइट को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया है। इसे देखते हुए विस्तारा ने देहरादून-मुंबई रूट पर 17 मई से 31 मई तक के लिए एक अतिरिक्त फ्लाइट शुरू की है, लेकिन यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विस्तारा अब एक और अतिरिक्त फ्लाइट 22 मई से शुरू करने जा रहा है। एयरपोर्ट सुत्रों के अनुसार यह फ्लाइट मुंबई से उड़ान भरकर शाम साढे छह बजे देहरादून में लैंड होगी। देहरादून से यात्रियों को लेकर शाम सात बजे मुंबई को टेक ऑफ करेगी। इस फ्लाइट के शुरू होने के बाद अब विस्तारा की मुंबई के लिए तीन और दिल्ली के लिए एक फ्लाइट हो जाएंगी।

एक और सिरफिरा हुआ नंदी पर सवार, पीछे लगी पुलिस

ऋषिकेश, एजेंसी। मुनिकीरेती के तपोवन क्षेत्र में तीन सप्ताह पूर्व एक नशेड़ी युवक के नंदी पर सवार होकर सड़क पर दौड़ने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ कि एक और सिरफिरा युवक नंदी पर सवार हो गया। दूल्हा बन गया ओए.... सेहरा सज गया ओए... गीत के साथ इंटरनेट मीडिया पर उक्त युवक का नंदी पर सवारी का वीडियो तेजी के साथ प्रसारित हो रहा है। राम झूला पार्किंग का यह वीडियो पुलिस के संज्ञान में आया तो पुलिस ने युवक की तलाश शुरू कर दी।

ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक में बोलें मंत्री

महिलाएं समृद्ध हुई तो गांव स्वतः विकसित होने लगेगा : श्रवण

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने विभागीय योजनाओं को अमलीजामा पहनाने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। मंत्री लगातार विभागीय योजनाओं की जिलेवार समीक्षा करने में जुटे हैं। इसी क्रम में मंत्री ने सोमवार को शेखपुरा समाहरणालय सभा कक्ष में ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित सभी योजनाओं की समीक्षा की। समीक्ष के बाद मंत्री ने जीविका दीदी की सिलाई घर प्रशिक्षण सह उत्पादन केन्द्र का उद्घाटन किया। यह सिलाई घर प्रशिक्षण सह उत्पादन केन्द्र वीणा पानी जीविका, महिला संकुल स्तरीय संघ, सिरारी द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस सिलाई सह प्रशिक्षण केन्द्र में कुल 60 सिलाई मशीन की व्यवस्था है। इस सिलाई केन्द्र में एक बार में 40 दीदियां प्रशिक्षण प्राप्त करती है। वीणा पानी जीविका कलस्टर की अध्यक्षा रिन्कू देवी ने बताया कि इस कलस्टर में 525 जीविका समूह जुड़ी हुई हैं। रिंकू देवी ने बताया कि हमारा लक्ष्य सभी 525 समूहों की दीदियों को प्रशिक्षित करना है। इस प्रशिक्षण केन्द्र पर प्रारंभ में 9 दिन का प्रशिक्षण दिया जाता है। पंखा जीविका समूह की सदस्या निशा देवी ने बताया कि मेरी इस काम में काफी दिलचस्पी है । मैं प्रशिक्षण ले रही हूं। मैं अपने काम से संतुष्ट हूं। मुझे जो भी काम का ऑर्डर मिलेगा उसे मैं अपनी पूरी लगन से पूर्ण करूंगी। मंत्री श्रवण कुमार ने मीडिया कर्मियों एवं उपस्थित लोगों से वार्ता के क्रम में बताया कि हमारे राज्य के मुखिया नीतीश कुमार की यह सोच रही है कि जब हम गांव की महिलाओं को कार्य कुशल एवं समृद्ध बना देगें तब हमारा गांव स्वतः विकसित होने लगेगा एवं आत्मनिर्भर होने लगेगा। इसी कड़ी में शेखपुरा जिला के ग्रामीण महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण देकर कार्य कुशल बनाया जा रहा है इससे रोजगार के अवसर पैदा होगें और ग्रामीण महिलाओं की आमदनी बढ़ेगी। मंत्री ने कहा कि जीविका के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में और भी कई अच्छे कार्य हो रहे हैं । शेखपुरा जिला के ही चांदी गांव में प्याज का पाउडर बनाने का कार्य चल रहा है। यह पाउडर आयुर्वेद की दृष्टि से बहुत गुणकारी है। उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर उप विकास आयुक्त, शेखपुरा के पूर्व विधायक रणधीर कुमार सोनी, पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव, जद यू डॉ अर्जुन प्रसाद सिंह, निवास सिंह आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

समीर महासेठ व कुमार सर्वजीत सुनवाई कार्यक्रम में आज होंगे शामिल

राजद कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उद्योग मंत्री व कृषि मंत्री करेंगे सुनवाई

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के पहल पर राजद द्वारा चल रहे सुनवाई कार्यक्रम के तहत बजट सत्र के बाद दूसरे सप्ताह में आज यानी मंगलवार को उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ एवं कृषि मंत्री कुमार सर्वजीत राजद कार्यालय में कार्यकताओं से मिलेंगे और सुनवाई करेगें।

इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रदेश राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि मंत्री से मिलने वालों को मंगलवार को राजद कार्यालय में पूर्वाह्न 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच आवेदक स्वयं उपस्थित होकर रजिस्ट्रेशन कराकर ही सुनवाई कार्यक्रम मे शामिल होंगे। जिनका रजिस्ट्रेशन होगा क्रमानुसार अपराह्न 1 बजे से अपराह्न 3 बजे तक मंत्री द्वय बारी-बारी से कार्यकताओं से मिलकर उनकी समस्याओं को सुनेगें और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ज्ञात हो कि बजट सत्र के बाद सुनवाई कार्यक्रम निरंतर चल रहा है, और इसमें सैकड़ों लोगों की समस्याओं की सुनवाई और कार्रवाई हुई है। एजाज ने आगे बताया कि कार्यकताओं को मंत्रीगण से मिलकर अपने क्षेत्र से जुड़े जनसमस्याओं अथवा शिकायतों से उन्हें अवगत कराने के लिए आवश्यक संलग्नों के साथ लिखित में आवेदन देना है, उसी के अनुसार सुनवाई के बाद कार्रवाई की जायेगी।

बिहार में कानून व्यवस्था ध्वस्त व शिक्षा व्यवस्था पस्त : विजय

- बोलें- भाजपा शिक्षकों के साथ खड़ी है

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार विधानमंडल में नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त और शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह पस्त हो गई है। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में सोमवार को आयोजित सहयोग कार्यक्रम में लोगों की समस्या सुनने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए श्री सिन्हा ने जातीय जनगणना से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि जातीय गणना के साथ भाजपा शुरू से खड़ी है। भाजपा जब सरकार में थी तभी इसकी मंजूरी दी गई, लेकिन आज इसके नाम पर सरकार जातीय उन्माद फैलाना चाहती है। उन्होंने कहा कि जब पूरे मामले की अदालत समीक्षा कर रही है तो इन्हे बेचैनी क्यों हो रही है? उन्होंने कहा कि स्कूल में शिक्षकों की नियुक्ति करने, स्कूल के भवन निर्माण कराने से इन्हे कौन रोका है। स्कूल में तो सभी जाति के लोग पढ़ते हैं। श्री सिन्हा ने कहा कि अब सत्ता से जाने के समय यह राज्य में झंझट खड़ा कराना चाहते हैं। उन्होंने शिक्षको के आंदोलन पर सरकार की चेतावनी से जुड़े प्रश्नों पर कहा कि सरकार यहां आपातकाल की स्थिति पैदा कर दी है। कोई संगठन न आंदोलन कर सकता है और नहीं कोई सड़कों पर उतर सकता है अगर कोई पत्रकार सरकार के खिलाफ बोलेगा तो उसे जेल में डाल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा शिक्षकों के साथ प्रारंभ से खड़ी है। उन्होंने 10-15 साल से कार्य कर रहे नियोजित शिक्षकों से परीक्षा लेने पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पढ़ाना और चीज है और परीक्षा देना और चीज है। उन्होंने कहा कि अगर ये शिक्षक योग्य नहीं थे तो अब तक पढ़ा कैसे रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहता है कि यहां शैक्षणिक वातावरण बने और इस ज्ञान की धरती को पुराने समय की तरह सम्मान मिले। यही कारण है कि भाजपा शिक्षकों के साथ खड़ी है।

बिहार के विकास से खुश है जनता : राजीव

- प्रदेश में शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में काफी तरक्की

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भाजपा पर बिहार की छवि धूमिल करने के आरोप मढ़ते हुए जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने आज कहा है कि सत्ता से बाहर निकाले जाने के बाद भाजपा के नेताओं के आँखों पर अंधविरोध का चश्मा चढ़ गया है। इसीलिए कल तक उनके नेता बिहार के जिस विकास की कहानियां सुनाते नहीं थकते थें, आज उन्हें वह दिखाई देना तक बंद हो गया है। कुर्सी के लालच में यह लोग अब बिहार की छवि को खराब करने पर उतर आये हैं। एक तरफ इनके नेता हर दिन बिहार के खिलाफ बयानबाजी कर के बिहारवासियों को नीचा दिखाने के प्रयासों में लगे रहते हैं, दूसरी तरफ इनका आईटी सेल भ्रामक खबरों को बढ़ा-चढ़ा कर लोगों को गुमराह करने में व्यस्त रहता है। भाजपा के नेता यह जान लें कि बिहार की जनता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य के विकास को भलीभांति समझती है और बेहद खुश है। उनका कोई प्रोपगैंडा यहां काम नहीं आने वाला। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं को चाहिए कि अपने प्रोपगैंडा से समय निकाल कर सरकार द्वारा जारी आर्थिक सर्वेक्षण को भी पढ़ें। उन्हें पता चल जाएगा कि बिहार विकास के सभी मापदंडों पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उन्हें फिर से याद आ जायेगा कि चाहे बात कृषि की हो या महिलाओं के सशक्तिकरण की, बिहार सरकार द्वारा किये जा रहे काम पूरे देश के सामने एक उदहारण बन कर उभरे हैं। बिहार के विकास रथ को सुचारू रूप से चलाये रखने के लिए यह सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों का ही नतीजा है कि आज बिहार का 10.98 का विकास दर, देश के विकास दर से भी अधिक है। आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में प्रति व्यक्ति सालाना आय 6400 बढ़कर 54,383 रुपए हो गई है। ऐसे में उनके झूठे बयान कहीं भी काम नहीं आने वाले। जदयू प्रवक्ता ने कहा कि बिहार में सड़क के क्षेत्र में भी काफी तरक्की हुई है। बिहार में कुल सड़कों का घनत्व 31.69 किलोमीटर प्रति 1000 वर्ग किलोमीटर भौगोलिक क्षेत्रफल पर है। पिछले 16 साल में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बिहार ने 11 गुना और शिक्षा के क्षेत्र में 8 गुना खर्च की वृद्धि की है। इसके अलावा प्राइमरी सेक्टर में भी जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई है।

संविधान बदलने की हो रही साज़िश : दीपांकर

रामदेव वर्मा ने विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया : मेहता

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। विभूतिपुर के पूर्व विधायक और चर्चित कम्युनिस्ट नेता रामदेव वर्मा के पहले स्मृति दिवस पर सोमवार को उनके गांव पतेलिया में उनकी आदमकद मूर्ति का अनावरण किया गया। मूर्ति का अनावरण भाकपा माले के महासचिव कामरेड दीपांकर भट्टाचार्य ने किया। मौके पर बिहार सरकार के मंत्री आलोक मेहता और भाकपा माले के कई विधायक, जनता दल यूनाइटेड, आरजेडी व सीपीआई के लोग उपस्थित थे। रामदेव वर्मा के मूर्ति अनावरण में भाकपा माले की केंद्रीय समिति सदस्य व पूर्व विधायक और उनकी पत्नी मंजू प्रकाश ने बड़ी भूमिका निभाई है। कामरेड दीपंकर भट्टाचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि रामदेव वर्मा के अंदर उम्र के अंतिम पड़ाव में भी लाल झंडे को ऊंचा उठाने की जो प्रतिबद्धता थी, वही हमारे लिए प्रेरणा स्रोत है। आज एक बहुत मुश्किल दौर में देश है। यदि 2024 में मोदी फिर से सत्ता में आ गए तो देश मे कभी चुनाव न होगा। चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है। मोदी बजरंगबली के नाम पर वोट मांगते रहे लेकिन कोई कारवाई नहीं हो रही है। एक समय था जब बाल ठाकरे पर कारवाई हो गई थी। कहा कि हिन्दू राष्ट्र के सिद्धान्तकार सावरकर के जन्म दिन 28 मई को संसद के नए भवन का उद्घाटन किया जा रहा है, इसका मतलब साफ है कि भाजपा अंबेडकर के संविधान को खत्म कर देना चाहती है। वह देश को एक दूसरी ही दिशा में ले जाना चाहती है। दिल्ली मे होने के कारण उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव तो नहीं आए लेकिन उन्होंने अपना वीडियो संदेश भेजा। कहा कि रामदेव वर्मा ने जीवन भर जिन मूल्यों के लिए संघर्ष किया, हमारे लिए प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि वे रामदेव वर्मा की मूर्ति पर माल्यार्पण करने जरूर आयेंगे। हम सब मिलकर भाजपा को हटाएंगे, यही रामदेव वर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आलोक मेहता ने कहा कि रामदेव वर्मा ने अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया। हम उनसे प्रेरणा लेने का काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज बाबा साहब अंबेडकर के संविधान पर हमला है। जो लोग धर्म की राजनीति करते हैं, उन्हें कर्नाटक की जनता ने सबक सिखा दिया है।

पाथरडीह स्टेशन पर रूकेगी स्वर्णरेखा एक्सप्रेस

पटना। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर 25 मई से गाड़ी संख्या 13301/13302 धनबाद-टाटानगर-धनबाद स्वर्णरेखा एक्सप्रेस का धनबाद मंडल के पाथरडीह स्टेशन पर ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है । विदित हो कि अब तक इस ट्रेन का पाथरडीह स्टेशन पर सिर्फ परिचालनिक ठहराव था, परंतु अब 25 मई से वाणिज्यिक ठहराव प्रारंभ हो जाएगा। इससे क्षेत्र के लोगों को स्वर्णरेखा एक्सप्रेस से पाथरडीह आवागमन सुलभ हो जाएगा। गाड़ी संख्या 13301 धनबाद-टाटानगर स्वर्णरेखा एक्सप्रेस 25 मई से 06.25 बजे पाथरडीह स्टेशन पहुंचेगी तथा यहां से 06.35 बजे प्रस्थान करेगी। इसी तरह वापसी में गाड़ी संख्या 13302 टाटानगर-धनबाद स्वर्णरेखा एक्सप्रेस 25 मई से 20.30 बजे पाथरडीह स्टेशन पहुंचकर 20.40 बजे प्रस्थान करेगी। उक्त जानकारी पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेन्द्र कुमार द्वारा दी गई है।

स्वास्थ्य से जुड़ी केंद्रीय परियोजनाओं में भेदभाव : जदयू

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू पार्टी मुख्यालय में पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और विधानपार्षद नीरज कुमार और प्रवक्ता डॉक्टर सुनील कुमार ने सोमवार को मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान आंकड़ों के आधार पर दोनों प्रवक्ताओं ने स्वास्थ्य से जुड़ी केंद्रीय परियोजनाओं में गड़बड़ी एवं बिहार के साथ भेदभाव का आरोप लगाया और बीजेपी से सीधे सवाल पूछे। जदयू प्रवक्ताओं ने पूछा कि क्या यह सही है कि पीएम राहत कोष में बिहार के मात्र चार अस्पतालों को सूचीबद्ध किया गया है, जबकि सीएम द्वारा संचालित सीएम चिकित्सा सहायता कोष में बिहार के 43 अस्पताल सूचीबद्ध हैं। तो आखिर पीएम राष्ट्रीय सहायता कोष में इतने कम अस्पताल सूचीबद्ध क्यों हैं?क्या 39 अस्पतालों में सनातन धर्म मानने वाले इलाज नहीं कराते? आखिर इन अस्पतालों को सूचीबद्ध क्यों नहीं किया गया? पीएम राहत कोष में इतनी राशि पड़ी हुई है फिर वो राशि जरूरतमंदों के लिए केंद्र सरकार खर्च क्यों नहीं कर रही? प्रवक्ताओं ने कहा कि इस मामले में केंद्र सरकार श्वेत पत्र जारी करे, और ये बताए कि बिहार के कितने लोगों को लाभ मिला और कितनों को राशि मिली? जदयू प्रवक्ताओं ने पूछा कि पीएम केयर फंड में जमा रुपयों से कितना ब्याज प्राप्त हुआ, उस फंड में कितने रुपए बचे हुए हैं और बचे हुए रुपए जरूरतमंदों के लिए खर्च क्यों नहीं हुए? मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोष में अगर कोई भी शख्स 100 रुपए की भी सहायता देता है तो उसकी पूरी डिटेल राज्य सरकार के वेबसाइट पर उपलब्ध रहती है ऐसे में पीएम राष्ट्रीय चिकित्सा राशि में सहायता करने वाले लोगों की सूची वेबसाइट पर क्यों नहीं है? जदयू प्रवक्ताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि हेल्थ मिनिस्टर कैंसर फंड, रेयर डिजीज फंड जैसे योजनाओं के खर्च का जिम्मा स्वास्थ्य मंत्री के पास होता है लेकिन इन फंड में भी जरूरतमंदों को मदद नहीं की गई। जदयू प्रवक्ताओं ने कहा कि हेल्थ मिनिस्टर कैंसर फंड में 40 करोड़ का आवंटन हुआ जबकि खर्च महज 78 लाख ही हुए। उसी तरह रेयर डिजीज फंड में 25 करोड़ का आवंटन हुआ जबकि अभी तक उस फंड से कोई राशि खर्च नहीं की गई।

कई दलों के दर्जनों नेताओं ने थामा लोजपा का दामन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जद यू, राजद और कांग्रेस के आधा दर्जन पदाधिकारियों ने सैंकड़ों कार्यकताओं के साथ लोजपा (रामविलास) की सदस्यता ग्रहण की। सोमवार को लोजपा रा के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजू तिवारी ने सभी नये सदस्यों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। इस अवसर पर श्री राजू तिवारी ने कहा कि जिसे जहां सम्मान और उचित स्थान मिलेगा वह वहां जाएगा। जो लोग भी आज पार्टी में शामिल हुए हैं इन्हें लोजपा रा और चिराग पासवान की नीतियों और सिद्धांतों पर विश्वास है। अन्य दलों को छोड़कर लोजपा रा में शामिल हुए सभी नये सदस्यों का स्वागत करते हुए श्री तिवारी ने उम्मीद जताई कि इनके आने से पार्टी और ज्यादा मजबूत होगी साथ ही पार्टी के विजन बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट को जन-जन तक पहुंचाने का रास्ता भी सुगम होगा। पार्टी का विस्तार करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ में कोई लोगों को प्रदेश और जिला स्तर पर नई और अहम जिम्मेदारी भी सौंपी है, जिनमें मोहम्मद सलीम साहिल को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बिहार, मोहम्मद मोतिउल्लाह को प्रधान महासचिव, मोहम्मद नसीम अंसारी मोहम्मद सरवर अली व मोहम्मद समीर अंसारी को प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मोहम्मद साकेत खान व मोहम्मद नसरुद्दीन को प्रदेश महासचिव बनाया गया है। इसी तरह मोहम्मद सरफराज अहमद को जिलाध्यक्ष दरभंगा, कमरान आलम को जिलाध्यक्ष पटना पश्चिमी, मोहम्मद नफीस को जिलाध्यक्ष जमुई समीर आलम को जिलाध्यक्ष वैशाली, मुनव्वर हुसैन को जिलाध्यक्ष मधेपुरा, मोहम्मद ओमेन्दु रहमान को जिलाध्यक्ष समस्तीपुर, मोहम्मद हसन इकबाल को जिला उपाध्यक्ष जमुई, नौशाद खान को जिला सचिव हाजीपुर, मोहम्मद आमिर को जिलाध्यक्ष मुंगेर, मोहम्मद इमरान को जिलाध्यक्ष सहरसा, मोहम्मद राशीद अंसारी को जिला सचिव सुपौल, मोहम्मद इम्तियाज भारती को जिलाध्यक्ष जहानाबाद, मोहम्मद टीपू सुल्तान को जिलाध्यक्ष शेखपुरा, मोहम्मद जमशेद आलम को जिलाध्यक्ष पश्चिमी चंपारण, मोहम्मद हसन इमाम को जिला महासचिव झाझा और अभिषेक सिंह को पटना महानगर का अध्यक्ष बनाया गया है। इस मौके पर पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष जनाब सलीम साहिल साहब के साथ प्रदेश संगठन मंत्री रविंद्र सिंह और पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता राजेश भट्ट भी मौजूद रहे। जदयू, राजद और कांग्रेस छोड़कर लोजपा रा ज्वाइ करने वालों में जदयू के दरभंगा जिला कमेटी से मोहम्मद अजीज, सरफराज अंसारी, बरकत अली एवं मोहम्मद आशु अंसारी कांग्रेस के शब्बीर अहमद एंव गुलजार प्रधान और राजद के कामरान आलम, अब्दुल रहमान व सरफराज अहमद के साथ इन दलों के सैकड़ों कार्यकताओं का नाम शामिल है।

सिर्फ एम्स पटना में लगेगा येलो फीवर का टीका

- येलो फीवर का टीका लगाने के लिए नहीं होगा किसी अनधिकृत टीकाकरण केंद्र का इस्तेमाल
- सचिव स्वास्थ्य-सह-कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार ने पत्र जारी कर दिए निर्देश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। येलो फीवर, इसे आम भाषा में पीलिया और ज्योंडिस के नाम से भी जाना जाता है। येलो फीवर का कोई उपचार नहीं है। 9 माह के आयु में इसका टीका शिशु को लगाया जाता है जिससे वह आगे चलकर इस रोग से सुरक्षित रह सके। येलो फीवर का टीका लगाने के लिए राज्य में सिर्फ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एकमात्र प्राधिकृत केंद्र है। उक्त प्राधिकृत केंद्र के अलावा पूर्वी चंपारण जिले में कुछ वर्ष पहले येलो फीवर का टीका लगाया गया था। इसे संज्ञान में रखते हुए सचिव स्वास्थ्य-सह-कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार ने सिविल सर्जन को पत्र जारी कर जिले में येलो फीवर टीकाकरण से संबंधित अनधिकृत केंद्र का संचालन नहीं करने का निर्देश जारी किया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एकमात्र प्राधिकृत केंद्रः जारी पत्र में बताया गया है कि पटना स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एकमात्र ऐसा प्राधिकृत केंद्र है जहाँ येलो फीवर का टीका लगाया जाता है. यह सुनिश्चित किया जाना है कि जिलान्तर्गत येलो फीवर टीकाकरण से संबंधित किसी भी टीकाकरण केंद्र का संचालन नहीं हो। येलो फीवरःविश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार येलो फीवर एक मच्छर जनित रोग है जो संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से होतं है. यह मच्छर दिन में मनुष्य को काटता है और संक्रमित करता है. येलो फीवर के लक्षण तत्काल दिखाई नहीं देते हैं। धीरे धीरे संक्रमित व्यक्ति को अचानक बुखार आना, सर एवं पीठ में तेज दर्द, जी मचलाना अथवा उल्टी होना, थकावट का अहसास जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। येलो फीवर के उपचार के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं है लेकिन ग्रसित मरीज ज्यादा से ज्यादा आराम करे, पानी तथा तरल पदार्थों का सेवन करें। सर एवं पीठ के दर्द को कम करने के लिए मरीज चिकित्सक की सलाह पर पैन किलर दवा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। येलो फीवर से सुरक्षा के लिए 9 माह अथवा इससे ऊपर के बच्चों को वाईएफ 17 डी वैक्सीन लगायी जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पूरे विश्व में हर वर्ष 2 लाख से ज्यादा येलो फीवर के मरीज पाए जाते हैं। इस रोग से प्रतिवर्ष करीब 30 हजार लोग अपनी जान गँवा देते हैं।

जिलाधिकारी ने की संभावित बाढ़ एवं जल-जमाव से निपटने हेतु तैयारियों की समीक्षा

संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ से निपटने हेतु जिला प्रशासन पूर्णतः तैयार : डीएम

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जिलाधिकारी डॉ. चन्द्रशंखर सिंह ने कहा है कि संभावित बाढ़ एवं जल-जमाव से निपटने हेतु जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार जिला स्तर पर सभी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि बाढ़ आने की स्थिति में प्रभावितों के जान-माल की सुरक्षा एवं ससमय राहत पहुँचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एसओपी के अनुसार क्षेत्रीय पदाधिकारी यथा अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी तथा अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तुरंत रिस्पॉन्ड करेंगे। डीएम ने कहा कि आपदा की स्थिति में सामान्य जन-जीवन प्रभावित न हो यह सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को मिशन मोड में काम करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान वे बाढ़ पूर्व तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। संभावित बाढ़ की स्थिति में प्रभावित परिवारों के बीच वितरण हेतु राहत सामग्रियों एवं अन्य सामग्रियों तथा नाव के दर का निर्धारण कर लिया गया है। पॉलीथिन शीट्स का दर निर्धारण भी पूर्व में ही कर लिया गया है। जिला में बाढ़ से निपटने हेतु 56 प्रकार की सभी आवश्यक दवा पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है। पशु चिकित्सालयों में 42 प्रकार की दवा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। डीएम डॉ. सिंह ने कहा कि संभावित आसन्न आपदाओं का पूवानुर्मान, ससमय एवं शीघ्र चेतावनी और आम जनता के बीच उनका प्रभावी प्रचार-प्रसार सफल आपदा प्रबंधन के मुख्य घटक हैं। प्रबंधन के विभिन्न चरणों यथा आपदा का निवारण, कमी एवं आपदा के प्रति प्रत्युत्तर के लिए सम्पूर्ण तंत्र सक्रिय है। विदित हो कि डीएम डॉ. सिंह द्वारा संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ से निपटने हेतु तैयारी की नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने तटबंधों की लगातार पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने का निदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि संवेदनशील स्थलों पर तटबधों का सुदृढीकरण एवं मरम्मति करें। संचार तंत्र एवं सूचना प्रणाली को सुदृढ़ रखें। शरण स्थलों पर मोबाइल मेडिकल टीम, शौचालय एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था रहनी चाहिए। यहां मेडिकल कैंप, शिशु टीकाकरण, प्रसव, भोजन का उपस्कर, बच्चों हेतु विशेष भोजन, मच्छरदानी, सैनिटरी किट के लिए विशेष रूप से निर्मित योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने पुल-पुलियों एवं मुख्य सड़कों विशेषकर जिला मुख्यालय से प्रखंड को जोड़ने वाले लिंक रोड की नियमानुसार मरम्मती एवं संधारण कार्य पर विशेष ध्यान देने को कहा। डीएम डॉ. सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संकटग्रस्त एवं भेद्य समुदायों का प्रशिक्षण कर क्षमता वर्धन कार्य पर विशेष ध्यान देने का निदेश दिया है।

डीएम डॉ. सिंह ने कहा कि सार्थक संचार तंत्र सफल आपदा प्रबंधन की रीढ़ है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को इसे सुदृढ़ एवं सक्रिय रखने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त, पटना तनय सुल्तानिया, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन संतोष कुमार झा, अधीक्षण अभियंता बाढ़ नियंत्रण, महाप्रबंधक पेसू, समादेष्टा एनडीआरएफ, टीम कमांडर एसडीआरएफ, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अनुमंडलों के अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, सभी प्रखंडों के अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अन्य भी उपस्थित थे।

मॉनसून पूर्व सभी नालों की सम्पूर्ण सफाई की मॉनिटरिंग करें :

डीएम ने कहा कि अनुमंडल पदाधिकारी मॉनसून पूर्व सभी नालों की सम्पूर्ण सफाई की मॉनिटरिंग करें। नालों को अतिक्रमणमुक्त रखें सभी ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन को तैयार रखना होगा। सम्प हाउस के इन्लेट-आउटलेट का लगातार अनुश्रवण करें। सभी डीपीएस पर पम्प कार्यरत रहना चाहिए। कोई भी यांत्रिक या विद्युत त्रुटि नहीं रहनी चाहिए। विद्युत आपूर्ति निर्वाध होनी चाहिए। डीजल पम्पसेट एवं मोबाईल पम्पसेट की समुचित व्यवस्था रखें। दरअसल,पटना जिले में पालीगंज अनुमण्डल को छोड़कर शेष 05 अनुमण्डलों में कई क्षेत्र बाढ़ प्रवण है। बाढ़ प्रवण पंचायतों की संख्या 108 एवं बाढ़ प्रवण प्रखंडों की संख्या 20 है। आकलन के अनुसार लगभग 4,39,574 की आबादी सम्भाव्य बाढ़ की स्थिति में प्रभावित हो सकती है। डीएम डॉ. सिंह ने कहा कि गंगा के दियारा क्षेत्रों में मनेर से मोकामा तक तथा मसौढ़ी एवं पटना सिटी में पुनपुन नदी तथा दरधा नदी के क्षेत्रों में बाढ़ आने की संभावना रहती है। अत्यधिक मॉनसूनी वर्षा की स्थिति में तथा गंगा, सोन एवं पुनपुन नदियों के जल-स्तर में एक साथ असामान्य वृद्धि से बाढ़ की स्थिति बन जाती है। जब गंगा एवं पुनपुन दोनों नदी का जल स्तर अत्यधिक रहता है तो अतिवृष्टि की स्थिति में शहरी क्षेत्रों से नदियों के माध्यम से जल प्रवाह नहीं हो पाने पर जल-जमाव हो जाता है।

पंचायत उपचुनाव : मतदान एवं मतगणना को लेकर दूसरा रैण्डमाईजेशन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य निर्वाचन आयोग के निदेशार्नुसार पंचायत उप निर्वाचन 2023 के मतदान एवं मतगणना कार्य हेतु कर्मियों का रैण्डमाईजेशन किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पंचायत) सह जिला पदाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह एवं आयोग द्वारा प्रतिनियुक्त प्रेक्षकों की उपस्थिति में समाहरणालय स्थित एनआईसी में यह रैण्डमाइजेशन किया गया। मतदान कर्मियों का तृतीय एवं मतगणना कार्य कर्मियों का द्वितीय रैण्डमाईजेशन हुआ। कुल 510 मतदान कर्मियों (पीठासीन पदाधिकारी, मतदान पदाधिकारी-1, मतदान पदाधिकारी-2, मतदान पदाधिकारी-3ए तथा मतदान पदाधिकारी-3बी), 55 पीसीसीपी तथा 102 मतगणना कर्मियों (मतगणना पर्यवेक्षक, मतगणना सहायक तथा मतगणना माईक्रो ऑब्जर्वर) का राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार रैण्डमाईजेशन किया गया। गौरतलब है कि पंचायत उप निर्वाचन, 2023 के लिए दिनांक 25 मई 2023 को मतदान तथा 27 मई, 2023 को मतगणना होना है। पटना जिला अंतर्गत तीन पदों - ग्राम पंचायत मुख्या, ग्राम पंचायत सदस्य एवं ग्राम कचहरी पंच- का निर्वाचन ईवीएम के माध्यम से कराया जाएगा। पटना जिला के 06 अनुमंडलों के 11 प्रखंडों में कुल मतदान केन्द्रों की संख्या 86 है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, पटना डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने कहा है कि राज्य निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुसार पंचायत उप चुनाव स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराया जाएगा।

जनता की हो रही अनदेखी : ऋतुराज सिन्हा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकता को एकजुट कर प्रधानमंत्री बनने का सपना देखने में वह इतने मशरूफ हो चुके हैं कि बिहार की जनता को वह भूल चुके हैं। बिहार की 13 करोड़ जनता के हित को ध्यान में रखकर जो फैसले लेने चाहिए उन तमाम बैठकों से दूर हो चुके हैं, मुख्यमंत्री ने बिहार की जनता को बिहार के प्रशासनिक पदाधिकारियों के भरोसे छोड़कर विपक्षी एकता को एकजुट करने में

संक्षिप्त खबरें

एक शराबी गिरफ्तार

शिवाजीनगर, समस्तीपुर। खानपुर प्रखंड अंतर्गत खानपुर थाना क्षेत्र के शोभन बडगांव से पुलिस ने शराब के नशे में हंगामा कर रहे झोटी साह के पुत्र शत्रुघ्न साह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थाना अध्यक्ष विपिन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि बिहार मध्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 37-सी के अभियुक्त शत्रुघ्न साह को शोभन बड़गांव निवासी को शोभन बड़गांव से गिरफ्तार किया गया है। मौके पर एसआई एकरार फारुकी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

शादी की नियत से ग्यारहवीं की छात्रा का अपहरण

सरायरंजन, समस्तीपुर। केएसआर कॉलेज सरायरंजन में एक ग्याहरवीं की छात्रा को शादी की नीयत से कतिपय लोगों ने अपहरण कर लिया है। सरायरंजन थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासी छात्रा की मां ने सरायरंजन थाना में आवेदन देकर नाबालिग किशोरी छात्रा को बरामद कराने की गुहार लगाई है। छात्रा की मां के द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार विगत 18 मई को तीन बजे दिन में उक्त किशोरी कुछ सामान लाने के लिए बाजार निकली थी। शाम तक नहीं आने के बाद खोजबीन शुरू की गई। एक पड़ोसी के द्वारा एक स्थानीय व्यक्ति एवं दूसरा अपने रिश्तेदार हलई ओपी के दरबा पंचायत का रहने वाले कुछ लोगों के द्वारा शादी की नियत से अपहरण कर लिए जाने की जानकारी मिली। अपहरणकर्ता के घर पर जाने के बाद किशोरी का कोई सुराग नहीं मिला। वहीं उसके परिजनों के द्वारा विभिन्न प्रकार की धमकी दी गई। किशोरी छात्रा की मां के द्वारा सरायरंजन थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई गई है।

ट्रैक्टर ट्रॉली में बाइक घुसने से बाइक सवार युवक की मौत

गजरौला। कोतवाली इलाके में रेलवे फ्लाईओवर पर सोमवार दोपहर सड़क हादसा हो गया। आगे चल रहे ट्रैक्टर ट्रॉली में पीछे से बाइक सवार युवक घुस गया। हादसे में युवक की मौत हो गई। हालांकि घटना के बाद मौके पर पहुंचे राहगीर युवक को सरकारी अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। गौरतलब है कि जनपद बिजनौर के थाना नगीना इलाके के गांव अब्धीपुर निवासी 21 वर्षीय लव देशवाल गजरौला में किसी काम से आया था। साथ ही सोमवार दोपहर बाइक पर सवार होकर अपने गांव लौट रहा था। जैसे ही उसकी बाइक हरिद्वार - बदायूं स्टेट हाईवे पर गजरौला रेलवे फ्लाईओवर के ऊपर पहुंची। तभी बिजनौर मार्ग पर आगे चल रहे ट्रेक्टर ट्राली में पीछे से घुस गई। जिससे बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। हालांकि राहगीर युवक को तत्काल गजरौला सीएचसी ले गए। लेकिन वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। साथ ही मृतक युवक के परिजनों को भी घटना के बारे में अवगत करा दिया है। कोतवाल अरिहंत कुमार सिद्धार्थ ने बताया कि सड़क हादसे में युवक की मौत हुई है। शव को कब्जे में ले लिया है। मृतक के परिजनो के आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

लाउडस्पीकर समेत हिजाब को लेकर धर्मगुरुओं संग बैठक

हसनपुर। नगर कोतवाली परिसर में धर्म गुरुओं संग बैठक हुई। सीओ ने लाउडस्पीकर, डीजे, ट्रिपल राइडिंग समेत हिजाब को लेकर वायरल हो रही वीडियो पर शिकंजा कसते हुए कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। सोमवार को पुलिस क्षेत्राधिकारी अभिषेक यादव एवं कोतवाल सुशील कुमार वर्मा ने नगर कोतवाली परिसर में धर्मगुरुओं के साथ बैठक आयोजित की। जिसमें उन्होंने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर ने लगाए जाए। जहां लगे हुए हो उनको उतारा जाए। शासन की मंशानुरूप ट्रिपल राइडिंग करने वाले दुपहिया वाहन चालकों पर कार्रवाई की जाएगी। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहने। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि हिजाब को लेकर कुछ लोगों ने ग्रुप बना रखे हैं। उसमें वीडियो वायरल की जाती हैं। इस प्रकार के तथ्य सामने आने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं उन्होंने शासन के नियमों की जानकारी देते हुए नियम विरुद्ध चलने वाले लोगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। साथ ही उन्होंने सभी से नगर समेत क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। इस अवसर पर जामा मस्जिद इमाम मोहम्मद मेहराज अहमद, इरफान अहमद, अब्दुल गफ्फार, मनोज कुमार, राजू शर्मा, मोहम्मद शमीम, सोम प्रकाश शर्मा, जियाउल हक आदि धर्मगुरु मौजूद रहे।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आशीर्वचनों की फुहार कार्यक्रम आयोजित

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार के चार दिवसीय दौरे पर पधारीं रूस एवं नजदीकी देशों के सेवाकेंद्रों की निर्देशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी चक्रधारी दीदी, जो विगत 60 वर्षों से ईश्वरीय सेवा में समर्पित हैं, उनके समस्तीपुर पधारने पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शिव शक्ति भवन में आशीर्वचनों की फुहार कार्यक्रम आयोजित किया गया। उनके शुभ आगमन पर रेड कारपेट वेलकम किया गया एवं उन्हें फूल-मालाओं व गुलदस्ते से लाद दिया गया। इस अवसर पर टाटानगर की प्रभारी अंजू दीदी, भागलपुर प्रभारी अनीता दीदी, बेतिया प्रभारी अंजना दीदी सहित सभी बहनों का चुनरी, पाग, तिलक एवं माला से सम्मान किया गया। चक्रधारी दीदी ने अपने संबोधन में कहा कि यहां के भाई-बहनों ने मेरी बहुत महिमा की और दिल से स्वागत किया है। मैंने वह सारी महिमा एवं मान परमात्मा को अर्पित कर दिया। ठीक वैसे ही जैसे हाथी को कोई फल-फूल प्रदान करता है तो वह अपनी सूंड़ ऊपर करके उन चीजों को महावत को अर्पित कर देता है। वैसे ही मैं जो भी हूं, वह प्रभु देन है। मेरी जीवन, मेरे गुण, विशेषतायें, शक्तियां-सभी उनकी देन है। वह सारी महिमा भी उन्हीं की देन है। सर्वशक्तिमान, गुणों के सागर, पतित पावन, सर्व के कल्याणकारी परमपिता परमात्मा शिव बाबा ब्रह्मा तन में अवतरित होकर हमें ज्ञान और योग से सजा रहे हैं और नई सतयुगी दुनिया के लिए हमें तैयार कर रहे हैं। हम बहुत भाग्यशाली हैं कि उन्होंने हमें निमित्त बनाकर नई दुनिया के निर्माण में तन-मन-धन सफल कर सेवा करने का सौभाग्य दिया है और यहां की सेवाओं की प्रालब्ध ही वहां महाराजा-महारानी, राजा-रानी, रॉयल प्रजा सभी संपन्न एवं सुखी होंगे। तो हम सभी को उनके इस महान कार्य में योगदान दे अपना श्रेष्ठ भाग्य बना लेना चाहिए। कार्यक्रम को अंजू दीदी, अनीता दीदी, ओम प्रकाश भाई ने भी संबोधित किया। कृष्ण भाई ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर रोसड़ा, पटोरी, दलसिंहसराय, पूसा, मोहिउद्दीननगर, ताजपुर आदि जिले के अनेक स्थानों से सैकड़ों बहन-भाई उपस्थित थे। मुख्य रूप से सविता बहन, रंजना बहन, कुंदन बहन, सोनिका बहन, पूजा बहन, आशा बहन, सतीश चांदना, शिवकुमार अग्रवाल, डॉ० दशरथ तिवारी, राजकुमार भाई आदि उपस्थित थे।

क्राइम मीटिंग में एसपी ने अपराध नियंत्रण लंबित कांडो के निष्पादन पर दिया जोर

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिला अंतर्गत पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी की अध्यक्षता में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन समस्तीपुर समाहरणालय सभागार में किया गया। जिसमें सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी थानाध्यक्ष एवं सभी संबंधित पदाधिकारी शामिल हुए। इस दौरान मुख्य रूप से अपराध नियंत्रण व लंबित कांडों के निष्पादन करने का सख्त आदेश दिया गया। इसको लेकर सभी थानाध्यक्षों एवं ओपी अध्यक्षों को सख्त हिदायत दी गयी। एसपी ने सभी थानों के कांडों की समीक्षा की। इसके बाद सभी थानाध्यक्षों व ओपी अध्यक्षों को अपराध पर नियंत्रण के लिए सतत प्रयासरत रहने, लंबित मामलों में फरार बदमाशों व वारंटी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने, आसूचना संकलन कर शराब तस्करों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने, जनता से जुड़े मामलों को जल्द से जल्द निपटारा करने का आदेश दिया गया। इसके अलावे सभी थाना अध्यक्ष व ओपी अध्यक्ष को रात्रि गश्ती व गश्ती के दौरान बैंक एरिया में निगरानी रखने, लंबित कांड का तीव्र गति से निष्पादन करने, सोमवार को सभी पुलिस पदाधिकारी व कर्मी को फील्ड में रहने का आदेश दिया गया। सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं अंचल पुलिस निरीक्षक सभी दिन अलग-अलग थाने पर जाकर कांडों की समीक्षा करने एवं थाने पर प्राप्त आवेदनों की पावती एवं प्राथमिकी की प्रति आवेदक को निशुल्क उपलब्ध कराने का सख्त निर्देश दिया गया। मौके पर सदर डीएसपी संजय कुमार पांडेय, मुख्यालय डीएसपी अमित कुमार, रोसड़ा डीएसपी शिवम कुमार पांडेय, दलसिंहसराय डीएसपी दिनेश कुमार पांडेय, पटोरी डीएसपी रवि शंकर प्रसाद के अलावे सभी थानाध्यक्ष, सर्किल इंस्पेक्टर आदि पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

उन्मुखीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के विद्यापतिनगर बीआरसी सभागार में महादलित, दलित एवं अल्पसंख्यक अतिपिछड़ा वर्ग अक्षर आँचल योजनान्तर्गत कोई बच्चा पीछे नहीं, माता भी छूटे नहीं कार्यक्रम के तहत समर कैंप 2023 के सफल आयोजन हेतु शिक्षा सेवकों की एक दिवसीय प्रखंड स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला की गई। जिसमें कक्षा छह एवं सात के कमजोर बच्चों को एक से 30 जून तक खेल खेल में भाषा एवं गणित में दक्ष बनाया जायेगा। एसआरपी मधुरेन्द्र दत्त शर्मा ने विभिन्न गतिविधियों द्वारा बच्चों में क्षमता विकसित करने की जानकारी दी। मौके पर केआरपी प्रमिला कुमारी, शिक्षा सेवक उमेश चन्द्र मांझी, मनोज कुमार महतो आदि थे।

आरबी कॉलेज में एसएफआई ने किया प्रतिरोध प्रदर्शन

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

एसएफआई के बैनर तले रामाश्रय बालेश्वर महाविद्यालय दलसिंहसराय के मुख्य द्वार पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर बैठे महिला पहलवानों के समर्थन में व विभूतिपुर में छात्र नेता पर झूठा मुकदमा दर्ज के खिलाफ प्रतिरोध प्रदर्शन किया गया। मौके पर रागनी कुमारी की अध्यक्षता में एक सभा की गई। सभा को एसएफआई राज्य सचिव मंडल सदस्य अवनीश कुमार, जिलामंत्री छोटू कुमार भारद्वाज एवं संयुक्त जिलामंत्री आनंद कुमार ने संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला पहलवान के साथ यौन उत्पीड़न करने वाले बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह को केंद्र सरकार संरक्षण दे रही है। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इसके खिलाफ केस तो दर्ज किया गया। लेकिन अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। दिल्ली के जंतर मंतर पर महीनों से धरना पर बैठे महिला पहलवानों एवं उसके समर्थकों को दिल्ली पुलिस द्वारा काफी परेशान किया जा रहा है। बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ का नारा देने वाली केंद्र सरकार के खिलाफ देश की बेटियां दिल्ली के विभिन्न सड़कों पर घूम-घूम कर न्याय की भीख मांग रही है। भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी अविलंब नहीं होती है तो पूरे देश में आंदोलन की ज्वाला उग्र होगी। जिसकी सारा जवाबदेही मोदी सरकार की होगी। मौके पर एसएफआई जिलाध्यक्ष चंदन कुमार, उपाध्यक्ष नीलकमल, जिला कमिटी सदस्य मो० सुलेमान, मो० असगर, मो० शाहबाज, छात्र नेता पिंटू कुमार, ज्योति कुमारी, दिलशाद सहित अनेकों छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

बिहार संपर्क क्रांति ट्रेन के पैंट्री कार से 18 बोतल विदेशी शराब बरामद, एक कर्मी गिरफ्तार

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

राजकीय रेल पुलिस ने सोमवार को समस्तीपुर स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 05 के नई दिल्ली दरभंगा बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट ट्रेन के पेंट्रीकार में छापेमारी करते हुये 18 बोतल विदेशी शराब बरामद किया है। पूछताछ के दौरान पेंट्रीकार का एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया। जिसकी पहचान मधुबनी जिला के खिरहर थाना क्षेत्र के हिसार गाँव के वार्ड 07 निवासी श्याम सुंदर साह के पुत्र विजय कुमार साह के रूप में किया गया है। जीआरपी थानाध्यक्ष प्रवीन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर प्लेटफॉर्म संख्या 05 पर खड़ी बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट ट्रेन के पेंट्रीकार में छापेमारी किया गया जहाँ कैरट में छुपा कर रखे गए 16 बोतल रॉयल ग्रीन 750 एमएल एवं दो बोतल 750 एमएल रॉयल स्टैग का जब्त करते हुये कर्मचारी को हिरासत में लेते हुए थाना लाया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में थाना कांड संख्या 109/23 दर्ज करते हुये न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहाँ से आरोपी को मेडिकल जाँच के लिए सदर अस्पताल भेजा गया जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है।

रोटरी क्लब द्वारा निशुल्क शुगर जाँच शिविर का आयोजन

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। रोटरी क्लब अमरोहा के द्वारा निःशुल्क शुगर जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर बेगम सराय में रोटेरियन डॉ0 सरल राघव के क्लीनिक पर लगाया गया। क्लब अध्यक्ष रो0 डॉ0 जी0 पी0 सिंह ने कहा की रोटरी क्लब हर वर्ष मेडिकल कैम्प, ब्लड डोनेशन कैम्प और हेल्थ जांच शिविर का आयोजन करता रहता है। इसी क्रम में निशुल्क शुगर जांच कैम्प का आयोजन बेगम सराय में डॉ0 सरल राघव के क्लीनिक पर लगाया गया। शिविर में लगभग 200 से अधिक लोगो ने शुगर की जांच कराई। क्लब सचिव रोटेरियन सरल राघव ने कहा कि शिविर में लगभग 77 लोगो ने 3 माह के शुगर लेवल की जांच करवाई तथा 125 लोगो ने शुगर की रेण्डम जांच कराई। सभी जांचे रोटरी क्लब अमरोहा की ओर से निशुल्क की गई थी। क्लब कोषाध्यक्ष रो0 अमित मोहन गोयल ने कहा कि रोटरी क्लब अमरोहा आगे और भी समाज और जनहित के कार्य करता रहेगा। शिविर में रवि माहेश्वरी, कुंवर विनीत अग्रवाल, अजय चतुर्वेदी, अभय आर्य, आशीष गोयल, अर्पित खंडेलवाल आदि रोटेरियन्स का विशेष सहयोग रहा।

गौशाला में कमजोर पशुओं को देख डीएम का चढ़ा पारा, कनिष्ठ लिपिक को किया संस्पेंड

- गजरौला और बछरायूं ईओ को स्पष्टीकरण देने के आदेश
- आवारा घूम रहे पशुओं को लाया जाए गौशाला : डीएम

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी बालकृष्ण त्रिपाठी ने सोमवार की शाम कान्हा गौशाला गजरौला और बछरायुं का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। गायों के संरक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने अन्यथा की स्थिति में कठोर कार्यवाही करने की हिदायत दी। गौ संरक्षण केंद्र के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से कितने पशु संरक्षित हैं, कितने को सुपुर्द किया गया है, चारा कतरने की मशीन, भूसा की उपलब्धता, हरा चारा, खली, चोकर व पानी की क्या व्यवस्था है, किस किस समय चारा देना सहित अन्य बिंदुओं पर जानकारी ली। जिलाधिकारी बाल कृष्ण त्रिपाठी द्वारा कान्हा गौशाला गजरौला में कमजोर गौवंशीय पशुओं को देखकर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये अधिशासी अधिकारी गजरौला को स्पष्टीकरण के आदेश दिये और सख्त निर्देश देते हुये कहा कि अधिक कमजोर पशुओं को 15-20 दिन तक अलग से देखभाल की जाए। साथ ही उन्हें कोई बीमारी तो नहीं है आदि की जांचकर उनका इलाज कराया जाए। उन्होंने गायों की देखभाल करने वाले कार्मिक अनिल के कार्य ठीक न कर पाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कहा कि अगर सुधार नहीं किया गया तो इन्हें तत्काल हटाया जाए। इसके बाद जिलाधिकारी द्वारा बछरायुं गौशाला में गौवंशीय पशुओं के बहुत कम और बहुत कमजोर, कोई साफ-सफाई न होने, भूसे का स्टॉक, हरा चारा उपलब्ध न होने पर अधिशासी अधिकारी बछरायुं के स्पष्टीकरण और कनिष्ठ लिपिक नितिन को निलम्बित करने के आदेश दिए। साथ ही पशु चिकित्सक के कार्य से असन्तुष्टि व्यक्त करते हुये कड़ी नाराजगी के साथ स्पष्टीकरण के आदेश दिये। उन्होंने कहा कि गायों की देखभाल पूरी ईमानदारी के साथ की जानी चाहिए। पशुओं को हरा चारा, पानी भूसा में कोई भी कमी नहीं होनी चाहिए। पशुओं को हरा चारा भूसे के साथमिलाकर अवश्य दिया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी पशु बीमार होता है तो उसे तो उसकी तत्काल चिकित्सा सुविधा होनी चाहिए। कोई भी पशु चिकित्सा के आभाव में मरना नहीं चाहिए। पशुओं की संख्या को बढ़ाया जाए, जो भी गौवंशीय पशु अवारा घूम रहें है उन्हें गौशाला में लाया जाए।

आयोजित सत्संग समारोह में वक्ताओं ने कहा- युगावतार थे ठाकुर अनुकूल चंद्र

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखंड के सिहमा गांव में श्री ठाकुर अनुकुलचंद्र के सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। ठाकुर अनुकूल चंद्र के पार्षद शिष्य स्व० डॉ० द्रव्येश्वर ठाकुर के आश्रम में आयोजित सत्संग समारोह को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने ठाकुर अनुकूल चंद्र को युगावतार बताते हुए उनके मार्ग पर चलने से ही संसार का कल्याण होना बताया। श्री ठाकुर प्रदत्त जीवनी सिद्धांतों को मानव जीवन के लिए वरदान बताते हुए उन्हें अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया गया। स्व० डॉ० द्रव्येश्वर ठाकुर के भक्तिमय पावन चरित्र की विशेषताओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। ऋत्विक, शशिकांत चौधरी, गोपाल कुमार झा, ईन्द्रदेव झा, मनभरण साह, महावीर दास, राजकुमार सिंह, डॉ० राजकुमार ठाकुर, डॉ० रामसूरत दास, हरिमोहन ठाकुर, सत्यनारायण झा, राजकुमार दास, बाबू प्रसाद राय, रंजीत राय, राम कुमार ठाकुर, मनोज सिंह, अरविन्द ठाकुर आदि ने संबोधित किया। सत्संग के पश्चात आनंद बाजार का आयोजन किया गया। मौके पर सैकड़ों गुरु भाई एवं श्रद्धालु मौजूद थे।

पॉलिटेक्निक कॉलेज टभका में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा वर्कशॉप का किया गया शुभारंभ

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

प्रखंड अंतर्गत किशनपुर टभका स्थित कामेश्वर नारायण सिंह राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा 22 मई 2023 को एक सप्ताह का वर्कशॉप का शुभारंभ किया गया। जिसका विषय स्किल डेवलपमेंट एंड कैंपस ट्रेंनिंग एंड कारपोरेशन अफेयर्स एमएसएमई गवर्नमेंट ऑफ इंडिया अप्रूव्ड ऑगेनाइजेशन नॉर्थ वेस्ट दिल्ली के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य बच्चों का पर्सनालिटी डेवलपमेंट एवं उनके रोजगार और अच्छे भविष्य का निर्माण करना है। उक्त वर्कशॉप का उद्घाटन स्मार्ट क्लासरूम में संयुक्त रूप से प्राचार्य डॉ असीम कुमार ठाकुर, टीपीओ अफताब अंजुम एवं सॉफ्ट स्किल ट्रेनर, स्किल्स कंपनी प्रीतम कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ असीम कुमार ठाकुर द्वारा छात्र-छात्राओं को अपने कम्युनिकेशन स्किल बढ़ाने शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने तथा एक अच्छे नागरिक बनकर राष्ट्र तथा राज्य का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रीतम कुमार द्वारा यह बताया गया कि बिहार के छात्र-छात्राओं का सभी विषय पर पकड़ अच्छी है। परंतु कम्युनिकेशन स्किल में सुधार की आवश्यकता है। अंत में धन्यवाद ज्ञापन टीपीओ अफताब अंजुम द्वारा किया गया। मौके पर डॉ कृष्ण कुमार, डॉक्टर मोहम्मद कैसर हाशमी, प्रो न्यूटन कुमार सिंह, प्रो जयराम कुमार, प्रो विश्वजीत कुमार भारतीयम, विवेक कुमार, राजेश रंजन, जिज्ञासु कुमार एवं संस्थान के अन्य कर्मी मौजूद थे।

नौगावां नगर पंचायत में सफाई कर्मियों की हड़ताल जारी

- पीएफ का पैसा हड़पने का आरोप, अब भूख हड़ताल करने की चेतावनी

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

नौगांवा सादात। नगर पंचायत के बाहर पिछले छह दिन से सौ से अधिक ठेका सफाई कर्मचारी अपनी कई मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे हुए हैं। उनकी मुख्य मांग है कि उन्हें 5 साल से उनके पीएफ का पैसा नहीं दिया जा रहा है। साथ ही मांगने पर अभद्रता करने का आरोप भी लगाया है। उन्होंने बताया कि जब तक उन्हें पीएफ का पैसा नहीं मिलता है तब तक हड़ताल जारी रहेगी। क्योंकि सफाई कर्मियों का लाखों रुपए का पीएफ फंसा हुआ है, जिसकी वजह से सफाई कर्मियों के सामने आर्थिक संकट आ खड़ा हुआ है। इसके साथ ही ठेकदार पर रुपए के गबन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जब तक सभी ठेका सफाई कर्मियों को पीएफ का पैसा नकद नहीं मिल जाता तब तक हड़ताल जारी रहेगी। इसके साथ ही जल्द समस्या का समाधान नहीं होने पर भूख हड़ताल करने की बात कही। उधर सफाई कर्मियों की हड़ताल के चलते शहर में जगह जगह गंदगी नजर आने लगी है। कई स्थानों पर कूड़े के ढेर लग गए हैं। इस मौके पर महेश कुमार, करण, ओमकार, मुकेश, राजेंद्र, साहिल, कपिल, रामानंद, राहुल, शिव कुमार, अजय, मौहम्मद बाकर, आशीष, अशोक समेत आदि ठेका सफाई कर्मियों ने बताया कि पिछले पांच सालों से उन्हें पीएफ का पैसा नहीं दिया जा रहा है। कई बार संबंधित अधिकारियों से बात की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

नवचयनित मेटों को मनरेगा योजना के सफल क्रियान्वयन का दिया प्रशिक्षण

शिवाजीनगर, प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर प्रखंड क्षेत्र के राम लखन रामस्वरूप कॉलेज शिवाजीनगर में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार अधिनियम (मनरेगा) के तहत योजनाओं के सफल क्रियावन्य के लिये प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण दिए गए कार्यक्रम की अध्यक्षता मनरेगा के कार्यक्रम पदाधिकारी रजनीश कुमार ने किया। ग्रामीण विकास विभाग के आदेश पर आयोजित शिविर में नव चयनित मेटों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षकों ने मनरेगा योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर मास्टर भरे जाने के तरीके, मांग की जाने वाली मजदूर, ग्रामसभा में योजनाओं के चयन तथा योजनाओं की गुणवत्ता आदि के लिये प्रशिक्षित किया गया। मनरेगा पीओ रजनीश कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य मनरेगा योजना में पारदर्शिता के साथ गुणवत्ता लाना है जहां नव चयनित मैट मजदूरों को मनरेगा कार्य में लाएंगे और योजना का कार्य करवाएंगे। सरकारी प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक मैट के अंदर 20 मजदूर कार्य करेंगे जिसके एवज में मैट को पारिश्रमिक मिलेगा।

दिवंगत पूर्व विधायक रामदेव वर्मा के प्रतिमा का हुआ अनावरण

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत पतैलिया स्थित पूर्व विधायक दिवंगत रामदेव वर्मा के आवासीय परिसर में उनके प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता एवं संचालन भाकपा माले के जिला सचिव उमेश कुमार कर थे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाकपा माले के केंद्रीय नेता दिवाकर भट्टाचार्य, सिक्ता विधायक विरेंद्र गुप्ता, दरौली विधायक सत्यदेव राम, तरारी विधायक सुदामा प्रसाद, अरवल विधायक महानंद सिंह, डुमराव विधायक अजीत कुशवाहा, घोघी विधायक रामबली सिंह यादव, बिहार सरकार के भूमि राजस्व मंत्री आलोक मेहता, राजद जिला अध्यक्ष रोमा भारती, सीपीआई राज्य परिषद सदस्य गजेंद्र चौधरी, उजियारपुर पूर्व सांसद अश्वमेघ देवी आदि उपस्थित हुए। सर्वप्रथम उपस्थित मुख्य अतिथि एवं अतिथियों ने झंडात्तोलन किया। तत्पश्चात संयुक्त रूप से दिवंगत पूर्व विधायक रामदेव वर्मा की प्रतिमा का अनावरण किया। वहीं समारोह के माध्यम से वक्ताओं ने विभूतिपुर विधानसभा क्षेत्र से 6 बार विधायक रह चुके दिवंगत रामदेव वर्मा को गरीबों का मसीहा बताते हुए कहा कि वर्मा जी महिलाओं को आवाज थे सामंतो, भूमाफिया, दबंगों, बिचौलिया को समाप्त करने का काम किया। भाजपा को भगाने का जो उनका सपना था सभी दल मिलकर पूरा करेंगे। साथ ही केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि देश की नजर बिहार पर है। बिहार आजादी से लेकर आज तक दिशा दिया है। यहां मिलना जुलना सिंह और वोट की राजनीति नहीं, कम्युनिस्ट, सोशलिस्ट, गांधीवादी को एक होना हिंदुस्तानी आजादी के लिए लड़ते थे। तो वो माफी मांगा करते थे। एक तरफ साजिशकर्ता दूसरी ओर आंदोलन करने वाले पर प्रशासन कमजोर हुआ देश को बचाने के लिए आपसी भाईचारा बनाना जरूरी है। बाबा के नाम पर हिंदू राष्ट्र बनाने के नाम पर नारा को बुलंद किया जा रहा है। नए बाबा की भी खोज कर सहारा लिया जा रहा है। जिस महिला पहलवान ने देश को नाम को बढ़ाया वहीं महिला पहलवान न्याय के लिए एक महीने से धरना पर बैठी है। देश की जनता समझ चुकी है। कर्नाटक से जिस प्रकार खदेड़ा गया। बिहार की बारी है। दर्जनों वक्ताओं ने अपनी अपनी बातें रखें। मौके पर जिला सचिव दरभंगा के बैजनाथ यादव, जिला सचिव सुपौल के जय नारायण यादव, जिला सचिव मधुबनी के ध्रुवनारायण कर्ण, वंदना सिंह, नेयाज अहमद, शत्रुघ्न साहनी, धीरेंद्र झा, किसान महासभा के राज्य अध्यक्ष विशेश्वर यादव, किसान नेता शिव सागर शर्मा, किसान महा सभा के सचिव रामाधार सिंह, राजा राम सिंह, अरुण सिंह, कुणाल, अमर, मीणा तिवारी, मंजू प्रकाश सहित सैकड़ों नेता व हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

आनंद को मिली सचिव पद की जिम्मेवारी

छपरा । श्री चित्रगुप्त समिति द्वारा वार्ड गठन को लेकर गठित उपसमिति के संयोजक कमल किशोर सहाय एवं उप समिति के सदस्य प्रिंस राज देखरेख में वार्ड नंबर 13 के समस्त चित्रांश बंधुओं की बैठक सोमवार को आनंद मोहित के आवास (भरत मिलाप चौक, भगवान बाजार)पर हुईजिसकी अध्यक्षता राकेश नारायण सिन्हा,श्री चित्रगुप्त समिति(संयुक्त महासचिव) ने की। जिसमेंविचारोपरांत श्री चित्रगुप्त समिति के वार्ड 13 के वार्ड समिति का गठन किया गया।संयोजक कमल किशोर सहाय ने बताया कि बी०बी० सिन्हा को अध्यक्ष, आनंद मोहित को सचिव रविंद्र प्रसाद सिन्हा एवं उपेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष अजय कुमार एवं रंजीत कुमार सिन्हा को संगठन सचिव प्रदीप कुमार को कोषाध्यक्ष अर्पणा कुमारी महिला प्रतिनिधि की जिम्मेवारी दी गई वहीं समिति के सदस्य के रूप में अनुप कुमार श्रीवास्तव,राजेश कुमार सिन्हा मनीष रंजन,अभिजीत श्रीवास्तव, शैलेंद्र रंजन सहाय,संजीव वर्मा, अभिषेक श्रीवास्तव,रोशन वर्मा को रखा गया।

गंगा महाआरती 3 जून को, जोर शोर से चल रहीं तैयारियां

छपरा । डोरीगंज के चिरांद स्थित बंगाली बाबा घाट पर हर वर्ष आयोजित होने वाले गंगा महाआरती की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं। गंगा, सरयू व सोन नद के संगम पर इस वर्ष 3 जून को यह आयोजन होना है। महाआरती के साथ ही चिरांद चेतना महोत्सव और गंगा गरिमा रक्षा संकल्प समारोह की भी तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। इसके लिए कुछ दिन पहले हुई चिरांद विकास परिषद की बैठक सोमवार को परिषद के कार्यालय में हरिद्वार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई,जिसमे कार्यक्रम से जुड़े विभिन्न प्रकोष्ठों का गठन किया गया। जिसके बाद सभी प्रकोष्ठ अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन में जुट गए हैं। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर 3 जून को होने वाले समारोह को सुव्यवस्थित एवं भव्य बनाने के लिए कुल आठ समितियों का गठन किया गया है, जो अपने काम में जुट गई हैं। इनमें आरती समिति, अतिथि व्यवस्था समिति,जल सेवा समिति,सांस्कृतिक आयोजन समिति, भोजन व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, समन्वय समिति, पंजीयन एवं लेखा समिति आदि शामिल हैं। इसी के साथ मंचीय व्यवस्था की जिम्मेदारी के लिए भी समिति है। सभी समितियां अपने हिस्से की तैयारियों में जुटी हुई हैं।

जागरूकता रथ को डीएम ने किया रवाना

छपरा । सारण, छपता समाहरणालय के प्रांगण में जिलाधिकारी शअमन समीर के द्वारा बाल श्रम निषेध के प्रचार प्रसार हेतु होर्डिंग्स से सजे तथा माइकिंग से लैशी-रिक्शा को जागरूकता रथ के रूप में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जिलाधिकारी द्वारा बाल श्रम निषेध विशेष जागरूकता रथ को रवाना करते हुए बाल श्रम के बारे में विस्तार से बताया गया कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चे से किसी भी प्रकार का कार्य तथा 14 से 18 वर्ष के किशोर से किसी भी खतरनाक श्रेणी का कार्य न लिया जाए। बाल श्रम में लिप्त बाल श्रमिकों को जिला स्तरीय धावा दल द्वारा विमुक्त कराया जाता है तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा उन्हें पुनर्वासित किया जाता है। दोषी नियोजकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जाती है तथा 20 से 50 हजार तक का जुमार्ना, 6 माह से 2 वर्ष तक की सजा देने के अतिरिक्त एम सी मेहता बनाम स्टेट ऑफ तमिलनाडु मामले में पारित माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार 20000 रुपए जिला बाल श्रमिक पुनर्वास सह कल्याण कोष में नियोजक द्वारा जमा कराया जाता है।

जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर स्वास्थ्य विभाग प्रतिबद्ध, जिले में चल रहा है अभियान

छपरा। जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा विभिन्न स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। प्रत्येक में स्वास्थ्य केंद्रों में परिवार नियोजन दिवस का आयोजन कर इच्छुक लाभार्थियों को परिवार नियोजन के साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मासूमगंज में पीएसआई इंडिया संस्था के सहयोग से परिवार नियोजन कैंप का आयोजन किया गया। परिवार नियोजन कैंप का उद्घाटन उप मेयर रागिनी गुप्ता के द्वारा किया गया। कैंप में आए हुए लाभार्थियों को परिवार नियोजन के स्थाई तथा अस्थाई साधनों के बारे में जानकारी दी गई। वही इच्छुक लाभार्थियों को परिवार नियोजन के अस्थाई साधनों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कराई गई। डॉ राजीव रंजन ने कहा कि लाभुक किसी भी परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों की जानकारी लेने के साथ ही सुविधानुसार इच्छित विकल्प का लाभ उठा सकते हैं। बच्चों के बीच समयांतराल रखने और छोटा परिवार के होने से लोग वर्तमान समय में बढ़ रही महंगाई से छुटकारा मिलने के साथ ही जनसंख्या स्थिरीकरण में भी सरकार और देश के सहायक बन सकते हैं। सरकार द्वारा चलाये जा रहे परिवार नियोजन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण के साथ ही प्रजनन स्वास्थ्य को सुदृढ़ करते हुए स्वस्थ परिवार का निर्माण करना भी है।

वाहन पर हूटर व लाइट लगाने वालों पर चला पुलिस का डंडा

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले में टशन के लिए वाहनों पर हूटर व लाइट लगाने के शौकीन लोगो पर पुलिस का चाबुक चला है। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर नगर थाने की पुलिस ने महाराणा प्रताप जंयती समारोह के लिए सजायी जा रही 10 वाहनों को जप्त करते हुए परिवहन विभाग को सौंप दिया। परिवहन विभाग के द्वारा इन वाहनों पर मोटर वाहन एक्ट के तहत जुमार्ना किया गया है। बता दें कि सोमवार को जिले में महाराणा प्रताप जयंती समारोह के लिए शहर के ब्लॉक मोड के समीप पब्लिक मार्ग को अवरूद्ध कर वाहनों को सजाया जा रहा था। इन वाहनों पर बिना अनुमति के हूटर व लाइट लगाकर एमवी एक्ट का उलंघन किया जा रहा था।

इसकी सूचना मिलते ही एसपी स्वर्ण प्रभात ने नगर थाने की पुलिस को पब्लिक मार्ग को अवरूद्ध करने वाले वाहनों को जप्त करने का निर्देश दिया। एसपी के निर्देश पर नगर इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार राय ने दस वाहनों को जप्त करते हुए परिवहन विभाग को सौंप दिया। परिवहन विभाग के द्वारा जप्त वाहनों पर एमवी एक्ट के तहत जुमार्ने की कारवाई की जा रही है। इस संबध में एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि शहर के ब्लॉक मोड़ के समीप पब्लिक मार्ग को अवरूद्ध करने व वाहनों पर बिना परमिशन हूटर व लाइट लगाने को लेकर कारवाई की गयी है। इन वाहनों से एमवी एक्ट के तहत परिवहन विभाग को जुमार्ना वसूलने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही पुलिस व परिवहन विभाग को हूटर व लाइट लगाकर चलने वाले वाहनों पर कारवाई करने का निर्देश दिया गया है।

गोपालगंज में राशन कार्ड में नाम जुड़वाने गये युवक का अपहरण

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। जिले के विजयीपुर थाने के हकारपुर गांव से एक युवक का अपहरण कर लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। अपहृत युवक की मां के बयान पर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन करने में जुट गयी है। अपहृत युवक मुन्ना यादव का पुत्र दिलीप कुमार बताया गया है। यादव है।

वही पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए अपहरण में शामिल एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि दिलीप यादव गांव से यूपी सीमा स्थित बलुआ अफगान के मुलायम चैराहे पर स्थित राशन दुकानदार के पास राशन कार्ड में आधार कार्ड से अपना नाम जुड़वाने गया था। लौटने के क्रम में गांव के नागेंद्र यादव सहित आधा दर्जन लोगों के द्वारा दिलीप यादव का अपहरण कर लिया गया। अपहरण के बाद अपहृता की मां के मोबाइल पर अपहरणकताओं ने फोन कर अपहरण किए जाने की बात कही। जिसके बाद पीडीता ने थाने में आवेदन देकर दीनदयाल यादव, नागेंद्र यादव सहित आधा दर्जन लोगों के विरुद्ध अपहरण की प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए नागेंद्र यादव सहित दो लोगो को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामला संगीन है अभी बहुत कुछ स्पष्ट नहीं हो रहा है। अपहृत युवक का चाल चलन भी गांव में ठीक नहीं था। उन्होंने कहा कि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी शीघ्र कर ली जाएगी। टीम गठीत कर छापेमारी की जा रही है।

मारुति नंदन महायज्ञ एवं हनुमान प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकली कलश यात्रा

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के फुलवरिया प्रखंड के ग्राम पंचायत राज बथुआ बाजार अंतर्गत पकड़ी श्याम गांव से श्री श्री 1008 श्री मारुति नंदन महायज्ञ एवं हनुमान मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सोमवार को भव्य तरीके से कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में 51सौ कन्याओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कलश यात्रा के दौरान हाथी, घोड़े, बैंड बाजा एवं भगवान श्री राम तथा हनुमान जी की झांकियां आकर्षण का केंद्र बना रहा। कलश यात्रा पकड़ी श्याम गांव स्थित यज्ञ स्थल से पकड़ी बाजार, श्रीकांत पकड़ी, फुलवरिया, छत्तू फुलवरिया गांव होते हुए बथुआ बाजार स्थित प्राचीन शिव मंदिर पोखर में विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोचार के बीच जल भरने के बाद काजीपुर, रामपुर गांव होते हुए यज्ञ स्थल पर पहुंचा। इसकी जानकारी देते हुए मुख्य यजमान प्रदीप कुमार सिंह, मनीष कुमार, मंटू कुमार तथा रूपेश कुमार सिंह के अलावे बीडीसी सदस्य अली अकबर अंसारी ने बताया की कलश यात्रा जिस गांव से होकर गुजरा उस गांव के लोगों का भरपूर सहयोग मिला। उन्होंने बताया कि कलश यात्रा के दौरान जय श्रीराम जय हनुमान की जय घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कलश यात्रा में शामिल कन्याओं एवं श्रद्धालुओं के ऊपर पकड़ी बाजार के छतों से पुष्प की वर्षा लोगों के द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि श्री श्री 1008 श्री मारुति नंदन महायज्ञ एवं हनुमान मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का निर्माण समस्त ग्रामीणों कि सहयोग से कराया गया है। यज्ञ के मुख्य यजमानों के द्वारा बताया गया कि श्री श्री 1008 श्री मारुति नंदन महायज्ञ एवं हनुमान मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा में अपनी अहम भूमिका निभा रहे बीडीसी सदस्य अली अकबर अंसारी व शिक्षक वीरेंद्र सिंह के द्वारा कन्याओं को शुद्ध पेयजल के अलावे फलाहार जूस की व्यवस्था किए थे एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने में जुटे रहे। श्रद्धालुओं ने बताया कि यह श्री श्री 1008 श्री मारुति नंदन महायज्ञ एवं हनुमान मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा नौ दिवसीय है। जिसमें मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या से विद्वान कथावाचक एवं श्रीमद् भागवत कथा के सुप्रसिद्ध वाचक श्री सुखराम दास जी महाराज के अलावे श्रीराम लीला दिखाने के लिए मंडली पहुंची है। अयोध्या के सुप्रसिद्ध कथावाचक के कथाओं से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसके अलावा श्रीपुर पुलिस विधि व्यवस्था बनाए रखने में जुटी हुई है।

सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरे शिक्षक, मांगों के समर्थन में दिया धरना

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

शहर के आंबेडकर चैक पर बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी व प्रदर्शन किया। धरना को संबोधिति करते हुए जिलाध्यक्ष जमशेद आलम ने कहा कि सरकार के द्वारा बनायी गयी नयी नियमावली शिक्षा और शिक्षक विरोधी है।

नियमावली कई कमियों और खामियों से भरी हुई है। इसके अधीन नियुक्त होने वाले शिक्षकों को पूरी सेवा अवधि में बिना प्रोन्नति के कार्य करना होगा। वही माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला सचिव शिवेन्द्र कुमार ने कहा कि शिक्षक अपमानजनक वेतनमान के बावजूद 20 सालों से गुणात्मक विकास कर रहे हैं। इसके बावजूद भी सरकार को यह लगता है कि जो आयोग की परीक्षा देगा, वही शिक्षा में गुणात्मक विकास करेगा। यह सोच हास्यास्पद है। धरना पर बैठे शिक्षकों ने कहा कि कि पहले से कार्यरत सभी शिक्षकों और पुस्तकालय अध्यक्ष की सेवा अनुभव के आधार पर राज्यकर्मी घोषित किया जाए। सभी शिक्षक पात्रता और दक्षता परीक्षा उत्तीर्ण है इसलिए किसी दूसरी परीक्षा की आवश्यकता नहीं है। धरना के बाद शिक्षक संघ के द्वारा डीएम से मिलकर एक मांग पत्र सौंपा गया।

राजद नेताओं ने भाजपा सरकार पर बोला जमकर हमला

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

राजद द्वारा चलाये जा रहे अम्बेडकर परिचर्चा के तहत आज जिले के तीन प्रखंडों में कार्यक्रम का आयोजन कर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन जन तक पहुचाने का संकल्प लिया गया। राजद के प्रधान महासचिव इम्तेयाज अली भुट्टो ने बताया कि सोमवार को जिले के गोपालगंज, मांझा व कटेया प्रखंडों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंगलवार को विजयीपुर व गोपालगंज नगर में कार्यक्रम का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि गोपालगंज, मांझा व कटेया के कार्यक्रमों में राजद विधायक प्रेमशंकर यादव, पूर्व विधायक रेयाजुल हक राजू, राजद के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह, लोकसभा के पूर्व प्रत्यासी सुरेंद्र राम, विधानसभा के पूर्व प्रत्यासी मोहन प्रसाद गुप्ता, राजद नेता मो कासिम, सुनील कुमार बारी, योगेश प्रसाद गुप्ता आदि नेता शामिल हुए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बाबा साहब द्वारा राष्ट्रहित में दिए गए योगदान की विस्तृत चर्चा कर इसे समाज के अंतिम पायदान पर बैठे लोगों तक पहुँचाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब द्वारा संविधान का निर्माण किया गया किंतु उनके बनाये संविधान को लागू करने का काम लालू प्रसाद यादव व राजद ने किया, आज उनके बनाये संविधान को केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है जिसे राजद किसी भी सूरत में सफल नही होने देगा।

ग्रामीणों की शिकायत पर मुखिया ने की प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के उचकागांव प्रखंड के नवादा परसौनी पंचायत अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय मनबोध परसौनी में चल रहे कुव्यवस्था के विरुद्ध ग्रामीणों के शिकायत पर स्थानीय मुखिया अकुलु चैधरी ने विद्यालय का निरीक्षण किया। मुखिया अकलू चैधरी के विद्यालय निरीक्षण में 120 नामांकित छात्रों में मात्र 58 छात्र उपस्थित पाए गए। जबकि तीन शिक्षक बिना सूचना के अनुपस्थित चल रहे थे। विद्यालय में बन रहे मध्यान भोजन में गुणवत्ता का भी अभाव पाया गया। विद्यालय परिसर में बने नौ शौचालयों में से आठ शौचालयों में ताला लटका पाया गया। मुखिया अकलू चैधरी ने बताया कि ग्रामीणों ने शिकायत की थी कि सरकार के लाभ प्रयास के बावजूद विद्यालय के शिक्षकों के आने जाने का कोई रूटीन फिक्स नहीं है। शिक्षक विद्यालय में मनमानी पूर्वक आते जाते हैं। विद्यालय के एक शिक्षक विद्यालय का पठन-पाठन छोड़कर दूसरी जगह दवा की दुकान चलाते हैं। जिससे विद्यालय में पठन-पाठन व्यवस्था पूरी तरीके से ध्वस्त चल रही है। विद्यालय से बिना सूचना के अनुपस्थित शिक्षकों में रंजन पटेल, जवाहिर चैधरी व सुरेश राम शामिल हैं। मामले में बीईओ को फोन पर जांच रिपोर्ट कर फरार शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है।

कई कांडों का वांछित शराब के साथ गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के उचकागांव थाना क्षेत्र के जमसड गांव में सूचना के आधार पर छापेमारी कर पुलिस ने शराब तस्करी मामले में कई कांडों में फरार चल रहे एक आरोपित व उसकी मां को 75 बोतल शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान थाना क्षेत्र के जमसड़ गांव के ठेहा सिंह उर्फ सुरेंद्र सिंह और उसकी मां कुंती देवी उर्फ झलरी के रूप में की गई है। मामले में प्राथमिकी करने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार दोनों आरोपितों को सोमवार के दिन न्यायालय में प्रस्तुत किया। थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित ठेहा सिंह उर्फ सुरेंद्र सिंह उचकागांव थाना अंतर्गत शराब बरामदगी मामले में चार कांडों में पिछले छह वर्षों से फरार चल रहा था। इसके अलावा उस पर मीरगंज, हथुआ सहित कई थानों में शराब बरामदगी मामले में प्राथमिकी चल रही है।

जिली एप्प से शुरू हुई मोहब्बत, मौत पर हुआ अंत

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस मामले को जिस किसी ने सुना है उसकी रूह कांप गई है। दरअसल यादोपुर थाने के जादोपुर दुखहरण गांव की एक युवती की दोस्ती जिली एप्प के माध्यम से यूपी के लखीमपुर खिरी के रहने वाले विशाल कुमार से हो गयी। दोनों के बीच दोस्ती कब प्यार में बदल गई उन्हे पता ही नहीं चला। दोनों के बीच करीबी इतनी बढ़ गई कि दोनों का मिलना-जुलना भी शुरू हो गया। दोनों ने साथ जीने मरने की कसमें भी खाली, लेकिन इसी बीच दो माह पूर्व लड़की भागकर दिल्ली चली गयी। दो माह बाद दिल्ली से लौटने के बाद लड़की ने इसकी जानकारी परिवार वालों को दी। जिसके बाद लड़की का भाई अपनी इज्जत जाने के डर से लड़के को मौत के घाट उतारने की योजना बनाने लगा। इस दौरान उसके लड़को को फोन कर थावे मंदिर में शादी कराने की बात कहकर गोपालगंज आने की बात कही। लड़की के प्रेम में पागल विशाल को इस बात की जानकारी नही थी कि जो शादी के लिए बुला रहा है वो ही उसकी मौत का कारण बनेगा। गोपालगंज आने के बाद लड़की के भाई ने विशाल को अपनी स्कूटी पर बैठा लिया और जादोपुर के बरईपट्टी में ले जाकर चाकू से गला काटकर हत्या कर दी। और युवक का सामान नदी में फेंक दिया ताकि उसकी पहचान न हो सके। घटना का सोमवार को पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी रंजित कुमार को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया है। साथ ही हत्या में प्रयुक्त चाकू, मृतक का चश्मा, हत्या में प्रयुकत स्कूटी, मोबाइल को भी बरामद कर लिया गया है। इसकी जानकारी देते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि यादोपुर थाने के बरईपट्टी गांव के समीप गन्ने के खेत से बरामद अज्ञात शव से आखिरकार पर्दा उठ गया है। मृतक युवक की पहचान यूपी के लखीमपुर खिरी के सुमेर नगर गांव के विशाल कुमार के रूप में की गयी है। पुलिस ने घटना के महज दस दिनों के अंदर हत्या का खुलासा करते हुए हत्या में शामिल अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी ने बताया कि अज्ञात शव की पहचान कराना व हत्याकांड का खुलासा करना पुलिस के लिए चुनौती थी। सदर एसडीपीओ प्रांजल के नेतृत्व में गठित टीम ने इस चुनौतीपूर्ण मामले को दस दिनों के अंदर उदभेदन करने में सफलता पायी है। गठित टीम को पुरस्कृत करने के लिए अनुशंसा की जाएगी।

बथुआ बाजार में मछली व्यवसायी की गोली मारकर हत्या

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के फुलवरिया थाने के सहायक श्रीपुर ओपी क्षेत्र के बथुआ बाजार के समीप लाढ़पुर गांव में रविवार की मध्य रात्रि घर के दरवाजे पर सो रहे मछली व्यवसायी की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान ईश महम्मद के रुप में की गयी है। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। अपराधियों द्वारा इस घटना को अंजाम देने के बाद बाजार से लेकर गांव के हर एक चैक चैराहों पर चर्चा का विषय बना हुआ है। हत्या के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया। वहीं, इस पूरे मामले में फुलवरिया तथा श्रीपुर ओपी पुलिस छानबीन में जुट गई है। परिजनों के मुताबिक ईश महम्मद पिछले कई वर्षो से प्रखंड के मुख्य बाजार बथुआ बाजार में मछली का व्यवसाय करते थे। रविवार की रात मे ईश महम्मद अपने दरवाजे पर चारपायी लगाकर सो रहे थे, इसी बीच रात के करीब दो बजे बजे अज्ञात अपराधी पहुंचे और सिर में गोली मारकर फरार हो गए। मृतक की पत्नी नूरजहां खातून ने बतायी कि गोली चली तब पटाखा जैसी तेज आवाज आयी। डर की वजह से कोई बाहर नहीं निकला। सगे-संबंधियों और पुलिस को सूचना दी गयी। आसपास के लोग पहुंचे तो परिवार के सदस्य बाहर निकले, तबतक ईश महम्मद की मौत हो चुकी थी। अपराधियों ने सिर में गोली मारने के बाद चादर से चेहरे को ढक दिया था। रात में ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गयी। उधर अपराधियों द्वारा गोली मारने की घटना क्षेत्र में पेट्रोल जैसी फैल गई। इस मोहम्मद मछली के कारोबार से ही अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वह परिजनों ने बताया कि मछली कारोबारी इस मोहम्मद एक बहुत ही मिलनसार व्यक्ति थे। उनकी मौत के कारण पूरे परिवार के अलावा गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। मछली कारोबारी की हत्या के कारण की जांच पड़ताल में पुलिस जुट गई है। हालांकि मछली कारोबारी की पत्नी नूरजहां खातून के बयान पर पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है।

समय सीमा समाप्त होने के बावजूद विद्यालय नही उपलब्ध करा रहे छात्रों का डाटा

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिला शिक्षा विभाग के लाख प्रयास के बावजूद उचकागांव प्रखंड के आधा दर्जन विद्यालयों ने शिक्षा विभाग को वित्तीय वर्ष 2022-23 में नामांकित छात्रों की डाटा यू डायस प्लस पोर्टल पर अपलोड नहीं किया गया है। ऐसे आधा दर्जन विद्यालयों पर शिक्षा विभाग कार्रवाई कर सकती है। जिले के ऐसे विद्यालय जिन्होंने अभी तक सरकारी एवं सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में वित्तीय वर्ष 2022-23 मई नामांकित छात्रों की डाटा यू डायस प्लस पोर्टल पर अपलोड नहीं किया था। ऐसे सभी विद्यालयों को जिला कार्यक्रम पदाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा और सर्व शिक्षा अभियान गोपालगंज ने डाटा अपलोड करने के लिए 22 मई को दोपहर 3 बजे तक अंतिम समय सीमा निर्धारित किया था। इसके बावजूद भी उचकागांव प्रखंड के आधा दर्जन विद्यालय शिक्षा विभाग के पोर्टल पर नामांकित छात्रों का डाटा अपलोड नहीं कर सके।

समय सीमा समाप्त होने के बावजूद डाटा उपलब्ध नहीं कराने वाले विद्यालयों में एक सरकारी और पांच प्राइवेट विद्यालय शामिल है। जिसमें जवाहर नवोदय विद्यालय गोपालगंज, हथुआ सेंट्रल स्कूल, मदरसा अरबिया ईमदादुल्लूम कपरपुरा, पाठशाला यूनिक इंग्लिश स्कूल, सरस्वती ज्ञान मंदिर थाना रोड मीरगंज, विकास पब्लिक स्कूल हरखौली पूरब टोला शामिल हैं। सभी विद्यालयों को 22 मई को दोपहर 3 बजे तक छात्रों की डाटा रिपोर्ट यू डायस प्लस पोर्टल पर अपलोड करने के लिए समय निर्धारित किया गया था। उचकागांव बीईओ लखेंदर दास ने कहा कि डाटा अपलोड करने के लिए सभी विद्यालयों के प्रधान शिक्षकों के साथ कई बार बैठक की गई थी। इसके अलावा विद्यालयों के प्रधान शिक्षकों को मोबाइल व मौखिक स्तर पर भी डाटा अपलोड करने के लिए कई बार निर्देश दिया गया था। इसके बावजूद भी प्रखंड क्षेत्र के आधा दर्जन विद्यालयों ने डाटा अपलोड नहीं किया। जो वरीय पदाधिकारियों के आदेश की अवहेलना का द्योतक है। डाटा अपलोड नहीं करने वाले सभी संबंधित विद्यालयों की प्रस्वीकृति रद्द करने के लिए जिला कार्यक्रम पदाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा और सर्व शिक्षा अभियान गोपालगंज को प्रतिवेदन भेजा जाएगा।

प्रधानमंत्री के 9 साल के कार्यों को जनता के बीच ले जाने का काम करे कार्यकर्ता - जगरनाथ ठाकुर

छपरा । भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह के अध्यक्षता में जिला भाजपा की की कार्यसमिति की पहली बैठक जन्नत पैलेस के सभागार में आयोजित हुई कार्यसमिति में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल के कार्यकाल को जनता तक पहुंचाने के लिए 30 मई से 30 जून तक विशेष संपर्क अभियान एवं विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से जनता के बीच पहुंचाने का काम सांसद , विधायकगण से लेकर कार्यकर्तागण मंडल अध्यक्ष करेंगे। किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सारण लोकसभा के प्रभारी जगरनाथ ठाकुर ने कहा जनता के बीच प्रधानमंत्री के कार्यो को ज्यादा से ज्यादा पहुंचाने का काम करना है एवं अबकी बार 400 के पार आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में फिर से एक बार भाजपा की सरकार केंद्र में बनानी है । हमारे प्रिय विधायक एवं मुख्य सचेतक श्री जनक सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री का 9 साल बेमिसाल 29 जन कल्याणकारी योजना को जन जन तक पहुंचाने के काम करना है जिसके लिए सभी को एकजुट होकर संयुक्त प्रयास के साथ कार्य करना है। महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि कि मैं सांसद बाद में पहले एक भाजपा का कार्यकर्ता हु मैंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत एक कार्यकर्ता के रूप में किया और प्रधानमंत्री जो देश के लिए कर रहे हैं उनकी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का काम हम सभी का कर्तव्य है आज भारत विश्व के मानचित्र पर एक सशक्त वैभवशाली शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हो रहा है तो यह देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ही देन है।

जिला के सवार्गीण विकास में पदाधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर योजनाओं की प्रगति में तेजी लाएं : प्रभारी मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सोमवार को सूबे के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री सह बीस सूत्री प्रभारी मंत्री सुमित कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक समाहरणालय सभागार में आहूत की गयी। बैठक में सर्वप्रथम प्रधानमंत्री आवास योजना के वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल उपलब्धि 92.43 प्रतिशत बतायी गयी। इस संबंध में उप विकास आयुक्त के द्वारा जानकारी दी गयी लंबित योजनाओं को दुत गति से पूर्ण करने का लेकर अभियान चलाया जा रहा है, जिसके साकारात्मक परिणाम जल्द ही देखने को मिलेगे। वहीं मनरेगा में आधार सीडिंग का कार्य 95.98 प्रतिशत पूर्ण हो जाने की जानकारी दी गयी।

बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा जानकारी दी गयी कि इस वर्ष जिला में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है, खाद की कमी नही होगी। जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने इस सम्बन्ध में जानकारी दी कि पंचायतों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य तेजी से चल रहा है। जबकि जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में वर्ग एक से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए कुल 4 लाख 166 हजार 424 पुस्तकों की आपूर्ति करने का आदेश बी. एस.टी.बी.पी.सी. को दिया गया है। 16 अप्रैल 2023 तक कुल 3 लाख 13 हजार 776 पुस्तक आपूर्ति की गयी है, जिसमें से 3 लाख 6 हजार 79 पुस्तकों का वितरण छात्र-छात्राओं के बीच कर दिया गया है। सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग ने जानकारी दी की जिला में विभिन्न तरह के पेंशन लाभुकों की कुल संख्या 3 लाख 98 हजार 763 है। इनमें से 3 लाख 82 हजार 102 लाभुकों के खाते में पेंशन की राशि हस्तांतरित कर दी गयी है। वहीं जिला कल्याण पदाधिकारी के द्वारा जानकारी उपलब्ध कराते हुए बताया गया कि जिला में कुल सृजित विकास मित्रों की संख्या 374 है। जिसमें से 364 पद पर विकास मित्र कार्यरत है। प्रभारी पदाधिकारी, जिला आपदा प्रबंधन शाखा ने जानकारी दी की प्राकृतिक,गैर प्राकृतिक एवं स्थानीय तथा विशेष प्रकृति से कुल 210 मृत व्यक्तियों के परिजनों के खाते में अनुग्रह सह अनुदान की राशि चार लाख प्रत्येक के हिसाब से दे दी गयी है। इसमें कुल राशि 8 करोड़ 52 लाख है।

प्रभारी मंत्री-सह- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग बिहार ने अपने संबोधन में बताया कि जिला में सभी विभागों के विकासोन्मुखी कार्यक्रम को लक्ष्य के अनुरुप तय समय पर पूरा करें। ताकि समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्तियों को उसका लाभ मिल सके। उन्होंने जिला मे किये जा रहे कार्यो की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी विभागों के पदाधिकारियों के आपसी समन्वय एवं सहयोग से जल्द ही सारण जिला राज्य के तीव्र गति से विकास करने वाले जिला में शामिल होगा।

आवश्यकता

अराजकीय प्रस्वीकृत संस्कृत प्राथमिक सह मध्य विद्यालय हिरदन बिगहा, पोस्ट-तेलमर, थाना-तेलमर, जिला-नालन्दा के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत निर्धारित वेतनमान में तीन मैट्रिक/मध्यमा/समकक्ष योग्यताधारी सहायक शिक्षक की आवश्यकता है। प्रशिक्ष

सम्पादकीय

यर्थ के प्रलाप व झूठ से हिंदुओं को डराना !

विनीत नारायण

लोकसभा का 2024 का चुनाव सामने है। आरएसएस व भाजपा हिंदुत्व के एजेंडा पर जोर-शोर से काम कर रही है। पहले ह्यतशकान्त फाइल्सह्न फिर ह्यकश्मीर फाइल्सह्न और अब ह्यद केरल स्टोरीह्न जैसी फि ल्में योजनाबद्ध तरीके से जारी की जा रही हैं। प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्रियों तक ने इन फि ल्मों को प्रचारित करने का जिम्मा ले लिया है। इन फि ल्मों पर मनोरंजन कर से मुक्ति व प्रायोजित शो करवाकर दर्शकों को ये फि ल्में दिखलाई जा रही है। जिसका एकमात्र लक्ष्य वोटों का ध्रुवीकरण करना है। आम भावुक दर्शक इन फि ल्मों की पटकथा से निश्चित रूप से प्रभावित हो रहे हैं। ऐसी अभी कई फि ल्में 2024 तक और जारी होंगी। इसके साथ ही नया संसद भवन और अयोध्या में श्री राम मंदिर बन कर तैयार होगा, जिसे बहुत आक्रामक मार्केटिंग नीति के तहत पूरी तरह भुनाया जाएगा।

बहुत से लोग देश-विदेश से संदेश भेज कर मुझ से मेरी राय पूछ रहे हैं। मैंने सोशल मीडिया पर उत्तर दिया कि, इसमें जो दिखाया है वो सत्य है। पर 32,000 लड़कियाँ बता कर जो प्रचार खूब हुआ है उसके जब प्रमाण माँगे गये तो केवल 3 केस सामने आए है। उसमें भी हिंदू लड़की केवल एक ही निकली। महिलाओं के साथ ऐसे अत्याचार सदियों से हर देश में हर धर्म के लोग करते आये हैं। बीजेपी के मंत्री या नेताओं के भी किए। व्यभिचार, बलात्कार और हत्याओं के मामले प्रायः सामने आते रहते हैं। उन पर कोई द रेप स्टोरी क्यों नहीं बनती? उन खबरों को क्यों दबवा दिया जाता है? इसी तरह हर राजनीतिक दल के आपराधिक छवि वाले नेता, इस तरह के अपराधों में लिप्त रहते हैं।

पर जो फि ल्में आजकल बनवाई जा रही हैं वे एकतरफा हैं, भड़काऊ हैं और अपने वोटों का ध्रुवीकरण करने के लिये राजनैतिक उद्देश्य से बनवायी गयी हैं। इनमें विषय संबंधी सभी तथ्यों को नहीं दिखाया जाता। जैसे कश्मीर फाइल्स में ये नहीं दिखाया गया कि कश्मीर के आतंकवादियों ने आजतक कितने मुसलमानों की भी उसी तरह हत्याएँ कीं हैं और आज भी कर रहे हैं।

मेरी उपरोक्त टिप्पणी पर अधिकतर प्रतिक्रिया समर्थन में आईं। पर कुछ मशहूर लोगों ने, जो आजकल भाजपा के साथ खड़े हैं, ने मुझे याद दिलाया कि महिलाओं के प्रति अत्याचार के मामलों को कट्टरपंथी अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों द्वारा किए जा रहे सुनियोजित अभियान से तुलना नहीं की जा सकती। उनका यह भी कहना है कि गैर-भाजपाई सरकारों में मुसलमानों की आक्रामकता बढ़ जाती है और हिन्दुओं पर अत्याचार भी बढ़ जाते हैं। भाजपा की आई टी सेल 13 तारीख से हिंदुओं को कांग्रेस सरकार से डराने में जुट गयी है। ऐसी पोस्ट आ रही हैं, ह्यकर्नाटक में कांग्रेस के जीतने पर हिंदुओं के उपर हमले भी शुरू हो गए। क्योंकि जिहादियों को पता है अब इनकी सरकार है इसलिए अब इन पर कोई कार्रवाई नहीं होगी ।

फ्री के चक्कर में हिन्दुओं ने जिहादियों की सरकार को जिता दिया। अब आने वाले पूरे 5 वर्षों तक हिन्दूओं के साथ यही सब होने वाला है; पलायन, लव जिहाद, भू जिहाद, धर्मान्तरण, जैसी गंभीर समस्याओं से हिन्दुओं को सामना करना पड़ेगा। कांग्रेस को जिता कर हिन्दुओं ने अपनी आजादी, शांति के अवसर खो दिया। अब भुगतो हिंदुओह्न। भाजपा की आईटी सेल का ये एजेंडा बहुत ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर प्रचारित किया जा रहा है। पर ऐसा नहीं है कि इन आरोपों में तथ्य नहीं हैं। चुनाव जीतने के लिए सांप्रदायिक या जातिगत तुष्टिकरण करने में कोई राजनैतिक दल पीछे नहीं रहता। भाजपा भी नहीं, और उसी का परिणाम है कि चुनाव जीतने के बाद सत्तारूढ़ दल को अनेक विवादास्पद मामलों में या तो अपने आँख और कान बंद करने पड़ते हैं या समझौते करने पड़ते हैं। जिसका भरपूर प्रचार करके विरोधी दल फायदा उठाते हैं।

जो लोग अंतर्राष्ट्रीय इस्लामिक आतंकवाद से लड़ने और भारत की सनातन हिन्दू संस्कृति को बचाने के लिए केवल भाजपा और आरएसएस को ही सक्षम विकल्प मानते हैं उनसे मेरा कोई बहुत मतभेद नहीं रहा है। पर विगत वर्षों के अनुभव ने, अनेक घटनाओं व कारणों से भाजपा व संघ की क्षमता के बारे में संदेह पैदा कर दिये हैं। ये दोनों संगठन आजतक इस बात को परिभाषित नहीं कर पाए कि हिंदू राष्ट्र से इनका आश्रय क्या है? ये कैसा हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं? जिस सनातन संस्कृति का हम सब हिंदू दंभ भरते हैं उसके किसी भी सिद्धांत, शास्त्र, परंपराओं व आस्थाओं से संघ और भाजपा का दूर-दूर तक नाता नहीं है।

अस्पताल का न होना एक समस्या

हीरा/तुलसी

हमारे देश में हर साल ऐसी नई योजनाएं लॉन्च होती हैं, जिनका लाभ शहर ही नहीं बल्कि दूर-दराज के गांवों में रहने वाले लोगों तक भी पहुंचाया जाता है। जबकि पहले से चली आ रही लाभकारी और कल्याणकारी योजनाओं को भी बेहतर बनाने की दिशा में सरकार की तरफ से उचित कदम उठाए जाते हैं। जैसे- मनरेगा और आयुष्मान भारत योजना प्रमुख है। इस योजना का लाभ काफी संख्या में लोग उठा रहे हैं। इस स्कीम के तहत पांच लाख रुपए तक मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को स्वास्थ्य बीमा की योजना प्रदान करना है. लेकिन अब भी देश में ऐसे गांव और लोग हैं जिन्हें आज भी इस योजना के बारे में पता ही नहीं है। ऐसा ही एक गांव राजस्थान के उदयपुर जिले से 70 किलोमीटर और सलुम्बर ब्लॉक से 10 किलोमीटर की दूरी पर मालपुर आबाद है. इस गांव की कुल आबादी 1150 है. इस गांव में स्वास्थ्य सुविधा एक बड़ी समस्या है। दरअसल यहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित जरुर है, लेकिन वह सिर्फ नाम का है. उसमें किसी प्रकार की कोई सुविधा लोगों के लिए उपलब्ध नहीं है. गांव के लोगों को अपने इलाज के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है. उन्हें या तो सलुम्बर ब्लॉक जाना होता है या फिर उदयपुर जिला अस्पताल का रुख करनी पड़ती है। ऐसे में किसी को इमर्जेन्सी में प्राथमिक उपचार की जरूरत होती होगी, तो उसकी क्या स्थिति होती होगी? गर्भवती महिला हो, बुजुर्ग हों या फिर किशोरी, सभी के लिए गांव में स्वास्थ्य सुविधा का अभाव काफी कष्टकारी साबित हो रहा है। इसी विषय पर गांव की किशोरी पूजा (बदला हुआ नाम) का कहना है कि हर गांव में स्वास्थ्य केंद्र का संचालित होना जरूरी है. यहां अस्पताल में सुविधा नाम की कोई चीज नहीं है. जिसकी वजह से हमें बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। विशेषकर माहवारी के समय जब हमें किसी प्रकार की जरूरत होती है, उस समय स्वास्थ्य केंद्र का नहीं चलना बहुत कष्ट देता है. माहवारी के समय कभी किसी किशोरी को पेट दर्द तो किसी को अन्य प्रकार शारीरिक समय होती है, जिससे संबंधित दवाइयां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भी उपलब्ध होती है, लेकिन हमारे गांव में पीएचसी केवल दिखावा मात्र है. हर बार दवाइयां लेने के लिए हम प्राइवेट अस्पताल का रुख करना पड़ता है, जो जिसकी महंगी दवाइयां हमारे घर के बजट से बाहर होता है. हमारे अभिभावकों की आमदनी इतनी नहीं है कि वह प्रत्येक माह हमारी माहवारी से संबंधित दवाइयों का खर्च उठा सकें। एक अन्य महिला सुनीता भी गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र होकर भी उसमें सुविधा नहीं मिलने का आरोप लगा रही थी. उसका कहना था कि रात अचानक स्वास्थ्य संबंधी जरूरत के समय हमें इसकी कमी बहुत अधिक परेशान करती है. जब किसी की अचानक तबीयत खराब हो जाती है तो उन्हें अस्पताल पहुंचाने के लिए गाड़ी को भाड़े पर करके ले जाना पड़ता है जिसका किराया वह बहुत ज्यादा मांगते हैं। हम गरीब लोग हैं, इतने पैसे हमारे पास कहां से आएंगे? कई बार तो ऐसा भी हुआ है कि समय पर अस्पताल न पहुंच पाने के कारण लोगों की रास्ते में मृत्यु तक हो गई है। गांव की अन्य महिला जानकी का कहना है कि हमारे गांव में बहुत से परिवार गरीब हैं। उन परिवारों में बीमार व्यक्ति भी होते हैं। वह मजदूरी करके अपने परिवार के लिए एक वक्त की रोटी बहुत मुश्किल से कमा पाते हैं. ऐसी स्थिति में वह अपने बीमार परिजन का प्राइवेट अस्पताल में इलाज कैसे करवा सकते हैं? गांव की बुजुर्ग महिला वरजु बाई का कहना है कि मैं अपने बेटे के पास रहती हूं. इस उम्र में मुझसे चला नहीं जाता है. मेरी देखभाल मेरे बेटा बहू करते हैं. बीमार हो जाने पर मुझे बहुत दिक्कत होती है. गांव में अस्पताल नहीं है और मैं कही बाहर दवा लेने दूर अकेले भी नहीं जा सकती हूं. मेरा बेटा मजदूरी करने जाता है. वह अगर मुझे लेकर दवा दिलाने जाएगा तो हमारे घर का खर्च कैसे चलेगा? हमारे पास इतने पैसे भी नही होते है कि हम प्राइवेट डॉक्टर से दवा लेकर आ सकें. हम बहुत परेशान हैं. हमारे गांव में भी सभी सुविधाएं होनी चाहिए, केवल अस्पताल बना देने समस्या का हल मुमकिन नहीं है. गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का होना पूरे समाज का सामरिक दृष्टिकोण होनी चाहिए. जो व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं पर आधारित होता है. गांव में रहने वाले लोगो को उनकी स्वास्थ्य से संबंधित दवाइयां देने के लिए और उनके स्वास्थ्य की जांच करने के लिए होता है। यह स्वास्थ्य के अधिक व्यापक निर्धारकों को संबोधित करता है क्योंकि स्वस्थ व्यक्ति से स्वस्थ समाज और स्वस्थ्य लोकतंत्र का निर्माण होता है। लेखिका विशाखा संस्था से सम्बद्ध हैं।

छोटी छोटी बचतों से अर्थव्यवस्था को मिलता है बल

अन्य देशों के नागरिकों में, विशेष रूप से विकसित देशों में, बचत की आदत नहीं होती है। पश्चिमी दर्शन पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करता हैं अत: पश्चिमी देशों के नागरिक अपने जीवन को आज ही जी लेना चाहते हैं, कल (भविष्य) पर अधिक भरोसा नहीं करते हैं। इसलिए, पश्चिमी देशों के नागरिक उत्पादों का अधिक से अधिक उपभोग करते हैं एवं अपनी लगभग पूरी आय ही उपभोग पर खत्म कर देते हैं, बचत करने की आवश्यकता ही नहीं महसूस करते हैं। इसके विपरीत भारतीय दर्शन आध्यात्म पर आधारित है एवं जीवन में अच्छे कर्मों को करते हुए मोक्ष की प्राप्ति करने का प्रयास किया जाता है। अत: इस लोक एवं परलोक को सुधारने के लिए समाज के गरीब वर्ग की सहायता करने की प्रवृत्ति भारतीय नागरिकों में पाई जाती है। अत: भारतीय नागरिक छोटी से छोटी बचतों पर भी बहुत भरोसा करते हैं। वर्ष 2014 में केंद्र सरकार ने भारत में गरीब वर्ग के नागरिकों को बैकों से जोड़ने के लिए जनधन योजना प्रारम्भ की थी।

प्रहलाद सबनानी
वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समीक्षक

यह सनातनी संस्कार ही हैं जो भारत के नागरिकों को छोटी छोटी बचतें करना सिखाते हैं। भारतीय परम्पराओं के अनुसार हमारे बुजुर्ग हममें बचत की प्रवृत्ति बचपन में ही यह कहकर विकसित करते हैं कि भविष्य में आड़े अथवा बुरे वक्त के दौर में, पुराने समय में की गई बचत का बहुत बड़ा सहारा मिलता है। भारतीय परिवारों में तो गृहणियां घर खर्च के लिए उन्हें प्रदान की गई राशि में से भी बहुत छोटी राशि की बचतें करने का गणित जानती हैं एवं वक्त आने पर अपने परिवार के सदस्यों को उक्त बचत की राशि सौंप कर संतोष का भाव जागृत करती हैं। आजकल के आर्थिक दौर में केवल धन का अर्जन करना ही काफी नहीं है बल्कि अर्जित किए गए इस धन का कुछ भाग, बचत के रूप में सही स्थान पर सुरक्षित निवेश करना भी जरूरी है। यदि कमाए गए धन को बचत के रूप में निवेश नहीं किया जाता है तो उस राशि का बाजार में मूल्य, मुद्रा स्फीति के चलते, कम होते होते भविष्य में शून्य हो जाता है। अतः बचत के रूप में निवेश की गई राशि पर इतनी आय तो अवश्य ही होनी चाहिए कि वह मुद्रा स्फीति की दर से अधिक हो ताकि बचत की राशि का बाजार मूल्य कम से कम उतना तो बनाए रखा जा सके। अर्थात, पैसे से पैसा कमाना आना चाहिए। भारत में केंद्र सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक इस दृष्टि से लगातार प्रयास करते रहते हैं कि देश के नागरिक अपनी बचतें बढ़ाएं ताकि उनका एवं उनके बच्चों सहित परिवार के अन्य सदस्यों का आर्थिक भविष्य, बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य आदि को सुरक्षित बनाया जा सके। मुख्य रूप से इसी कारण के चलते समय समय पर केंद्र सरकार द्वारा अपनी विभिन्न बचत योजनाओं पर ब्याज की दरों को मुद्रा स्फीति की दर का ध्यान रखते हुए बढ़ाया अथवा घटाया जाता है। हाल ही के समय में केंद्र सरकार ने अपनी विभिन्न बचत योजनाओं पर ब्याज दी दरें बढ़ा दी हैं। केंद्र सरकार के डाक विभाग द्वारा संचालित विभिन्न छोटी बचत योजनाएं, जिन पर ब्याज दरें बढ़ाई गई हैं, उनके नाम हैं - डाकघर बचत खाता, 5 वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा, डाकघर मासिक आय योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र, किसान विकास पत्र, सुकन्या समृद्धि योजना, 15 वर्षीय पीपीएफ खाता, महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र, पीएमकेयर फार चिल्ड्रन योजना, भारत में तो बचत वैसे भी पसीने की कमाई मानी जाती है अतः इसे सोच समझकर ही निवेश करना चाहिए। एक तो यह सुरक्षित निवेश होना चाहिए, दूसरे इस निवेश पर लगातार आय होती रहे। हां, निवेश पर अधिक आय के मामले में लोभ नहीं करना चाहिए, अन्यथा निवेश की गई राशि ही डूब जाती है। लोभ एवं लाभ में बहुत बारीक अंतर होता है। तीसरे, निवेशित की गई राशि को आवश्यकता पड़ने पर सरल तरीके से वापिस प्राप्त किया जा सके अर्थात तरलता की स्थिति बनी रहनी चाहिए। केंद्र सरकार की उक्त छोटी बचत योजनाओं में निवेश एकदम सुरक्षित रहता है, इस निवेश पर आय लगातार अर्जित होती रहती है एवं तरलता की स्थिति भी बनी रहती है। हां, कुछ योजनाओं में लॉक इन पीरियड अवश्य रहता है एवं केवल इस अवधि के समाप्त होने के पश्चात ही बचत की राशि का आहरण किया जा सकता है। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में वित्तीय साक्षरता बढ़ी है, जिसके चलते वे अपनी बचतों पर अधिक आय अर्जित करने की दृष्टि से बैंकों में सावधि जमा योजनाओं में अपनी बचत का निवेश करने के साथ साथ म्यूचूअल फण्ड एवं पूंजी बाजार (शेयर मार्केट) में भी अपनी बचत का निवेश करने लगे हैं। इन क्षेत्रों में बचत की राशि निवेश करने पर कुछ जोखिम तो अवश्य रहता है परंतु तुलनात्मक रूप से आय अच्छी हो जाती है। इस सम्बंध में नागरिकों में धीरे धीरे जागरूकता बढ़ रही है एवं वे अपनी बचतों को विभिन्न योजनाओं में निवेश करने लगे हैं। बचत भी अलग अलग योजनाओं में की जानी चाहिए ताकि यदि कोई योजना किसी कारण से असफल साबित हो तो आपका पैसा अन्य ओजनाओं में सुरक्षित रहे। म्यूचूअल फण्ड भी विभिन्न प्रकार के एवं अलग अलग वित्तीय संस्थानों द्वारा जारी होने चाहिए, ताकि यदि किसी एक वित्तीय संस्थान में आर्थिक समस्या खड़ी हो तो नागरिकों का पूरा पैसा इस एक ही संस्थान में नहीं डूबे। किसी भी देश की आर्थिक वृद्धि के लिए देश के नागरिकों में बचत की आदत विकसित होना बहुत आवश्यक है। एक आर्थिक सिद्धांत के अनुसार देश के सकल घरेलू उत्पाद में प्रतिशत वृद्धि के चार गुना तक बचत दर होना चाहिए। उदाहरण के लिए यदि भारत में 8 प्रतिशत की विकास दर हासिल करना है तो बचत की दर 32 प्रतिशत होना चाहिए। इस सिद्धांत को क्रमिक पूंजी उत्पादन अनुपात कहा जाता है। इस दृष्टि से भी केंद्र सरकार विभिन्न बचत जमा योजनाओं पर आकर्षक ब्याज दर प्रदान करने का प्रयास करती है। छोटी छोटी बचतें देश के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में सहायक होती हैं। देश में यदि निवेश को बढ़ाना है तो बचत को तो बढ़ाना ही होगा। इसीलिए केंद्र सरकार बैंकों के अतिरिक्त विभिन्न अन्य निवेश संस्थानों पर भी नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास करती है ताकि आम जनता के बचत के रूप में किए गए निवेश सुरक्षित रह सकें। भारत में अन्य देशों की तुलना में बचत की दर बहुत आकर्षक रही है। जब भारत में आर्थिक वृद्धि दर 9 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, उस समय पर बचत की दर लगभग 37 प्रतिशत थी। साथ ही, बचत की दर अधिक होने से बाजार में तरलता कम होती है और तरलता के कम होने से मुद्रा स्फीति की दर भी नियंत्रण में बनी रहती है। दूसरे जमाराशि के बचत के रूप में बैंकों अथवा अन्य आर्थिक संस्थानों में आ जाने से उस राशि का उत्पादन कार्यों में उपयोग सम्भव होता है, इससे देश के आर्थिक विकास को बल मिलता है। अपनी कुल आय का लगभग 25 से 30 प्रतिशत भाग बचत के रूप में निवेश किये जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। यह हमारे भविष्य को सुरक्षित रखने में सहायक सिद्ध होगा। युवा नागरिकों द्वारा बचत के रूप में लम्बे समय के लिए निवेश किये जाने चाहिए, इससे इस प्रकार के निवेश पर चक्रवृद्धी दर से आय अर्जित की जा सकती है। जबकि वृद्ध नागरिकों को लम्बे समय के निवेश के स्थान पर सुरक्षित निवेश करना चाहिए एवं इस निवेश में तरलता भी बनी रहनी चाहिए। अधिक जोखिम लेने से आय तो अधिक होती है, परंतु मूल राशि डूबने का डर भी बना रहता है अतः निवेश करते समय सुरक्षा का ध्यान रखना भी आवश्यक है।

केन्द्र व दिल्ली सरकार के मध्य तकरार थमने का नाम नहीं

नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव ने सीएम केजरीवाल से की मुलाकात आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल से रविवार सुबह उनके आवास पर मुलाकात करने के बाद बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है। पत्रकारो को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केन्द्र की सरकार अरविंद केजरीवाल को परेशान कर रही है। अगर दिल्ली में बीजेपी की सरकार होती तो उप राज्यपाल में हिम्मत होती इस प्रकार का काम करने की ?दिल्ली में बीजेपी कभी वापसी नहीं करेगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सीएम अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के बाद पत्रकारों को बताया कि हमलोग पूरे दिल से दिल्ली के लोगों और अरविंद केजरीवाल के साथ हैं। केंद्र सरकार संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला सही रहा, लेकिन इसके बावजूद केंद्र सरकार द्वारा जो करने की कोशिश हो रही है वह सही नहीं है। सभी को एकजुट होना होगा। हम केजरीवाल के साथ हैं, ज्यादा से ज्यादा विपक्षी पार्टियों को एक साथ मिल कर अभियान चलाना होगा।

विनोद ताकियावाला
स्वतंत्र पत्रकार

देश की राजधानी दिल्ली है, जिसे दिलवालों का शहर भी कहा जाता है। यूँ तो दिल्ली का अपना इतिहास है। दिल्ली हमेशा भारत की राजनीति के विश्व की राजनीति के केन्द्र में रहा है। चाहे वह विश्व के उभरते हुए तृतीय महाशक्ति में जी 20 शिखर सम्मेलन के आयोजक के रूप में। आज हम आप के समक्ष केन्द्र सरकार व दिल्ली सरकार के मध्य अपनी शक्ति को लेकर आये दिनो आपसी तकरार देखने को मिलती रहती है। हॉलाकि विगत दिनों दिल्ली केअफसरों पर किसका नियंत्रण होगा, इसका फैसला भले ही माननीय सर्वोच्य न्यायलय ने कर दिया था, लेकिन केंद्र सरकार व दिल्ली सरकार के मध्य आपसी तकरार खत्म होने का नाम नही ले रही है। एक बार फिर से यह मामला एक बार फिर से सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायलय के फैसले के खिलाफ एक पुनर्विचार याचिका दाखिल की है।

आप को बता दें कि केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर 11 मई के फैसले पर पुनर्विचार की मांग की है। केंद्र सरकार का यह कदम ऐसे वक्त में आया है, जब एक दिन पहले ही केंद्र सरकार ने एक अध्यादेश जारी किया है, जिसे लेकर एक बार फिर से केन्द्र सरकार व दिल्ली सरकार के बीच तकरार बढ़ती दिख रही है। आप को पता है कि बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट के संवैधानिक पीठ ने दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार दिल्ली सरकार को दिया था। दरअसल, केंद्र सरकार ने दानिक्स काडर के ग्रुप-ए अधिकारियों के तबादले और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्राधिकरण गठित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को एक अध्यादेश जारी किया था। इस अध्यादेश जारी किए जाने से महज एक सप्ताह पहले ही सुप्रीम कोर्ट के संबैधानिक पीठ ने राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस, कानून-व्यवस्था और भूमि को छोड़कर अन्य सभी सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंप दिया था। हालांकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अध्यादेश आने से पहले ही शुक्रवार को दिन में यह आरोप लगाया था कि केन्द्र उच्चतम न्यायालय के फैसले को पलटने के लिए एक अध्यादेश जारी करने की योजना बना रही है।

केन्द्र द्वारा लाये गये इस अध्यादेश में कहा गया है कि ह्यराष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा आयोग नाम का एक आयोग होगा, जो उसे प्रदान की गई शक्तियों का उपयोग करेगा और उसे सौंपी गई। जो अपनेजिम्मेदारियों का निर्वहन करेगा। इस आयोग में दिल्ली के मुख्यमंत्री उसके अध्यक्ष होंगे। मुख्य मंत्री के अलावे इसमें मुख्य सचिव और प्रधान सचिव (गृह) सदस्य होंगे। इस अध्यादेश में कहा गया है कि आयोग द्वारा तय किए जाने वाले सभी मुद्दों पर फैसले उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के बहुमत से होगा। आयोगकी सभी सिफारिशों का सदस्य सचिव सत्यापन करेंगे। इस अध्यादेश में कहा गया है कि आयोग उसके अध्यक्ष की मंजूरी से सदस्य सचिव द्वारा तय किए गए समय और स्थान पर बैठक करेंगे। इसमे में कहा गया है। आयोग की सलाह पर केन्द्र सरकार जिम्मेदारियों के निर्वहन हेतु इसके (प्राधिकरण के) लिए आवश्यक अधिकारियों की श्रेणी का निर्धारण करेगी और आयोग को उपयुक्त अधिकारी और कर्मचारी उपलब्ध कराएगी। इसमें कहा गया है, वर्तमान में प्रभावी किसी भी कानून के बावजूद राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्राधिकरण ग्रुप-ए के अधिकारियों और दिल्ली सरकार से जुड़े मामलों में सेवा दे रहे दानिक्स अधिकारियों के तबादले और पदस्थापन की सिफारिश कर सकेगा लेकिन वह अन्य मामलों में सेवा दे रहेअधिकारियों के साथ ऐसा नहीं कर सकेगा। केन्द्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी(आप)ने इसे उच्चतम न्यायालय के साथ छलावा करार दिया है। जिसने 11 मई के अपने आदेश में दिल्ली सरकार में सेवारत नौकरशाहों का नियंत्रण इसके निर्वाचित सरकार के हाथों में सौंपा था। सर्वोच्च न्यायालय ने सिर्फ पुलिस, कानून-व्यवस्था और भूमि को इसके दायरे से बाहर रखा था। जीएनसीटीडी बिल में संशोधन कर जारी अध्यादेश में कहा गया है कि दिल्ली एक केंद्र शासित प्रदेश के साथ विधायिका के साथ है।

केन्द्र सरकार की ओर तर्क दिये गये है कि दिल्ली में देश-विदेश से जुड़े कई संस्थान हैं, जिनकी सुरक्षा का इंतजाम केंद्र सरकार के हाथ में होना जरूरी है। यह देश की छवि को दुनियाभर में अच्छे से प्रदर्शित करने के लिए जरूरी फैसला है। अब केंद्र सरकार ने शुक्रवार (19मई) को एक अध्यादेश के जरिये सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया। केंद्र सरकार एक अध्यादेश लेकर आई है, जिसके जरिये दिल्ली में अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार केजरीवाल सरकार की बजाय उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के पास ही रहेंगे। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट से प्रशासनिक मामलों में केजरीवाल सरकार को मिली बड़ी जीत इस अध्यादेश के बाद किसी काम की नहीं रही है। आपको बता दे कि यह पहला मौका नहीं है जब केंद्र सरकार की ओर से अध्यादेश लाकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलट दिया है। 21 मार्च 2018 को सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जातिऔरअनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम (एससी/एसटी एक्ट) के दुरुपयोग को देखते हुए दर्ज मामलों में तत्काल गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने फैसला देते हुए कहा था कि सरकारी कर्मचारियों की गिरफ्तारी सिर्फ सक्षम अधिकारी की इजाजत के बाद ही हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ देशभर में अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों ने 2 अप्रैल को ह्यभारत बंदह्न का आह्वान किया था। जो बाद में एक उग्र प्रदर्शन में बदल गया और इस प्रदर्शन में एक दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों में गुस्से को देखते हुए केंद्र सरकार ने एस सी-एस टी एक्ट में सुप्रीम कोर्ट की ओर से किए गए बदलावों को वापस ले लिया। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से एक अध्यादेश लाया गया। जिसे कैबिनेट मीटिंग में मंजूरी दे दी गई। वहीं 10 फरवरी 2020 को सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी कानून में संशोधन के खिलाफ लगी याचिकाओं को खारिज कर केंद्र सरकार के फैसले पर मुहर लगा दी थी।

इन बस्तियों में आकर बिखर जाता है स्वच्छ भारत मिशन

वंदना कुमारी

वर्तमान में केंद्र सरकार देश को स्वच्छ बनाने के लिए बड़े पैमाने पर स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान चला रही है। इसके लिए प्रत्येक वर्ष स्वच्छ शहर की घोषणा भी की जाती है. लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या केवल शहरों के साफ हो जाने से भारत स्वच्छ कहलायेगा? दरअसल इसकी परिकल्पना तब सार्थक होगी, जब ग्रामीण वातावरण की स्वच्छता बरकरार रहेगी। जब शहर के साथ साथ गांव भी तेज भागती जिंदगी और संसाधनों के बेहिसाब व बेतरतीब प्रयोग के चलते आज केवल शहर ही नहीं, बल्कि गांव भी अस्वच्छ व अस्वस्थ होते जा रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण मानव बसावट (बढ़ती आबादी) का अधिक होना भी है. प्लास्टिक का अंधाधुंध प्रयोग, कूड़े-कचरे का अंबार, पानी का जमाव, खुले में शौच, सड़क किनारे कूड़े-कचरे का निष्पादन करना आदि स्वच्छता की मुहिम को प्रभावित कर रहे हैं. ऐसे में स्वस्थ भारत, स्वच्छ भारत की कल्पना करना बेमानी है। वास्तव में, केंद्र सरकार देश को स्वच्छ, निर्मल और सुंदर बनाये रखने को गंभीर तो दिखती है, लेकिन योजना का क्रियान्वयन धरातल पर पूरी तरह उतरता नहीं दिख रहा है. हालांकि स्वच्छता का मानक पूरा करने वाले गांवों को सरकार ह्यनिर्मल ग्रामह्न घोषित करके पुरस्कार प्रदान करती है. वहीं ग्रामीण इलाकों में ह्यलोहिया स्वच्छता मिशनह्न के तहत हर घर में शौचालय बनाने की योजना पूर्व से चली आ रही है. भारत के एक लाख से अधिक गांव ओडीएफ गांवों की सूची में शुमार हैं. अपने गांव को स्वच्छ, स्वस्थ एवं हरा-भरा रखने की दिशा में बेहतर प्रयास किये भी जा रहे हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 1,01,462 गांव खुले में शौच से मुक्त रखने में कामयाब हुए हैं. खुले में शौच मुक्त राज्यों में शीर्ष-तेलंगाना, तमिलनाडु, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश हैं, जिसने शत-प्रतिशत गांवों को खुले में शौच से मुक्ति दिलाकर स्वच्छ और स्वस्थ गांव बनाया है. इस मिशन के तहत कचरा प्रबंधन, अपशिष्ट जल उपचार, प्लास्टिक कचरे का निष्पादन, पशु अपशिष्टों से खाद निर्माण आदि करने की योजना है. जिससे ग्रामीणों की जीवनशैली में परिवर्तन लाकर आय का सृजन करना ध्येय है. ओडीएफ मुक्त गांवों की सूची बहुत लंबी जरूर है पर आज भी ऐसे गांव हैं जहां लोग खुले में शौच के लिए जाते हैं. आश्चर्य कि उनके घर में कच्चा शौचालय भी उपलब्ध नहीं है. खुले में शौच करने के दौरान छेड़छाड़ की शिकार महिलाओं की व्यथा सभ्य और शिक्षित समाज के लिए सबसे अधिक पीड़ादायक है। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मुशहरी प्रखंड स्थित मणिका विशुनपुर चांद और बाढ़ग्रस्त राजवाड़ा भगवान पंचायत की दलित बस्ती की महिलाएं शौचालय के अभाव में खुले में शौच जाने को मजबूर हैं। ऐसा लगता है कि सरकार की तमाम योजनाएं इस गांव में आकर दम तोड़ते नजर आ रही हैं। बाढ़ से उपजी गरीबी और बेबसी ने यहां के आम-अवाम की जिंदगी को खानाबदोश जैसा बना दिया है। गरीबी के कारण न उनके पास पक्का मकान है और न ही शौचालय की समुचित व्यवस्था है. बार-बार बाढ़ की विभीषिका झेलने को मजबूर अधिकतर लोग बेघर होकर पलायन करने को बाध्य हो जाते हैं और खुले में शौच जाना उनकी मजबूरी बन जाती है. मुशहरी के दर्जनों गांवों में भुखमरी व गरीबी का दंश झेल रहे लोग गंदगी में जीने को अभिशप्त हैं। ज्यादातर लोग मलेरिया, टाइफाइड, टीबी, दमा, एसटीडी जैसी कई तरह की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। एक महिला ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा कि बाढ़ के दौरान सांप, बिच्छू से अधिक डर यहां के मनचलों से रहता है. महिलाओं को सुबह में शौच जाने की मजबूरी रहती है. कई बार मनचलों द्वारा फब्तियां भी कसी जाती है, लेकिन सिर नीचे करके हम सभी महिलाएं अपने घर वापस हो जाते हैं। अधि

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय पोषण मिशन के तहत प्रशिक्षण शिविर आयोजित

मुजफ्फरपुर । समाहरणालय सभागार में सभी बाल विकास परियोजना के महिला पर्यवेक्षिका एवं प्रखंड समन्वयकों को राष्ट्रीय पोषण मिशन अंतर्गत पोषण ट्रैकर एप्लीकेशन एवम पोषण ट्रैकर डैशबोर्ड विषय पर एक दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण दिया गया।प्रभारी डीएम आशुतोष द्विवेदी और डीपीओ आईसीडीएस चांदनी सिंह की उपस्थिति में सुषमा सुमन , समन्वयक राहुल कुमार, मनीष कुमार ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में समुदाय आधारित गतिविधि, अन्नप्राशन,गोदभराई, आंगनवाड़ी केंद्र खुलने की स्थिति ,वृद्धि निगरानी,टीकाकरण , पका हुआ गर्म भोजन,स्कूल पूर्व शिक्षा , सेविका सहायिका का आधार सत्यापन एवम वितरण, लाभार्थियों के आधार सत्यापन की एंट्री पोषण ट्रैकर एप्लीकेशन में करने का प्रशिक्षण एवम अनुश्रवण के संबंध में बताया गया।चमकी बुखार को लेकर जागरुकता हेतु गृह भ्रमण नियमित करने तथा प्रॉपर मॉनिटरिंग करने का भी निर्देश दिया गया। केंद्र के पोषण क्षेत्रों का आंगनवाड़ी सेविका एवं आशा कर्मी को नियमित विजिट करने का निरू दिया गया। केंद्र पर सुबह नाश्ते में चूड़ा गुड़ देना है । लाभार्थियों के मोबाइल में आशा, एएनएम आईसीडीएस कर्मी वाहन मालिक का नंबर टैग करने का भी निर्देश दिया गया।

मनरेगा में मजदूरों के बदले कराया जा रहा मशीन से कार्य, कार्रवाई की मांग

मुजफ्फरपुर। कुढ़नी प्रखंड अंतर्गत किशुनपुर मधुबन पंचायत में मनरेगा योजना में मजदूरों के जगह लगातार मशीनों से काम करने की शिकायते स्थानीय सरोज कुमार , संतोष कुमार ,चंदन कुमार ,राधा देवी , सचिन कुमार , अमन कुमार, जितेंद्र कुमार सिंह , अभिषेक कुमार , अजय कुमार शर्मा समेत अन्य मजदूरों ने लिखित शिकायत देते हुए जांचोपरांत कार्रवाई की मांग की है । एक माह गुथर जानें के बाद भी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी से लेकर जिला के अधिकारियों ने अब-तक कोई कार्रवाई नहीं किया है। इधर शिकायतकर्ता ने बताया कि पंचायत में आधा दर्जन योजनाओं में मिट्टी भराई कार्य में जिन मजदूरों के नाम दिए गये है, उन्हें उक्त कार्य के बारे में कोई जानकारी भी नहीं है ।इसी तरह कई योजनाएं चलाई जा रही है जिसमें लगातार लूट-खसोट चल रहा है । वही पंचायत के दर्जनों मनरेगा मजदूरों ने आरोप लगाया है कि मनरेगा योजना में मजदूरों की जगह लगातार मशीनों से काम लिया जा रहा है । जिसकी शिकायत के बाद भी बिचौलिए पर कोई कार्रवाई नहीं होती है । जिससे प्रतीत होता है कि अधिकारियों की मिली भगत से यह कार्य किया जा रहा है ।जबकि प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी उमेश चन्द्र प्रसाद की मानें तो उक्त मामले की शिकायत मिलती है तो निश्चित जांच-पड़ताल की जाएगी !! इधर शिकायतकर्ता ने बताया कि उक्त मामले में अगर एक सप्ताह के अंदर जांचोपरांत कार्रवाई नहीं हुई तो डीडीसी से मिलकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की जाएगी।

सेना भर्ती शारीरिक दक्षता परीक्षा 16 से 28 जून तक

मुजफ्फरपुर। सेना भर्ती रैली की तैयारी को लेकर समाहरणालय सभागार में प्रभारी डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में कर्नल रोमिल विश्वास, निदेशक सेना भर्ती बोर्ड मुजफ्फरपुर ने जानकारी देते हुए बताया कि 16 जून से 28 जून तक 8 जिले के आनलाइन में सफल अभ्यर्थी शारीरिक दक्षता परीक्षा में भाग लेंगे ।उन्होंने कहा की दलाल मुक्त यह परीक्षा होगी। उन्होंने लोगो से अपील भी किया की बिचौलिए के चक्कर में न पड़े ।नोटिफिकेशन के अनुरूप सभी अभ्यर्थी अध्ययन दस्तावेज के साथ आएं ।प्रशासन के द्वारा कई आवश्यक सहयोग किया जाएगा। भवन प्रमंडल को भर्ती स्थल पर बैरिकेडिंग, कूलर जनरेटर आदि की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया ।नगर निगम मोबाइल शौचालय, तथा कार्यपालक अभियंता विद्युत को भी आवश्यक तैयारी करने का निर्देश दिया गया ।विधि व्यस्था को लेकर रेल डीएसपी और टाउन डीएसपी अनुमंडल पदाधिकारी सदर को निर्देश दिया गया। सिविल सर्जन मेडिकल फैसिलिटी मुहैया कराना सुनिश्चित करेंगे।

परणामी हत्याकांड के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मधुबनी जिला के खजौली थाना क्षेत्र के कन्हौली गांव निवासी कृष्णदेव सिंह उर्फ परणामी हत्याकांड के आरोपी जयनगर थानाक्षेत्र के गोबराही गांव निवासी शत्रुघ्न यादव को रविवार की रात गुप्त सूचना के आधार पर जयनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. वह अपने घर से बरात जा रहा था। जिसकी सूचना जयनगर थाना पुलिस को मिली. उन्होंने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपी को खजौली थाना पुलिस के हवाले कर दिया.प्रभारी थानाध्यक्ष राम कुमार ने बताया कि परणामी हत्याकांड के गिरफ्तार आरोपी को सोमवार के दिन न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस पर ईंट, पत्थर और डंडे चलाने के बाद आत्मरक्षा के लिए चलाई गई कई राउंड गोलियां

● बेगूसराय में उत्पाद पुलिस पर ग्रामीणों ने किया हमला

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। जिले में शराब माफिया अपनी करतूतों से बाज नहीं आ रहे हैं। लेकिन पुलिस ने भी शराब माफियाओं पर अंकुश लगाने के लिए पूरी तरह कमर कस ली है। भगवानपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव में रविवार की रात उत्पाद विभाग की पुलिस देर रात में एक ताड़ीखाने में छापेमारी करने पंहुची थी ।छापेमारी के दौरान भगवानपुर गांव के गोबिंद कुमार चौधरी एवं अनुरुद्ध को पकड़ लिया गया। यह कार्रवाई उत्पाद पुलिस तब की जब उसे गुप्त सूचना मिली कि भगवानपुर क्षेत्र के तारीखाने में कुछ देसी शराब कारोबारियों के द्वारा शराब बेची जा रही है। इसी सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की टीम ने भगवानपुर थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव में छापेमारी की तो वहां से दो युवक को गिरफ्तार किया। इसकी सूचना स्थानीय लोगों को मिली तो उत्पाद पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किए गए युवकों के छुड़ाने के लिए उत्पाद पुलिस पर हमला बोल दिया। पुलिस पर ईट, पत्थर और डंडे चलाने लगे। पुलिस ने अपने आत्मरक्षा में कई राउंड गोलियां भी चलाई। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक व्यक्ति को एक्साइज विभाग ने तारीखाना से पकड़ा तो दूसरे व्यक्ति को किसी की शादी के मटकोरा से दबोच लिया। इसी दोनों व्यक्ति को एक्साइज विभाग की पुलिस द्वारा पकड़ने पर स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस का जमकर विरोध करने लगा और बांस, ईट, पत्थर फेंककर पुलिस को खदेड़ना शुरू कर दिया। माहौल को बिगड़ता देख एक्साइज विभाग के पुलिस अधिकारी ने हवाई फायरिंग करना शुरू कर दी और दोनों पकड़े गए व्यक्ति को साथ ले गए। फायरिंग होते ही उस जगह भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगा। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार पुलिस ने आत्मरक्षा में करीब आधे दर्जन राउंड फायर कर किसी तरह वहां से जान बचा कर भागे। जिससे इलाके के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। वही घटना की सूचना मिलते ही भगवानपुर थाना के एएसआई विनीत कुमार झा पहुंचकर घटना की जांच की एवं घटनास्थल से एक जिंदा कारतूस एवं कई खोखा बरामद किए हैं। इधर भगवानपुर थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि जब एक्साइज विभाग की टीम छापेमारी करने गई तो स्थानीय लोगों ने पुलिस का विरोध किया और पुलिस पर हमला कर दिया। जिस कारण आत्मरक्षा में पुलिस को हवाई फायरिंग करना पड़ा। हालांकि इस फायरिंग में किसी को गोली नहीं लगी है। फिलहाल पुलिस सभी विन्दुओं पर जांच में जुटी हुई है।

नेपाली शराब के साथ एक दंपती गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। गुप्त सूचना के आधार पर हरैया थाना प्रभारी ने 63पीस नेपाली मदिरा के साथ एक दंपती को गिरफ्तार किया। इसकी पुष्टि करते हुए थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि नेपाल के बीरगंज से रक्सौल शराब लेकर आ रहे दंपती तुमरिया टोला नेपाली स्टेशन वार्ड नंबर 3 निवासी साबिर आलम के पुत्र शहजाद आलम पत्नी अंगूरी खातून को 63 पीस मदिरा के साथ गिरफ्तार किया गया। 63 पीस में 24 पीस नेपाली कस्तूरी, 34पीस नेपाली एंबिसन और 5 पीस एंबिसन ग्रीन मदिरा शामिल है। नेपाल से मदिरा लेकर रक्सौल लाने की भनक मिलते हरैया थाना प्रभारी जांच अभियान के तहत उक्त मदिरा के साथ मदिरा की तस्करी करने व खरीद बिक्री करने के आरोप में पति पत्नी दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में मोतिहारी भेज दिया।

नेपाली देशी शराब के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला के जयनगर अनुमण्डल क्षेत्र के देवधा थाना पुलिस के द्वारा शराब मामले में करवाई करते हुए नेपाली देशी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के द्वारा शराब मामले में की गई करवाई को लेकर देवधा थाना अध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा के द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र में पुलिस बल के द्वारा गस्ती और सघन जाँच के दौरान थाना क्षेत्र के उसराही तिनमुहानी पानी टंकी के पास से एक व्यक्ति को एक झोले में रखे शराब की बोतलों के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामद शराब को जप्त कर मामले में गिरफ्तार आरोपी को आगे की करवाई हेतू थाना लाया गया। जप्त शराब में 30 बोतल कुल 09 लीटर नेपाली देशी शराब है। मामले में गिरफ्तार आरोपी जयनगर थाना क्षेत्र के भेलवा टोल निवासी विंदेश्वर धांगर बताया जाता है। मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

खुन की कमी एनेमिया रोग का लक्षण, कारण एवं निवारण

प्रात : किरण संवाददाता

हर घर, हर दिन आयुर्वेद कार्यक्रम के तहत खून की कमी (पांडु) एनेमिया रोग पर वैद्य प्रोफेसर दिनेश्वर प्रसाद, राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज अस्पताल, पटना, बेगूसराय , दरभंगा, बिहार के पूर्व प्राचार्य एवं पटना ,शेखपुरा ,के पाल मार्केट स्थित अमृत आयुर्वेद का निदेशक सहः मुख्य चिकित्सक अमृत आयुर्वेद (IGIMS) के बगल में 65 नंबर पिलर के सामने पाल मार्केट में बताया की रक्ताल्पता अर्थात शरीर में रक्त की कमी के अवस्था को आयुर्वेद में पाण्डु कहा गया है। आयुर्वेद मे पाण्डु रोग का विस्तार से वर्णन किया गया है ।इस रोग को आधुनिक शास्त्र (एलोपैथिक) में वर्णित एनेमिया के नाम से जाना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार यह रोग या रक्त की कमी मुख्य रूप से पित दोष के विकृति के कारण होता हैं ।अधिक मात्रा में तीक्ष्ण,(तीखा), उष्ण यानी गर्म पदार्थो के अधिक सेवन ,अधिक मात्रा में नमक युक्त खाद्य एवं पेय पदार्थों के सेवन करने से, सोडा वाई कार्व (क्षारीय) पेय या फास्ट फूड, खटा एवं अल्प पोषण युक्त भोज्य पदार्थ विशेष रूप से खाने पीने में प्राकृतिक रुप से लौह युक्त खान पान के कमी से पाण्डु रोग उत्पन होता है। इस रोग के होने पर शरीर में रक्त (ब्लड से संबंधित तत्व) एवं मेद का क्षय होने लगता है। रोगी के कार्य क्षमता में कमी एवं चेहरे पर मायूसी, उदासी, शोथ, वर्ण में ह्रास तथा उत्साह में कमी दिखाई देने लगता है। त्वचा, नेत्र के अंदर के भाग ,में पीलापन या उजलापन दिखाई देने लगता है ।इस रोग के कारण रोगी के व्याधि क्षमत्व पर भी विपरीत परिणाम देखने को मिलता है, फल स्वरूप संक्रामक रोगों से ग्रसित होने को संभावना बढ़ जाती है। बच्चों में खून की कमी होने पर उसके शारीरिक, मानसिक तथा वौधीक विकाश में बाधा उत्पन होने लगती है ।शरीर में हृदय द्वारा रसरक्त का संवहन कम होने लगता है। उक्त रस रक्त में अनेक तरह के तत्व उपस्थित रहते हैं ।इनमे लाल रंग का रक्त कण भी होता है ।जो रक्त पेशियो से स्त्रावित होता है ।उसे ही आधुनिक डॉक्टर हीमोग्लोबिन कहते है ।रक्त पेशियों एवं लाल रक्त कण के द्वारा ही उन क्रियाओं को परिपूर्ण करने केलिए प्राण वायु (आक्सीजन) को पहुंचाने का कार्य करता है। साथ ही साथ कारबन डायव्साइड के उत्सर्जन कराने में भी ये सब तत्व सहयोग करते है। उक्त दोनो कार्य करने के लिए उनमें रक्त रजक अथार्थ हीमोग्लोबिन का उचित मात्रा में होना आवश्यक होता है। महिलाओं में 12.1 से 15.1 डी०एल, एवं पुरुषों में 13.8 से 17.2 ग्राम एवम बच्चो में 11 से 16 ग्राम तक हीमोग्लोबिन नार्मल माना जाता है। खून की कमी होने पर भूख की कमी, कमजोरी,थकान, आलस्य, उत्साह में कमी , त्वचा में रूक्षता, सीढ़िया चढ़ने पर सांसों में अधिक्ता,अंगों में रूक्षता,कभी कभी हृदय में वेदना एवं बेचैनी,कमर तथा पैरो में दर्द,तथा खिंचाव, पिंडलियों में दर्द , बाल झरने की शिकायत,बुखार जैसा अनुभूति,अत्यंत कमजोरी,कभी कभी शिर में चकर, मिट्टी खाने की इच्छा, मुखपाक,बच्चो के विकाश में अवरोध ,स्त्रियों के मासिक स्राव में कमी या विकृति , दुर्बलता, कालापन,इत्यादि बहुत सारे शिकायत देखने को मिलता है।

जिला परिषद उम्मीदवार देवानंद चौहान के जीत के लिए प्रचार प्रसार तेज

प्रात : किरण संवाददाता

नवादा । नारदीगंज भाग संख्या एक जिला परिषद उम्मीदवार देवानंद चौहान के जीत के लिए प्रचार प्रसार करते हुए नवादा जिला परिषद के पूर्व चैयरमर मैन बिरेंदर चौहान, वंचित मुक्ति मोर्चा, बिहार प्रदेश अध्यक्ष सह झारखंड प्रभारी रामा शीश चौहान, वीआईपी पार्टी के जिला अध्यक्ष मिथलेश चौहान, जेडीयू प्रवक्ता नवादा राम बालक चौहान, अंकित चौहान, बिनोद चौहान, भीम आर्मी सेना के वरिष्ठ नेता आजाद , एवम समस्त वंचित के समाज सेवी गण दिन रात लगे हुए है। चुनाव प्रचार के दौरान श्री चौहान ने कहा देवानंद चौहान का चुनाव चिन्ह मकई छप क्रमण संख्या पांच पर है सभी मतदाता गण से अनुरोध किया की दिनांक 25को सुबह 8 बजे से मतदान शुरू होगा। सभी को पहले अपना मतदान करे फिर जल पान करेंगे ।चुनाव जीतने के बाद क्षेत्र में विकास की को भी समस्या है उसे पूरा किया जाएगा। गरीब बच्ची एवम बच्चियों को पढ़ाई के लिए निः शुल्क कोचिंग की व्यवस्था करेंगे, शिक्षा ही सभी विकास का एक रास्ता हैं जिस समाज में शिक्षा का विकास हुआ है आज वो समाज आगे है।

पल्स पोलियो अभियान के साथ साथ अशाकर्मी व आंगनबाड़ी सेविका खसरा-रूबेला लक्षण वाले लोगों का जुटाएंगी जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खसरा -रूबेला उन्मूलन को लेकर अभियान चलाया जा रहा है और इस अभियान के तहत मधुबनी जिला प्रतिरक्षण कार्यालय भी जिले से खसरा रूबेला का उन्मूलन कर देश के अभियान में सहयोग करने में जुटी हुई है। जिले से खसरा और रूबेला का उन्मूलन को लेकर अभियान के माध्यम से टीका से वंचित बच्चों का पता लगाकर उन्हें टीकाकरण किया जा रहा है। खसरा और रूबेला की पहचान को लेकर एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग विशेष अभियान चलाने जा रही है। 28 मई से शुरू हो रहे पल्स पोलियो टीकाकारण अभियान के दौरान पोलियो ड्रॉप पिलाने वाले स्वास्थ्यकर्मी बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाने के बाद उक्त घर के सदस्य की जानकारी इकट्ठा करेंगे। इस दौरान उक्त आशा कर्मी एवं सेविका खसरा और रूबेला के लक्षण वाले व्यक्तियों की भी पहचान करेंगी और इसकी रिपोर्ट विभाग को सौपेंगी। रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण वाले व्यक्तियों की जांच करके खसरा और रूबेला बीमारी कंफर्म किया जाएगा। जिले में खसरा और रूबेला के मरीज लगातार मिल रहे है। खसरा वायरस संक्रामक बीमारीः जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ एसके विश्वकर्मा ने बताया कि खसरा वायरस सबसे संक्रामक बीमारियों में से एक है, जबकि रूबेला जन्म संबंधी बीमारी है और इसे वैक्सीन की मदद से रोका जा सकता है। खसरा अत्यधिक संक्रामक विषाणु जनित रोग है और वैश्विक स्तर पर छोटे बच्चों की मृत्यु का भी मुख्य कारण है। इसके लक्षण शरीर पर छोटे छोटे लाल दाने के साथ साथ बुखार, आंख से पानी आना है। उन्होंने बताया कि यह बीमारी मुख्यता बच्चों में हाइजेनिक खाद पदार्थ की कमी एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता की कमी के कारण होता है। इससे बच्चे अंधापन, इंसेफेलाइटिस, दस्त, कान में संक्रमण, निमोनिया सहित अन्य गंभीर बीमारी के शिकार हो जाते है। इसे जर्मन मीजल्स भी कहते है। वही रूबेला बीमारी गर्भवती महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलता है। इसका भी मुख्य कारण गर्भावस्था के दौरान हाइजेनिक खाद्य पदार्थों की कमी ही होता है। डॉ विश्वकर्मा ने बताया कि रूबेला का लक्षण भी खसरा के समान ही है। यह बीमारी महिलाओ के साथ साथ बच्चों की मृत्यु का भी कारण बन सकता है। या इससे इफ्फेक्टेड गर्भवती महिलाओं के बच्चे जन्मजात दोष लेकर पैदा होते है ।लक्षण दिखने पर बरते सावधानी व कराए ईलाजः यूनिसेफ एसएमसी प्रमोद कुमार झा ने बताया कि खसरा- रूबेला का लक्षण दिखने पर सबसे पहले घरों में सावधानी बरतें, जिसमें साफ सफाई के साथ-साथ अन्य लोगों से संपर्क से दूर रहें, क्योंकि यह बीमारी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलती है। उन्होंने बताया कि जिस क्षेत्र में खसरा- रूबेला का मरीज मिलते हैं उनके पोषक क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्र को सूचित करके इसकी जांच कराई जाती है। और लक्षण दिखने पर विटामिन की दो खुराक खिलाई जाती है। उन्होंने बताया कि अगर लोगों को खसरा रूबेला का लक्षण दिखाई दे तो वे अपने नजदीकी आंगनवाड़ी केंद्र से भी संपर्क कर सकते हैं या अपने नजदीकी सरकारी अस्पताल से संपर्क करके उचित परामर्श ले सकते हैं।

शिक्षक के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर के शहरी क्षेत्र के वार्ड पाँच स्थित यमुनाधर रुंगटा कन्या मध्य विद्यालय के शिक्षक भरत प्रसाद यादव के सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिसर में सम्मान सह विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक सुनिता कुमारी एवं संचालन हरिहर महरा ने किया। समारोह कार्य्रकम में उपस्थित शिक्षकों और गणमान्य अभिवावक लोंगो के द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षक भरत प्रसाद यादव को मिथिला के परम्परा के अनुसार पाग दोपट्टा फूल माला पहना कर समेत अन्य उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्यअतीथी प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी पूनम राजीव समेत शिक्षकों और गणमान्य लोगो को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को वक्ताओं ने सम्बोधित करते हुए उनके सेवा काल को बहेतर बताया। छात्रों को बेहतर शिक्षा ग्रहण करने और संस्कारी बनने एवं देश का नाम रौशन करने को लेकर सदैव प्रेरित करते रहे। हम सभी उनके बेहतर स्वास्थ्य और लंबी उम्र हेतू ईश्वर से कामना करते है। समारोह को संबोधित करते हुए प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी पूनम राजीव ने कहा कि नौकरी में एक जगह से दूसरी जगह एवं कभी न कभी सेवानिवृत्त होना पड़ता है यह सरकारी प्रक्रिया है। आज इनके साथ कल हम सभी के साथ यह नियम है। लेकिन कुछ ऐसे भी लोग होते हैं जिन्होंने अपना बेहतर कार्य कर कर्तव्य का निर्वहन कर समाज मे छाप छोड़ देते हैं जिससे सभी को प्रेरणा मिलती रहती है। ऐसे शिक्षक भरत प्रसाद यादव है। सेवानिवृत्त होने पर हम लोगों को इनकी कमी महसूस होगी लेकिन जिन छात्रों को शिक्षा और शिक्षक अनुभव ले सकते है। सेवानिवृत्त होने पर शिक्षक भरत प्रसाद ने आयोजनकताओं का धन्यवाद और आभार प्रकट किया। मौके पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी पूनम राजीव, वार्ड पार्षद हनुमान मोर,गणमान्य शिबू महाजन, शिक्षक पांडव यादव, शम्भु प्रसाद ठाकुर, मो. सोऐब, किशुन लाल यादव, कमलेश कुमार, रीता कुमारी, रश्मी प्रीया, महामाया कुमारी, दिलीप कुमार सिंह एवं राम एकबाल यादव समेत कई शिक्षक और गणमान्य लोग अभिवावकगण उपस्थित थे।

जिला स्तरीय पदाधिकारियों का साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला स्तरीय सभी विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ विभिन्न कार्यालय गतिविधियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई ।उक्त बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जिला नीलाम पत्र वाद , जिला लोक शिकायत निवारण में दायर परिवाद, समाधान यात्रा में प्राप्त आवेदन, सी पी ग्राम, जानता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों, माननीय उच्च न्यायालय में चल रहे मामलों, सूचना का अधिकार, मानवाधिकार आदि से संबंधित मामलों की बारी बारी से समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यालयों में कर्म पुस्तिका के समुचित संधारण में अपेक्षित परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। शाखाओं के प्रभारी पदाधिकारी नियमित रूप से लॉग बुक की जाँच करे ।उन्होंने वरीय पदधिकारियो को भी निर्देश दिया कि वे प्रत्येक सप्ताह किसी भी दो विभागों में औचक रूप से लॉगबुक की जांच करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच के दौरान इस बात की पड़ताल की जाए कि गत एक सप्ताह से दो महीने के बीच निर्गत किसी भी दो आदेश पत्रों का पारगमन शाखा से संबंधित शाखा में अनुपालन कार्य के बीच कितना वक्त लगा है। उन्होंने कहा कि सभी शाखा के वरीय पदाधिकारी अपने संबंधित शाखा में लॉग बुक के संधारण पर पूरा ध्यान दें। जिससे आदेश पत्रों का ससमय अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। नीलाम पत्र वाद की समीक्षा के क्रम में डीएम ने निर्देश दिया कि सभी लंबित मामलों का अविलम्ब निष्पादन कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय निष्पादन करना सुनिश्चित करें ।उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि साप्ताहिक समीक्षा बैठक का परिणाम नजर आनी चाहिए एवं लंबित मामलों को हर हाल में शून्य करें ।समीक्षा के क्रम में जिला भूअर्जन पदाधिकारी एवं डीपीओ आईसीडीएस को माननीय उच्च न्यायालय में दायर मामलों ,सूचना का अधिकार,सिपीग्राम आदि में शिथिलता बरतने एवं शून्य प्रगति के कारण स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी नियमित रूप से लॉग बुक,सूचना केअधिकार पंजी, सहित सभी महत्वपूर्ण पंजियो का नियमित से निरीक्षण करें ताकि यह सुनिश्चित कर सके कि ससमय मामलों का निष्पादन हो सके। उन्होंने सभी पदाधिकारियो को निर्देश दिया कि कार्यालयों में काफी पुराने एवं अनुपयोगी संचिकाओं का नियमानुसर विनिष्टिकरण करना सुनिश्चित करे। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त, विशाल राज,नगर आयुक्त अनिल चौधरी, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, अमेत विक्रम बैनामी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सह प्रभारी पदाधिकारी, आपदा शाखा, परिमल कुमार, पीजीआरओ, प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा, साहब रसूल, जिला परिवहन पदाधिकारी, शशि शेखरण, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, रमेश कुमार शर्मा, कार्यपालक अभियंता विद्युत, मो अरमान, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, आर के सिंह, डीपीएम जीविका, वसीम अंसारी, उत्पाद अधीक्षक, गणेश कुमार सहित सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

सिमरिया से मुंडन संस्कार कर लौट रहे सड़क हादसे में तीन जख्मी

प्रात : किरण संवाददाता

बरौनी, बेगूसराय। चकिया ओपी क्षेत्र अन्तर्गत राजेंद्र सेतु तीनमुहानी पर सोमवार को बाइक को पीछे से आ रही बस ने ठोकर मार दी। घटना की सूचना पाते ही चकिया ओपी पुलिस ने सड़क दुघर्टना में हुए सभी जख्मी को इलाज के लिए स्वास्थ्य केन्द्र बरौनी लाया। परिजन राहुल कुमार ने बताया कि मुंडन संस्कार में शामिल होने सिमरिया धाम गए थे। जहां से वापस लौट रहे थे। तभी अचानक पीछे से आ रही बस ने बाइक में धक्का मार दिया। जिससे बाइक पर सवार तीनों लोग गम्भीर रूप से जख्मी हो गए। जो तेघड़ा निवासी रुपेश कुमार की करीब 20 वर्षीय पत्नी व बहन रोशनी कुमारी एवं गेनहरपुर गांव निवासी अरविंद महतो के करीब 18 वर्षीय लड़की श्वेता कुमारी एवं महेंन्द्र महतों के करीब 32 वर्षीय पुत्र जितेन्द्र महतों गम्भीर रूप से घायल हो गए। बहन रोशनी कुमारी का दाहिना पैर टूट गया है और कई अन्य जगहों पर गम्भीर जख्म हो गया है। जितेन्द्र महतों बार बार बेहोश हो जाते थे। श्वेता कुमारी सामान्य रूप से जख्मी हुई है। जिसमें रौशनी कुमारी एवं जितेन्द्र महतों को बेहतर इलाज हेतु बेगूसराय शहर के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। श्वेता कुमारी को प्रारम्भिक इलाज कर चिकित्सक द्वारा उसे आराम करने की सलाह देते हुए स्वास्थ्य केन्द्र बरौनी से ही छोड़ दिया गया। दूसरी ओर दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को चकिया ओपी पुलिस ने

अब अनुमंडलीय अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की व्यवस्था, विधायक ने किए निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। विगत मार्च महीनें में रक्सौल विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा ने स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत से मिलकर तथा विधानसभा सदन के माध्यम से भी रक्सौल अनुमंडलीय अस्पताल के कमियों को निराकरण हेतु प्रश्न किया था। जिसके बाद रक्सौल अनुमंडलीय अस्पताल का औचक निरीक्षण उन्होंने किया। इस दौरान उनके द्वारा मांग किये गए अल्ट्रासाउंड मशीन को अस्पताल में उपलब्ध देखा तो उन्हें खुशी हुई, जिसे उन्होंने एक आत्मिक सुख की अनुभूति बताया। उन्होंने कहा कि अब मेरे रक्सौल वासियों को अल्ट्रासाउंड करवाने हेतु बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि आईसीयू सहित अन्य इकाइयों का निरीक्षण किया और अस्पताल के प्रभारी डॉ. राजीव रंजन को कहा कि हर गरीब असहाय को अस्पताल में बेहतर इलाज मिले। इसके लिए तत्पर रहना है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करेंगे। उन्होंने कहा कि जानकारी के मुताबिक चिकित्सकों की कमी है, वह भी जल्द पूरी हो जाएगी। इस संदर्भ में उनकी बात स्वास्थ्य विभाग के सचिव प्रत्यय अमृत से हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि अस्पताल की हर कमी को पूरा करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। उसके बाद उन्होंने अपील किया कि सभी रक्सौल विधानसभा वासियों से आग्रह है कि आप अब अल्ट्रासाउंड अनुमंडलीय अस्पताल रक्सौल में ही करवाएं। इस मौके पर यूनिसेफ के बीएमसी अनिल कुमार, भाजपा जिला महामंत्री अजय पटेल, जिला प्रवक्ता सांसद प्रतिनिधि राजकिशोर राय उर्फ भगत जी, भाजपा नेता राजकुमार गुप्ता, नगर अध्यक्ष कन्हैया सर्राफ, भाजयुमो अध्यक्ष प्रवीर रंजन, जिला कार्यालय मंत्री रवि गुप्ता समेत

संक्षिप्त खबरें

अखिल भारतीय पान महासंघ की हुई बैठक

नाथनगर (भागलपुर)।अखिल भारतीय पान महासंघ की बैठक शीतलास्थान स्थान महमदपुर के रामपुर पंचायत भवन परिसर में जिला अध्यक्ष ज्ञानु गुप्ता पान के नेतृत्व आयोजित हुई। इस क्रम में जिलाध्यक्ष ज्ञानु गुप्ता ने कहा कि पान महासम्मेलन पटना के बापू सभागार में आगामी 4 जून को होने वाली है, जिसमें मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी रहेंगे। भागलपुर से हम पान समाज संघ के लोग ट्रेन बस एवं अन्य वाहनों में सवार होकर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने पटना चलेंगे। उक्त कार्यक्रम में बिहार एवं अन्य प्रदेशों से पान समाज के लोग महासम्मेलन में भाग लेने हेतू बापू सभागार को अंदर और बाहर खचाखच भर देंगे, अनुमान है कि पटना में 50 हजार से अधिक पान समाज के लोग पहुंचने वाले हैं, उन्होंने बैठक में उपस्थित कार्यकताओं व सदस्यों का आवाहन किया है।

मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ हुआ जिला स्तरीय कन्वेंशन

भागलपुर। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों -एक्टू, एटक, सीटू, सेवा व एआईयूटीयूसी का जिला स्तरीय संयुक्त कार्यकर्ता कन्वेंशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय ट्रेड यूनियन के भारी संख्या में नेता कार्यकर्ता शामिल हुए है, यह संस्था मजदूरों के हित में अपनी 12 सूत्री मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शनरत रही है, वहीं इनका कहना है कि केंद्र सरकार मजदूरों के खिलाफ नीति बनाती है, जिसका हम सभी विरोध करते हैं, साथ ही श्रम कानून में बड़े पैमाने पर फेरबदल का भी आरोप लगाया है। अपनी मांगों को सरकार के द्वारा मनवाने के लिए यह संगठन सभी जिलों में कन्वेंशन का कार्यक्रम करने की बात कही जा रही हैं। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि आगामी 9 अगस्त को बड़े पैमाने पर पटना में आंदोलन किया जाएगा और उसके बाद भी सरकार अगर हमारी मांगे पूरी नहीं करती तो यह आंदोलन और भी उग्र रूप से होगा।

25 मई को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

गंगटा मोड़। विधिज्ञ संघ खड़गपुर द्विवार्षिक चुनाव संपन्न होने के बाद निर्वाचित पदाधिकारियों की शपथ ग्रहण 25 मई को विधिज्ञ संघ खड़गपुर कार्यालय परिसर में संपन्न कराया जाएगा। इसकी जानकारी विधिज्ञ संघ निर्वाचन पदाधिकारी अधिवक्ता नरेश तांती ने प्रेस को दी है। उन्होंने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में अध्यक्ष मनोरंजन प्रसाद सिन्हा, उपाध्यक्ष रामनाथ पंडित, महासचिव गणेश तांती, संयुक्त सचिव उपेंद्र प्रसाद सिंह, सहायक सचिव मुकेश कुमार, कोषा अध्यक्ष चौबे कुमार के आलावे अन्य पदाधिकारी को शपथ दिलाया जाएगा।

पेयजल का घोर संकट से जनता परेशान

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। खड़गपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में इस भीषण गर्मी में सभी तालाब सूख गए हैं सरकारी और निजी चापानल सभी फेल हो गए हैं जल नल योजना रखरखाव के अभाव में घर-घर जल नल आपूर्ति करने में नाकाम हो चुकी है क्षेत्र में पेयजल का घोर संकट पैदा हो गया है मुंगेर जिला प्रशासन ने पीएचईडी विभाग की बड़ी फौज तैयार किया है लेकिन सरकारी चापानल की मरम्मत भी नहीं किया की जा सकी है रतैठा पंचायत के मुसहरी कौड़िया आदि एक दर्जन पंचायतों के नागरिकों ने बताया कि घर घर नल जल योजना उचित रखरखाव और बिछाई गई पाइप की मोमबत्ती के अभाव में पानी सड़क पर बह कर बर्बाद हो रहा है यो वह यू भूजल स्तर नीचे चले जाने से चापानल से पानी देना बंद हो चुका है रतैठा पंचायत के ग्रामीण दिगंबर पाठक प्रमोद पाठक निवास पाठक गणेश पाठक आदि दर्जनों नागरिकों ने बताया कि टैंकर से पानी दिया जाता था जो टंकर से भी पानी दिया जाना बंद है जिससे पीने का पानी ग्रामीणों को खरीद कर पीना पड़ता है पेयजल का संकट सबसे अधिक परेशानी गरीब लोगों को है हवेली खड़गपुर की जनता ने जिलाधिकारी मुंगेर से पेयजल संकट से निजात दिलाने की मांग की है।

जनता को जर्जर सड़क पर चलना हुआ मुश्किल

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। खड़गपुर मुंगेर मुख्य मार्ग के भौमासी पुल से असरगंज तक जाने वाली सड़क काफी जर्जर हो गया है जिससे नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है 5 वर्ष पहले इस पद का कालीकरण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से किया गया था यह सड़क मुंगेर खड़गपुर मुख्य मार्ग से निकलकर ग्रामीण क्षेत्र को चीरते हुए असरगंज और कच्ची मोड में मिलता है सड़क मुजफ्फर गंज हाट से असरगंज प्रखंड के दर्जनों गांव के नागरिकों को आवागमन सुलभ करता है। ग्रामीणों के लिए जहां बना हुआ सड़क जर्जर हो गया है वहीं भागलपुर बांका जिले में प्रवेश करने के लिए आसान पत्र बन गया है।

आगजनी में आधे दर्जन घर जलकर हुआ राख

लाखों के नुकसान होने के साथ किसान परिवार हुए बेघर, छतिपूर्ति आंकलन में जुटी पुलिस व प्रशासन

प्रात: किरण ब्यूरो

भागलपुर। इन दिनों जिले भर में अगलगी घटना सामने आ रही हैं, नवगछिया के इस्माइलपुर थाना क्षेत्र के मेघल टोला इलाके में तपती गर्मी के बीच एक बार फिर से आग ने अपना कहर बरपाया है। उक्त अगलगी की घटना में मेघल टोला इलाके चार घर जलकर राख की ढेड़ में तब्दील होने की सूचना सामने आयी है। वही अगलगी की घटना में घर में रखे सामानों की छति होने के साथ लाखों के नुकसान होने की बात कही जा रही हैं, घटना को लेकर बताया जा रहा है कि खाना बनाने के दौरान चूल्हे से निकली चिंगारी से फुस के बने एक घर में आग लग गयी। वही आग ने देखते देखते एक एक कर अपने आसपास के आधे दर्जन घर को अपने आगोश में ले भयावह रूप धारण कर लिया। वही लगी आग पर काबू पाने की कवायद में जुटी ग्रामीणों की भीड़ ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मामले को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि फूस के एक मकान में लगी आग ने अपना विकराल रूप ले लिया, और देखते ही देखते आधा दर्जन घर उसकी चपेट में आ गए, आग लगने से ग्रामीण परिवार सहित इलाके सटे अन्य बस्ती में अफरा- तफरी का माहौल में तब्दील हो गया। वहीं ग्रामीणों ने एकजुट होकर खुद से बाल्टी व डिब्बे में पानी लेकर आग को बुझाने में जुट गये, घंटे भर की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन इस भयावह आग में चार घर पूरी तरह से जलकर राख की ढेड़ में तब्दील हो गया, घर में रखा सारा सामान उक्त आग की भेंट चढ़ राख में तब्दील हो गया। एक झटके में कई परिवार बेघर हो गए, छोटी सी लापरवाही बड़े दुर्घटना का कारण बन गयी। हालांकि आग लगने का कारण अभी पता नहीं लग पाया है, लेकिन स्थानीय प्रशासन व पुलिस द्वारा अगलगी में हुए नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

महिला पुलिस ने आपत्तिजनक स्थिति में सीओ को किया गिरफ्तार

जमीन मोटेशन के नाम पर अंचलाधिकारी ने महिला से दुष्कर्म करने की कोशिश

प्रात: किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में आए दिन प्यार मोहब्बत के जाल में फंसा कर तो कभी जबरन घर में घुसकर दुष्कर्म करने की बात सामने आते रहे हैं, लेकिन एक मामला ऐसा सामने आया जिसे सुनकर लोगों के होश उड़ा दिए हैं, एक अधिकारी द्वारा महिला के साथ दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार नबगछिया पुलिस जिला अंतर्गत नारायणपुर प्रखंड कार्यालय के अंचल पद पर नियुक्त अधिकारी को महिला से दुष्कर्म का प्रयास करते हुए आपत्तिजनक स्थिति में सीओ को नारायणपुर के बीडीओ के बेडरुम से गिरफ्तार किया गया है। वहीं महिला पुलिस द्वारा पीड़ित महिला की मेडिकल जांच को लेकर अनुमंडल अस्पताल लेजाया गया, जहां उसकी मेडिकल जांच करायी गई है। दरअसल नबगछिया अनुमण्डल के नारायणपुर प्रखंड के सीओ पद पर नियुक्त अजय सरकार के पास स्थानीय नारायणपुर गांव की एक महिला अपने जमीन मोटेशन के लिए बीते पांच महीने से चक्कर लगा रही थी, जिसे लेकर सीओ द्वारा अगले दिन की बात कह कर महिला को बुलाया गया था,जिसके बाद सीओ द्वारा महिला को अपने रूम पर जाने को कह दिया, जिसके बाद महिला को जमीन मोटेशन कार्य करने के एवज में नजराना मांग के रूप में महिला से संपर्क बनाने के लिए राजी कर ली, लेकिन महिला ने कमरे में पहुंचने के साथ पुलिस को फोन कर बताया कि नारायणपुर के सीओ उसके साथ जबरदस्ती कर दुष्कर्म का प्रयास कर रहे हैं। सूचना मिलते ही नवगछिया महिला थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर सीओ को आपत्तिजनक स्थिति में गिरफ्तार कर लिया। वही पुलिस ने पीड़ित महिला को सीओ के कब्जे से मुक्त कराकर मेडिकल जांच के लिए अस्पताल लेजाया गया है। मामले को लेकर प्राप्त जानकारी के मुताबिक पीड़ित महिला को दाखिल-खारिज करने के लिए सीओ ने जमीन के कागजात के साथ नारायणपुर के बीडीओ के रूम पर बुलाया था। जहां सीओ उसके साथ जबरदस्ती के प्रयास करने लगे, जिसके बाद पीड़िता ने बाथरूम जाने की बात कहकर निकलने के साथ पुलिस को फोन पर जानकारी दे दी। वही घटना की सूचना पाकर डीएसपी मुख्यालय सुनील पांडे अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच मामले की जांच में जुट गई। वही जांच को लेकर एफएसएल की टीम को बुलाया गया। वही प्राप्त सूचना के साथ एफएसएल की जांच टीम घटनास्थल पर पहुंचकर बारीकी से जांच की, टीम ने बेडरूम सहित बेड पर लगे बेडशीट व अन्य कपड़ों की जांच के साथ उसे जब्त कर अपने साथ ले गयी है।

भागलपुर पहुंची राजस्थान पुलिस की दो सदस्यीय टीम

प्रात: किरण ब्यूरो

भागलपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित चुनिहारी टोला मोहल्ले में पहुंची राजस्थान पुलिस की टीम ने लक्ष्मी रेसीडेंसी में रहने वाले रामप्रसाद साह के घर पर दबिश देने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि जिस समय रामप्रसाद साह घर पहुंची वह घर में ही मौजूद थे। जिसके बाद पुलिस ने उससे घंटो तक बंद कमरे में कड़ी पूछताछ की। लगभग पांच घंटे तक चली पूछताछ में आखिरकार पुलिस खाली हाथ ही राजस्थान लौट गई।

जानकारी के मुताबिक स्कूटर एग मार्क ग्रेड1 कंपनी ने रामप्रसाद साह पर लाखों रुपए गबन करने का आरोप लगाते हुए वर्ष 2019 में अरावल बिहार थाने में मामला दर्ज कराया था, जो राजस्थान के अलवर में है। बताया जा रहा है कि रामप्रसाद साह पटना सिटी में रानी सती ऑयल मिल के नाम से अपनी एजेंसी चला रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कंपनी से लगभग 35 लाख रुपए का माल मंगाया और पटना सिटी से अपनी दुकान बंद कर फरार चल रहा था।जिसके बाद स्कूटर एग मार्ग ग्रेड वन कंपनी ने राम प्रसाद साह के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में राजस्थान पुलिस इसके पूर्व भी दो बार इनके निवास स्थान पर गिरफ्तारी के लिए दबिश दे चुकी है, लेकिन खाली हाथ वापस लौटना पड़ा था, जबकि इस बार राजस्थान से आई पुलिस की 2 सदस्य टीम जिसमें एक दरोगा ईश्वर कुमार और एक आरक्षी धर्मेंद्र सिंह शामिल थे। पुलिस के अचानक पहुंचने से रामप्रसाद साह भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। हालांकि पूछताछ में रामप्रसाद साह ने बताया कि वह कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी की मेडिकल रिपोर्ट देखकर उसे छोड़ दिया। हालांकि पुलिस ने रामप्रसाद साह की कोई मेडिकल चेकअप नहीं कराई। इससे भी यह मामला संदिग्ध देखा जा रहा है। वही राजस्थान पुलिस के साथ स्कूटर कंपनी के प्रतिनिधियों ने राजस्थान पुलिस पर संदेह व्यक्त करते हुए पूरे मामले में लीपापोती करने का आरोप लगाया है। कंपनी के प्रतिनिधि लक्ष्मी नारायण ने बताया कि राजस्थान पुलिस आरोपी के कमरे में 5 घंटे तक रही थी, इस दौरान हम सभी लोगों को बाहर निकाल दिया गया था। उसके बाद जब पुलिस बाहर निकली तो वह खाली हाथ ही थी। कंपनी के प्रतिनिधि ने राजस्थान पुलिस पर पैसे लेकर मामले को रफा दफा किए जाने का आरोप लगाया है। वही आरोपी राम प्रसाद साह की गिरफ्तारी नहीं करने को लेकर राजस्थान पुलिस के दरोगा ईश्वर कुमार ने बताया कि कोर्ट से गिरफ्तारी का वारंट निर्गत किया गया है, लेकिन जब आरोपी राम प्रसाद साह के यहां पहुंचा तो उसे बीमार पाया गया, इसलिए उसकी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

अनुमंडल दंडाधिकारी से जांच प्रतिवेदन समर्पित करने का कियाा मांग

प्रात: किरण ब्यूरो, मुंगेर

मुंगेर। खड़गपुर अंचल अधिकारी एवं थाना पुलिस के भ्रष्ट रवैया के चलते खड़गपुर के जनता परेशान हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुमंडल दंडाधिकारी खड़गपुर के न्यायालय से संबंधित दंड प्रक्रिया संहिता के अंदर दफा 144 के एक मामले में खड़गपुर थाना पुलिस और अंचल अधिकारी हवेली खड़गपुर की ओर से आज तक जांच प्रतिवेदन न्यायालय में दाखिल नहीं किया गया है ।

इस वजह से न्यायालय में वाद संख्या 01/2 का कार्यवाही के लिए लंबित पड़ा हुआ है। बताया जाता है कि आवेदनकर्ता विवेकानंद केसरी पिता स्वर्गीय रामानंद प्रसाद केसरी की जमीन को अतिक्रमण करके प्रतिवादी अमर केसरी पिता स्वर्गीय केदार केसरी ने जबरन मकान निर्माण कार्य कराने के पहल पर आवेदक ने खड़गपुर अनुमंडदंडाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी के न्यायालय में मुकदमा दाखिल किया है।

जिस पर सुनवाई करते हुए अनुमंडल दंडाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी ने अंचल अधिकारी और खड़गपुर थाना अध्यक्ष से जांच प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया है इस संबंध में न्यायालय ने दिनांक 12 /01/ 2023 को डीवी नंबर 15 /2023 के माध्यम से अंचल अधिकारी और थाना अध्यक्ष से जांच प्रतिवेदन देने को कहा है। लेकिन थाना अध्यक्ष और अंचल अधिकारी के द्वारा तय समय पर जांच प्रतिवेदन न्यायालय में दाखिल नहीं किया गया है। इसको लेकर अनुमंडल दंडाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी ने पुनः डीबी नंबर 63/2023 दिनांक 03/ फरवरी/ 2023 जांच प्रतिवेदन भेजने के लिए स्मार-पत्र भेजा है। लेकिन अंचल अधिकारी और खड़गपुर थाना अध्यक्ष ने लगातार पांच माह गुजरने पर भी जांच प्रतिवेदन न्यायालय में समर्पित नहीं किया है। विश्व सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार अनुमंडल दंडाधिकारी न्यायालय के इस वाद संख्या 01/2//2023 के इससे मामले में अंचल कार्यालय और खड़गपुर थाना पुलिस जांच प्रतिवेदन भेजे जाने के एवज में आवेदक से मोटी रकम की मांग कर रहा है।

किसानों की समृद्ध हेतु कटाई दिवस का हुआ आयोजन

प्रात: किरण ब्यूरो, मुंगेर

रूपौली(पूर्णिया) । कॉरटेवा एग्रीसाईस के सिद्धांत पर खेती करना किसानों को प्रगतिशील और समृद्ध बनाने में अहम भूमिका निभाई। जिसके परिणाम स्वरूप प्रखंड क्षेत्र के डोभा मिलिक पंचायत के महवाला गांव में किसानों के साथ मिलकर कटाई दिवस मनाया गया। नया शंकर मक्का है उपज की नयी परिभाषा, ये नहीं देखा तो क्या देखा। यह कार्यक्रम पायोनियर नया शंकर मक्का अन्य शंकर बीजों की पैदावार के अपेक्षाकृत अधिक पैदावार दी के खुशी में मनाया गया। कटाई दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक अभिजीत कुमार झा ने नया शंकर मक्का हर हाल बेमिशाल क्यों जैसे प्रसंग पर प्रकाश डाल उपस्थित किसानों को कम्पनी की उन्नत विधि से अवगत कराया।

वहीं उपस्थित किसानों को पायोनियर नया शंकर मक्का खेती से सम्बंधित गुढ़ सिखाए। साथ ही साथ भरोसा दिलाया कि कॉरटेवा के तकनीक अपनाने से किसानों में समृद्धि और खुशहाली निश्चित आएगी। वहीं महवाला के किसान सिकन्दर मंडल को अधिक पैदावार के लिए अंग वस्त्र, प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉरटेवा के क्षेत्रीय अधिकारी सुमित कुमार, संतोष कुमार, ललन कुमार सहित महवाला गांव के सुधीर साह, कमलेश्वरी मंडल, गुड्डू मंडल आदि समृद्ध किसान उपस्थित थे।

बीएलएस इंटरनेशनल ने स्पेन सरकार के साथ एक और कार्यकाल के लिए वीजा आउटसोर्सिंग कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किए

प्रात: किरण संवाददाता

पटना/नई दिल्ली। स्पेन के विदेश मंत्रालय, यूरोपियन यूनियन एंड कॉर्पोरेशन ने लगातार दूसरी बार बीएलएस इंटरनेशनल के साथ वीजा आवेदन आउटसोर्सिंग के लिए ग्लोबल कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किया है। कॉन्ट्रैक्ट में अन्य क्षेत्रों के अलावा यूरोप, अमेरिका, लैटिन अमेरिका, सीआईएस, अफ्रीका, मध्य पूर्व और एपीएसी शामिल हैं। बीएलएस इंटरनेशनल 2016 से स्पेनिश सरकार को अपनी सेवाएं दे रहा है। इसके अलावा वर्तमान समय में बीएलएस 40 देशों में 122 वीजा एप्लिकेशन सेंटर संचालित करता है। बीएलएस इंटरनेशनल के लिए यह गौरव की बात है वह वर्ष में लगभग 2 मिलियन स्पेनिश वीजा एप्लिकेशन्स को संभालती है। इसके अलावा वीजा एप्लिकेशन्स की बढ़ने की भी उम्मीद है। वर्तमान में कंपनी पहली बार राष्ट्रीय वीजा आउटसोर्स कर रही है। भविष्य में राष्ट्रीय वीजा की मांग में और अधिक वृद्धि होगी और इससे अन्य नए भौगोलिक क्षेत्रों में कार्यालय खुलेंगे। इसके अलावा बीएलएस भविष्य में एसएमएस, कूरियर सेवाओं, मोबाइल बायोमेट्रिक्स, प्रीमियम लाउंज आदि जैसी अन्य सुविधाओं की भी पेशकश करेगा। "हमें एक बार फिर से ग्लोबल कॉन्ट्रैक्ट से सम्मानित होने पर गर्व महसूस हो रहा है क्योंकि यह उस विश्वास को मजबूत करता है जो स्पेन सरकार ने कंपनी पर किया है। कंपनी ने यह विश्वास डिलिवरेबल्स के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से स्थापित किया है। यह कॉन्ट्रैक्ट स्पेन के लिए दुनिया में वीजा एप्लीकेशन सेंटर नेटवर्क के हो रहे विस्तार को आगे बढ़ाएगा।

युवती ने की खुदकुशी, कुछ दिनों से मानसिक तौर पर थी परेशान

प्रात: किरण ब्यूरो

भागलपुर। मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र से इलाके में एक 16 वर्षीय एक युवती द्वारा खुदकुशी करने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार मुजाहिदपुर थाना क्षेत्र के हसनगंज मिरजानहाट इलाके के सुमन रोशन की 16 बर्षीय पुत्री ऋषिका ने अपने घर के एक कमरे में पंखे से रस्सी बांध खुद के गले में फंदा लगाकर खुदकुशी की है। घटना को लेकर परिजनों व आसपास के लोगों ने आनन फानन में युवती को निजी क्लीनिक में ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतिका ऋषिका कुमारी दसवीं की परीक्षा में अच्छे नंबर से पास की थी, और इंटर में एडमिशन कराने वाली थी। वही ऋषिका के पिता सुमन रोशन का कहना है कि मेरी बेटी कुछ दिनों से डिप्रेशन में चल रही थी, क्या कारण था हम लोगों को भी नहीं पता, गौरतलब हो कि मृतिका युवती ऋषिका के माता-पिता पेशे से शिक्षक हैं, वही ऋषिका की दादी का कहना है कि वह कुछ दिनों से मानसिक रूप से बीमार चल रही थी। जिसकी वजह से वह डिप्रेशन में रह रही थी, हो सकता है इसके कारण यह कदम उठाया हो, हालांकि घटना के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ पाई है। वही घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय मुजाहिदपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर मृतिका के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, साथ ही पुलिस घटना को लेकर उसके घर पर पहुंच कमरे की शिनाख्त करने के साथ साथ मोबाइल व उनकी अन्य सामान की जांच में जुट गई है, जिससे मौत के कारण का स्पष्ट रूप से जानकारी सामने आ सकें, वही घटना से आहत हुए परिजन का रो रो कर बुरा हाल है।

दुकानदार ने पीट-पीट कर मजदूर की ले ली जान

प्रात: किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज थाना क्षेत्र के बालू घाट रोड में एक दुकानदार ने अपने परिवार के साथ मिलकर एक मजदूर की पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। मृतक मजदूर की पहचान बालु घाट रोड के रहनेवाले योगेन्द्र यादव का पुत्र मुकेश यादव उम्र 35 वर्ष के रुप में हुई है। वही इस मामले को लेकर मृतक मजदूर मुकेश यादव की पत्न ी निक्की देवी ने बताया कि बालु घाट के समिप पुरी, जिलेबी का दुकान पप्पू साह के यहाँ हमारे पति मुकेश यादव मजदूरी करता था,जहां मजदूरी के 15 से 20 हजार रुपया बकाया राशि रखे जाने के साथ मजदूर मुकेश बार बार दुकानदार से अपने मजदूरी के पैसा मांगने पर आज कल का बहाना बनाते हुए टाल-मटोल करते रहता था। वही पप्पू साह ने मजदूरी का पैसा लेने के लिए घर पर देर रात बुलाकर मेरे पति मुकेश यादव को दुकानदार पप्पू साह, सन्नी साह, सिन्टु साह, दिपक साह, सहित इनके परिवार के सभी लोग गला में गमछा लगाकर बडी कलछुल, छनोटा, इट्ट पत्थर से पीट पीटकर उसकी हत्या कर दी। वही घटना की जानकारी स्थानीय थाना पुलिस को दिये जाने के साथ ही पुलिस घटना स्थल पर पुलिस पहुकर मृतक मजदूर के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवलखा भेज दिया। वही पुलिस ने मौके से दो लोगों को हिरासत में लेकर पुछताछ कर रही हैं।वही घटना से आहत हुए परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे चंपानगर के लोग, विकास के नाम पर कुछ नहीं

प्रात: किरण संवाददाता

पूर्णिया/ केनगर । नव गठित नगर पंचायत चम्पानगर के लोग अभी भी कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। न तो उसे अच्छी सड़क, न नाली, न रोशनी की सुविधा उपलब्ध हुआ है। साफ सफाई के नाम पर केवल चम्मानगर बाजार के साफ सफाई की खानापूर्ति की जाती है। यहां तक कि लोगों को जन्म मृत्यु प्रमाणपत्र तथा अन्य कागजात बनाने के लिए उसे दर दर भटकना पड़ता है। कुछ ऐसे भी कागजात हैं जो पहले प्रखंड से बनता था। नगर पंचायत के गठन के बाद अब उन कागजातों को नगर पंचायत द्वारा बनाया जाना है। परन्तु नगर पंचायत कार्यालय व्यवस्थित नहीं होने के कारण न तो कागजात नगर पंचायत में बन पाता है और न ही प्रखंड कार्यालय में। नगर पंचायत कार्यालय में एक भी कम्प्यूटर नहीं है। एक हीं कर्मी के सहारे नगर पंचायत कार्यालय का काम किसी तरह निपटाया जाता है। ये कर्मी भी नगर पंचायत चम्पानगर के किसी विद्यालय के शिक्षक हैं जिनकी प्रतिनियुक्ति नगर पंचायत कार्यालय में कर दी गई है। स्थानीय लोग बताते हैं कि चुनाव के बाद बोर्ड का गठन होना कई महिने बीत गए हैं परन्तु विकास का एक भी काम नगर पंचायत क्षेत्र में नहीं किया गया है। विकास के कार्य में हो रही रूकावट को लेकर मुख्य पार्षद मधु देवी एवं उप मुख्य पार्षद सतीश कुमार से बात की गई तो बताया गया कि विकास कार्य को लेकर कई बैठक हो चुकी है।

फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र के आधार पर शिक्षक की नियुक्ति

प्रात: किरण संवाददाता

पूर्णिया/बड़हरा कोठी। फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र के आधार पर नियुक्ति संबंधी एक मामला सामने आया है। निपनिया पंचायत के आंगनबाड़ी सेविका के सेवामुक्ति एवं मामला दर्ज होने के बाद प्रखंड क्षेत्र के मुलकिया पंचायत के मुड़बल्ला मध्य विद्यालय के एक शिक्षक द्वारा किये गए जालसाजी को लेकर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बीकोठी द्वारा उक्त शिक्षक का वेतन स्थगित करते हुए विद्यालय संचालन पर रोक लगाया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार मध्य विद्यालय मुड़बल्ला में 2003 से नियोजित शिक्षक मो जुबैर इमाम के द्वारा शिक्षक की नौकरी पाने में किये गए जालसाजी के संबंध में ग्रामीण कमलेश्वरी प्रसाद यादव द्वारा वर्ष 2019 में ही जिला अपीलीय प्राधिकार में वाद दायर किया गया था कि मो जुबैर इमाम पिता अताउल हक और मो जुबैर आलम दोनों एक ही व्यक्ति है जो अलग अलग वर्ष में अलग अलग नाम से भिन्न भिन्न जन्म तिथि डाल कर मेट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण किये हैं। जिला अपीलीय प्राधिकार के निर्देश पर फरवरी 2020 में तत्कालीन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बड़हरा कोठी द्वारा परिवादी के साक्ष्य और उपलब्ध अभिलेख के जांच के क्रम में शिकायत कर्ता का आरोप सत्य पाया गया। जांच के क्रम में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा वर्ष 1983 में निर्गत प्रमाण पत्र में नाम मो जुबैर आलम जन्म तिथि 08 जनवरी 1966 तथा वर्ष 2001 में निर्गत प्रमाण पत्र में नाम मो जुबैर इमाम जन्मतिथि 31 दिसंबर 1981 पाया गया। जांच के क्रम में पाया गया कि मो जुबैर इमाम वर्ष 2001 के वार्षिक परीक्षा के प्रमाण पत्र के आधार पर शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं जबकि इन्होंने वर्ष 1983 के वार्षिक परीक्षा में ही उत्तीर्णता प्राप्त कर लिया था। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बड़हरा कोठी द्वारा जिला अपीलीय प्राधिकार को सौंपे जांच प्रतिवेदन में उद्धृत किया गया कि वर्ष 1983 में मेट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण हुए व्यक्ति जिनकी जन्मतिथि 08.01.1966 है वह व्यक्ति बाद में वर्ष 1981 में जन्म नही ले सकता। स्पष्ट रूप से शिक्षक द्वारा जानबूझ कर जालसाजी का काम किया गया है। इसके लिए आवश्यक कार्यवाही आवश्यक है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के जांच प्रतिवेदन के आधार पर जिला अपीलीय प्राधिकार द्वारा आदेश पारित कर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को उचित कार्यवाही का निर्देश दिया गया था। लेकिन कोई कार्यवाही नही होने पर परिवाद द्वारा पुनः 2023 में बाद दायर किया गया। 2023 के दायर बाद पर प्राधिकार द्वारा 03.05.2023 को सुनवाई के क्रम में 2019 में दायर परिवाद संख्या 02/2019 में पारित आदेश का अनुपालन करते हुए प्रतिवेदन समर्पित करने का आदेश प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बड़हरा कोठी को दिया गया। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बड़हरा कोठी द्वारा जारी कार्यालयी आदेश में पंचायत शिक्षक नियोजन इकाई के फलाफल निर्णय तक मो जुबैर इमाम प्रखंड शिक्षक मध्य विद्यालय मुड़बल्ला का वेतन स्थगित करते हुए विद्यालय संचालन पर रोक लगाया गया है। जिला अपीलीय प्राधिकार द्वारा वाद संख्या 02/19 में पारित आदेश के अनुपालन में हुई देरी के सवाल पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शीला रानी ने बताया कि विलंब क्यों हुआ ये हम नही बता सकते है। जब ग्रामीण फिर जगा और हमे आदेश मिला तो हम करवाई किये। वहीं इस संबंध में शिक्षक जुबैर आलम का पक्ष लेने के लिए उसके मोबाइल संख्या 9572252213 पर सम्पर्क करने का प्रयास किये जाने पर उनका मोबाइल बंद पाया गया।

पायोनियर कंपनी के द्वारा फसल कटाई दिवस का हुआ आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

पूर्णिया/बड़हरा कोठी । प्रखंड क्षेत्र के लतराहा पंचायत के प्रगतिशील किसान इन्द्रकांत यादव के खेत में पायोनियर कंपनी के सौजन्य से फसल कटाई दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोटीर्वा एग्रीसाइंस के टीएसएम अभिजीत झा ने कहा कि पायोनियर पी 3532 मक्का की उपज की तुलना किसी से नहीं किया सकता है। क्योंकि पी 3532 से दमदार मकई कोई भी नहीं है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पायोनियर के बी कोठी के अधिकारी रोशन कुमार ने कहा कि इस वर्ष मक्का के अच्छे भाव से किसान मक्के की फसल के प्रति काफी उत्साहित हैं। इस वर्ष मक्के का रेट 2200 से 2300 रुपया प्रति क्विंटल है जो पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक है। पिछले वर्ष मक्का का रेट 1500 से 1600 रुपया प्रति क्विंटल था। इस वर्ष अच्छा फसल होने पर अपना उद्गार व्यक्त करते हुए किसान उपेंद्र यादव ने बताया कि मुझे पी 3532 मक्का लगाने से 55 क्विंटल प्रति एकड़ पैदावार हुआ हुआ, जिसको यदि 2200 प्रति क्विंटल रेट से बेचूंगा तो मुझे 121000 रुपया प्रति एकड़ प्राप्त होगा। कार्यक्रम में पायोनियर के बड़हरा कोठी के अधिकारी रौशन कुमार एवं धनश्याम कुमार द्वारा पी3532 मकई उपजाने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। फसल कटाई दिवस के अवसर पर विनोद यादव, प्रियव्रत यादव, अखिलेश यादव, टुनटुन यादव, दिलीप यादव एवं अन्य किसान उपस्थित हुए।

हत्याकांड का खुलासा करते हुए पांच अपराधियो को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

पालीगंज/ सिगोड़ी पुलिस ने रविवार की रात जहानाबाद जिले के परसबिगहा थाना अंतर्गत करती बिगहा गांव से हत्याकांड का खुलासा करते हुए पांच अपराधियो को गिरफ्तार कर लिया। जिसकी जानकारी पालीगंज डीएसपी कार्यालय की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दी गयी है।

विज्ञप्ति के अनुसार 23 अप्रैल को सोगोड़ी पुलिस ने परसबिगहा थाना के सीमावर्ती क्षेत्र से एक अज्ञात महिला का शव छह टुकड़ो में विभाजित किया हुआ पाया था। जिसकी पहचान जहानाबाद जिले के परसबिगहा थाना अंतर्गत करती बिगहा गांव निवासी ललन यादव के 27 वर्षीय पत्नी रेणु देवी के रूप में हुई थी।

जिसकी प्राथमिकी सिगोड़ी थाने में अज्ञात अपराधियो के खिलाफ दर्ज कर अनुसंधान की जा रही थी। जिसके दौरान मामला ऑनर किलिंग

बेकार फिल्में दर्शक रिजेक्ट करें जिससे मेकर्स अच्छा कॉन्टेंट बनाएं

सोनू के टीटू की स्वीटी से फेमस हुई नुसरत भरूचा ने कई फिल्मों में काम किया है। वह जनहित में जारी, ड्रीम गर्ल, सेल्फी, प्यार का पंचानामा 2, छोरी जैसी मूवीज कर चुकी हैं। वह फिलहाल अपनी हालिया फिल्म छत्रपति के कारण चर्चा में हैं। ये बॉक्स ऑफिस पर तो कुछ कमाल नहीं कर पाई लेकिन नुसरत ने इसे प्रमोट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने अब नवभारत टाइम्स से खास बातचीत में काफी कुछ कहा है।

आजकल बॉलिवुड में एक के बाद एक रीमेक फिल्में बन रही हैं। आपको क्या लगता है हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इतनी रीमेक फिल्में बनाने के पीछे क्या कारण है?

देखिए रीमेक तो आज से नहीं बन रही हैं। हमने डॉन का रीमेक देखा, अग्निपथ का रीमेक रितिक रोशन ने की। तो ऐसा नहीं है कि पहले ऐसा नहीं होता था। लेकिन अभी पता नहीं कि इंडस्ट्री के लोगों को लगता है कि रीमेक बनाने का फॉमूर्ला ही चलेगा। उनको पता नहीं क्यों लगता है कि साउथ की फिल्म का रीमेक बना देंगे तो दर्शक उससे कनेक्शन बना पाएंगे। अगर आप तकनीकी तौर पर देखें तो साउथ में हिंदी ऑडियंस भी ज्यादा है। उन्होंने हिंदी फिल्मों को हिंदी में देखा है। तो मुझे लगता है कि या तो आप बहुत पुरानी फिल्म को उठाकर एक रीमेक बनाएं, जैसे छत्रपति है, जो 18 साल पहले आई थी। तो इतने लंबे समय से लोगों ने उसे नहीं देखा है। जब इतना लंबा गैप आ जाता है तो उसे दर्शक नए कॉन्टेंट की तरह देखते हैं। वहीं आप अगर हाल ही में रिलीज किसी साउथ की फिल्म का रीमेक बनाएंगे तो लोगों ने वो फिल्म देखी होती है, ऐसे में उस फिल्म को वैसा रिस्पॉन्स नहीं मिल पाता है। (हंसते हुए) हालांकि आजकल क्या काम करेगा, क्या नहीं, कुछ नहीं पता।

कोरोना के बाद दर्शकों का नजरिया काफी बदल गया है। उन्होंने देश-विदेश के तमाम कॉन्टेंट देख लिए हैं। आपके हिसाब से ये बदला हुआ दर्शक क्या देखना चाहता है?

मुझे लगता है कि लॉकडाउन में दर्शकों ने घर पर बैठकर पूरी दुनिया का कॉन्टेंट देखा है, चाहे वो वेब सीरीज हो या कोई फिल्म। तो अब उन्हें कॉन्टेंट पसंद आने लगा है, उनके लिए स्टोरी महत्व रखने लगी है। वह किसी विदेशी कॉन्टेंट के सब टाइटल्स को पढ़कर पूरा कॉन्टेंट देख डालते हैं। मैंने ही कई कोरियन शोज देख डाले हैं। मैं फ्लाइट में बैठती हूं तो मेरे कोरियन ड्रामा के एपिसोड तैयार रहते हैं। जबकि मुझे उनकी शक्लें याद नहीं रहतीं क्योंकि मैं नीचे सबटाइटल्स देख रही होती हूं। विजुअल मैं कम ही देखती हूं। मुझे लगता है कि दर्शक लर्नर बन गए हैं, वो बहुत समझदार हो चुके हैं और उनके पास बहुत विकल्प हो गए हैं। पहले जब पांच हीरो थे तो लोग उनके पीछे ही पड़े रहते थे, लेकिन जब 25 हीरो हो जाएंगे तो पांच की उतनी वैल्यू नहीं रहती। अभी ऐसा ही चल रहा है। अब कॉन्टेंट में वैरायटी काफी है। पहले जो कॉन्टेंट बनाकर आप फिल्में बेच रहे थे, वो लोगों को नहीं चाहिए। वो कहते हैं कि ये नहीं चाहिए, ये देख चुके हैं। उनका कहना होता है कि हमें कुछ नया चाहिए।

पिछले दिनों कम ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर टिक पाई हैं, बहुत बड़ी तादाद में मूवी फेल साबित हुई हैं। दर्शकों की कॉन्टेंट को रिजेक्ट करने की इस सोच को आप किस तरह देखती हैं?

मैं इस बदलाव से खुश हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि जो फिल्में अच्छी नहीं हैं, उन्हें दर्शकों को रिजेक्ट कर देना चाहिए। वहीं जो फिल्में अच्छी हैं, चाहे फिर वो नए स्टार्स की हों, उसको देखना चाहिए। मैं भी न्यूकमर हूं। प्यार का पंचनामा रिलीज के वक्त हमें कोई जानता नहीं था। लेकिन वो फिल्म अच्छी थी, तो उसे दर्शकों का प्यार भी मिला। अगर आप ही अच्छी फिल्मों को सपोर्ट नहीं करेंगे, तो कोई अच्छी फिल्में बनाएगा ही नहीं। फिर दोबारा से आपको वैसा ही कॉन्टेंट परोसा जाएगा, जबकि आपकी उसमें रुचि नहीं होगी। तो मैं तो इस बदलाव के साथ हूं कि जो फिल्म अच्छी नहीं है, उसे रिजेक्ट करो।

बी श्रीनिवास ने हमें दिए इंटरव्यू में कहा था कि उनके लिए हिंदी में फिल्म करना एक नई बात है और हिंदी को समझने में आपने काफी कुछ मदद की। तो बताएं कि श्रीनिवास को किस तरह से आपने हिंदी में डायलॉग में मदद की?

दरअसल मुझे उन्हें मदद करने की जरूरत ही नहीं पड़ी। कम से कम फिल्म में तो ऐसी कुछ मदद नहीं करनी पड़ी। उन्होंने सारे रट्टे मार लिए थे। उन्हें आगे से पीछे तक की स्क्रिप्ट पता थी। तो हिंदी में डायलॉग के हिसाब से उनको बिलकुल भी समस्या नहीं हुई थी। लेकिन उसके अलावा श्रीनिवास को हिंदी में कुछ समझ नहीं आता था। तो हम जब सेट पर बातें करते रहते थे, तो वो सोचते थे कि क्या हो रहा है, क्या बात हो रही है। उस मामले में मैंने उनकी हेल्प की। मैं बताती थी कि लोग क्या बोल रहे हैं, क्या सिचुएशन है, क्या चल रहा है। सबसे बड़ी बात है कि बी श्रीनिवास लड़की के सामने कम बोलते हैं। फिल्म में भी आप देखेंगे कि वो लड़की के सामने कुछ नहीं बोलते हैं, बस शर्माते रहते हैं और लड़की बोलती रहती है। मुझे नहीं लगता कि हिंदी नहीं आती लेकिन वो जब बोलते हैं तो वो अलग साउंड जरूर करती है। वो दक्षिण भारत के स्टार हैं तो उनका एक्सेंट अलग समझ में आ जाता है। लेकिन उनके मुंह से वो एक्सेंट बहुत प्यारा भी लगता है। जैसे मैं जब हिंदी में बात करती हूं तो लोग कहते हैं कि आपकी हिंदी नॉर्थ इंडिया जैसी साउंड करती है, जबकि मेरा जन्म मुंबई में हुआ है।

जुबली और ताज की सक्सेस पर बोलीं अदिति राव हैदरी

हाल ही में अदिति राव हैदरी एक अवॉर्ड फंक्शन में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने अपने करियर और पर्सनल लाइफ के बारे में मीडिया से बात की। उन्होंने जूम से बात करते हुए बताया कि जुबली और ताज- डिवाइडेड बाय ब्लड जैसी वेब सीरीज में काम करने के बाद अब उन्हें ओटीटी की पकड़ का अंदाजा हुआ है। उन्होंने ये भी बताया कि कुछ समय पहले तक उनका मानना ये था कि सिर्फ बिग स्क्रीन पर आने वाली फिल्में ही अच्छा परफॉर्म कर सकती हैं। लेकिन, उन्हें इस बात की खुशी है कि वो गलत साबित हुईं। अदिति ने ओटीटी पर आने वाले कंटेंट की पहुंच के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा- अब काफी एक्टर्स ह्रअ्रअ्र को लेकर सीरियस हैं। नए लोग भी मीडियम की परवाह किए बगैर ही ओटीटी पर हाथ आजमाने को तैयार हैं क्योंकि अब हमें इसकी पहुंच और पकड़ का अंदाजा है।

लॉकडाउन की वजह से ओटीटी पर रिलीज हुई थी फिल्म

अदिति ने 2020 में मलयाली फिल्म सूफियम सुजातायुम के साथ ओटीटी डेब्यू किया था। उन्होंने कहा- मैंने मलयाली फिल्म में काम किया था, जो थिएटर के लिए बनाई गई थी। लेकिन, लॉकडाउन की वजह से फिल्म को ओटीटी पर रिलीज कर दिया गया। इस वजह से मैं काफी अपसेट थी। लेकिन, फिल्म को इतना पसंद किया गया कि रिलीज के बाद रातों-रात इससे जुड़ा कंटेंट वायरल होने लगा। ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी क्योंकि मलयालम इंडस्ट्री में किसी आउटसाइडर का जगह बनाना थोड़ा मुश्किल है। ओटीटी पर इस फिल्म को जो सक्सेस मिली, उसके बाद से मेरे मन से मीडियम का डर खत्म हो गया।

काम पसंद हो और तारीफ भी मिले तो मजा दोगुना हो जाता है

ताज- डिवाइडेड बाय ब्लड और जुबली को मिल रहे प्यार पर अदिति ने कहा- ताज में काम करना बेहतरीन अनुभव था। मुझे अब भी यकीन नहीं होता कि मुझे इन दोनों शोज के लिए इतना प्यार मिला। जब आपको कोई काम करना पसंद हो, और आपको उसे लेकर तारीफ भी मिल रही हो, तब काम करने का मजा दोगुना हो जाता है। ऑडियंस ने मुझे और मेरे काम को सराहा है, मुझे इस बात की खुशी है।

तमिल एक्टर सिद्धार्थ के साथ रिलेशनशिप पर फिर साधी चुप्पी

इसके अलावा अदिति ने तमिल एक्टर सिद्धार्थ सूर्यनारायण के साथ अपने रिलेशनशिप पर भी बात की। कुछ दिनों पहले अदीति-सिद्धार्थ ने 'टम-टम' गाने पर डांस करते हुए रील भी शेयर की थी। जब उनसे सिद्धार्थ के साथ रिलेशनशिप के बारे में पूछा गया तब उन्होंने शर्माते हुए अपने हाथ क्रॉस किए और मुंह बंद करने जैसा इशारा किया। अदिति और सिद्धार्थ पहली बार फिल्म महा समुद्रम के सेट पर मिले थे। इसके बाद कई बार उन्हें मुंबई में साथ लंच करते भी देखा गया। सिद्धार्थ ने जुबली का स्क्रीनिंग शो भी अटेंड किया था। वहीं, पिछले साल दोनों ए आर रहमान की बेटी के रिसेप्शन में भी साथ दिखे थे।

मनोज बाजपेयी ने की शाहरुख खान की तारीफ

बॉलीवुड एक्टर मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है को लेकर सुर्खियों में हैं। मनोज बाजपेयी इस फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। हाल ही में एक प्रमोशन इंटरव्यू के दौरान मनोज ने बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की तारीफ की। उन्होंने बताया कि वह शाहरुख खान को काफी सालों से जानते हैं। मनोज बाजपेयी ने कहा कि वह शाहरुख की बहुत इज्जत करते हैं। शाहरुख ने जैसे अपने आप को बनाया है, शायद ऐसा कोई नहीं कर पाएगा। यंग एज में ही शाहरुख के मां-बाप गुजर गए। उनके ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था, बावजूद इसके वे पीछे नहीं हटे। उन्होंने बिना निराश हुए खूब मेहनत की और अपनी अलग पहचान बनाई। मनोज बाजपेयी ने कहा, मुझे बहुत खुशी होती है उनको उस मुकाम पर देखकर, जिस तरह की दुनिया उन्होंने खड़ी की है अपने लिए। एक व्यक्ति जिसकी पूरी दुनिया उजड़ चुकी थी। 26 साल की उम्र में उसका पूरा परिवार जा चुका था। फिर उसने अपनी दुनिया खड़ी की, परिवार अपना क्रिएट किया, अपने लिए इतना बड़ा नाम, इज्ज़त बनाया। उन्होंने कहा, मैं इसलिए रिस्पेक्ट करता हूं, क्योंकि मैंने उनकी उजड़ती हुई दुनिया देखी है। मैं उनके उन दोस्तों में शामिल था, जिसने उनकी लाइफ के बुरे वक्त को देखा है। मेरे मन में उनके लिए कभी कोई कड़वाहट नहीं रही है। मनोज बाजपेयी ने कहा कि मैं और शाहरुख ज्यादा नहीं मिलते हैं, लेकिन जब मिलते हैं तो काफी अच्छे से मिलते हैं। हम दोनों की अपनी-अपनी दुनिया है। अभी हमारी ज्यादा मुलाकातें नहीं होतीं। हालांकि जब हम 19-20 साल के थे, तब हमने तकरीबन डेढ़ साल तक साथ काम किया था। हम दोनों अभी भी एक दूसरे की इज्जत करते हैं।

जॉन अब्राहम ने रवि तेजा की टाइगर नागेश्वर राव में किया वॉयसओवर

एक्शन स्टार जॉन अब्राहम रवि तेजा की अपकमिंग फिल्म टाइगर नागेश्वर राव के लिए वॉयसओवर आर्टिस्ट के तौर पर काम कर रहे हैं। डबिंग सेंशन की एक झलक साझा करते हुए, जॉन अब्राहम ने अपने ट्विटर प्रोफाइल पर एक वीडियो पोस्ट की और कैप्शन में लिखा- इस अद्भुत प्रोजेक्ट का एक छोटा सा हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। टाइगर नागेश्वर राव वीडियो का पहला लुक शानदार है! आशा है आप सभी इसे पसंद करेंगे। टीजर 24 मई को एक इवेंट में लॉन्च किया जाएगा। वामसी द्वारा अभिनीत फिल्म को द कश्मीर फाइल्स के निर्माता अभिषेक अग्रवाल द्वारा बैंकरोल किया गया है। टाइगर नागेश्वर राव फिल्म में नूपुर सनन, गायत्री भारद्वाज, अनुपम खेर, रेणु देसाई और जिशु सेनगुप्ता महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। पठान के हिट होने के बाद जॉन अब्राहम तेहरान की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है। इसे रितेश शाह और आशीष प्रकाश वर्मा ने लिखा है और दिनेश विजान, शोभना यादव और संदीप लेजेल द्वारा निर्मित है।

श्रेयस तलपड़े ने गोलमाल 5 को लेकर अपडेट

रोहित शेट्टी की गोलमाल फ्रेंचाइजी ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। इस फ्रेंचाइजी की 4 फिल्मों रिलीज हो चुकी हैं। फैंस गोलमाल 5 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रोहित गोलमाल 5 पर काम शुरू कर चुके हैं। बताया जा रहा है कि सिंघम अगेन की शूटिंग पूरी होते ही गोलमाल 5 की आधिकारिक घोषणा हो जाएगी। वहीं अब गोलमाल फ्रेंचाइजी में अहम भूमिका निभाने वाले एक्टर श्रेयस तलपड़े ने गोलमाल 5 को लेकर एक खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि ये फिल्म जल्द बनेगी। साथ ही उन्होंने बताया कि फिल्म गोलमाल 5 की कहानी सिर्फ निर्देशक रोहित शेट्टी को ही पता है। श्रेयस तलपड़े ने कहा कि जैसे फैंस को फिल्म गोलमाल 5 की रिलीज का इंतजार है, वैसे उन्हें भी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। उन्होंने कहा, सच कहूं तो सिर्फ फैंस ही नहीं, हम भी गोलमाल 5 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कोरोना के आने से ठीक पहले, रोहित शेट्टी और अजय देवगन ने घोषणा की थी कि हम गोलमाल के अगली पार्ट पर काम करेंगे। उन्होंने कहा, हालांकि दुर्भाग्य से कोविड आया और फिर चीजें बदल गईं। ईमानदारी से कहूं, तो हमें पता नहीं है कि इसकी कहानी क्या होगी। इसकी जानकारी सिर्फ रोहित को है। इसलिए एक बार जब वो हमें फोन करके बताएंगे, तो हम इसके बारे में और बात कर पाएंगे। लेकिन हां, फैंस की तरह हमें भी गोलमाल 5 का बेसब्री से इंतजार है। लेकिन मुझे यकीन है कि यह फिल्म जल्द बनेगी।

बॉलीवुड के राइजिंग स्टार सिद्धांत चतुर्वेदी ने फोर्ब्स एशिया की 30 अंडर 30 लिस्ट में बनाई जगह

भारतीय फिल्म इंडस्ट्री अपने प्रतिभाशाली अभिनेताओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने में बहुत गर्व महसूस करता है, और आज हम यहां सिद्धांत चतुर्वेदी की जीत का जश्न मना रहे हैं जिन्होंने फोर्ब्स एशिया की प्रतिष्ठित 30 अंडर 30 लिस्ट में अपनी जगह बनाई है। उत्तर प्रदेश के एक छोटे से शहर बलिया से आने वाले सिद्धांत ने अपने चार्म और बेहतरीन एक्टिंग स्किल्स से दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब हुए हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी की लोकप्रियता में उनकी डेडिकेशन, जुनून और अद्वितीय टैलेंट का खूब हाथ है। अपनी विनम्र शुरुआत से लेकर भारत के सबसे होनहार अभिनेताओं में से एक बनने तक, सिद्धांत की यात्रा किसी इंस्पिरेशन से कम नहीं रही हैं। अपनी हर भूमिका के साथ वह दर्शकों को बांधे रखते हैं और एक अमिट छाप छोड़ते हैं। फोर्ब्स एशिया 30 अंडर 30 लिस्ट उन व्यक्तियों को पहचानती है जिन्होंने अपने फील्ड में अहम योगदान दिया है, और सिद्धांत का फिल्म इंडस्ट्री में शामिल होना उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों को रेखांकित करता है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उनकी प्रतिभा पर रोशनी डालता है और न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में उनकी बढ़ती लोकप्रियता का सबूत भी पेश करता है। क्रिटिकली अक्लेम्ड फिल्म गली बॉय में एमसी शेर के रूप में अपनी सफल भूमिका के साथ सिद्धांत चतुर्वेदी ने सबके होश उड़ा दिए। एक स्ट्रीट रैपर के मेंटर के उनके किरदार ने आलोचकों और दर्शकों से समान रूप से तारीफ हासिल की, जिसके लिए उन्हें कई अवॉर्ड्स और नॉमिनेशन्स भी मिले। उनकी गतिशील ऑन-स्क्रीन उपस्थिति और उनके कैरेक्टर्स में गहराई लाने की क्षमता ने उन्हें फिल्मी जगत में एक ताकत बना दिया है।

2000 रुपये के नोट की विदाई से छोटे दुकानदार खुश, बड़े कारोबारियों की आफत

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने जब आठ नवंबर, 2016 को नोटबंदी की घोषणा की थी तो उससे ट्रेडर्स और आम लोगों में अफरातफरी फैल गई थी। लेकिन इस बार 2000 रुपये का नोट वापस लेने की घोषणा से मिलाजुला रिएक्शन देखने को मिल रहा है। बड़े ट्रेडर्स परेशान हैं क्योंकि उनके पास ज्यादातर 2000 रुपये के ही नोट हैं। लेकिन छोटे कारोबारी और रिटेलर खुश हैं। उन्हें लग रहा है कि आरबीआई के इस फैसले से उनके बिजनस में बूम आ सकता है। छोटे कारोबारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स का कहना है कि 2000 रुपये का नोट वापस लेने के आरबीआई के फैसले से छोटे दुकानदारों और रिटेलर्स पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन उन लोगों पर जरूर असर होगा जिनके पास भारी मात्रा में कैश है।

बिजनस टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक रिटलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सीईओ कुमार राजगोपालन ने कहा कि 2016 की नोटबंदी के उलट ज्यादातर दुकानदार 2000 रुपये का नोट ले रहे हैं। इसकी वजह यह है कि आरबीआई ने साफ कहा है कि 2000 रुपये का नोट 30 सितंबर तक वैध रहेगा। इसलिए अगर कोई ग्राहक 2000 रुपये के नोट से खरीदारी कर रहा है

तो दुकानदारों को उसे लेने में कोई दिक्कत नहीं है। कुछ मामलों में दुकानदार 2000 रुपये के नोट का छुट्टा देने से इन्कार कर रहे हैं। दिल्ली के खान मार्केट एसोसिएशन के प्रेजिडेंट संजीव मेहरा ने कहा कि जिन लोगों के पास 2000 रुपये का नोट है, वे इससे खरीदारी करेंगे। ऐसी स्थिति में बिजनस में कुछ बूम देखने को मिल सकता है।

राजगोपालन ने कहा कि पिछले कुछ साल में कैश ट्रांजैक्शंस में कमी आई है लेकिन रिटेलर्स को टोटल टर्नओवर में 25 से 40 फीसदी हिस्सा कैश का है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपका बिजनस किस तरह का है। सीएआईटी का कहना है कि 2000 रुपये का नोट वापस लिए जाने से देश में डिजिटल एडॉप्शन बढ़ेगा। संगठन ने एक बयान में कहा कि यह लोगों को रोजमर्रा की खरीदारी में डिजिटल पेमेंट्स के लिए प्रोत्साहित करेगा। 2016 की नोटबंदी में 500 और 1000 रुपये के नोट रातोंरात इनवैलिड हो गए थे। लेकिन इस बार 2000 रुपये के नोट को इनवैलिड नहीं किया गया है।

2000 के नोट बदलने को 15 प्रतिशत तक महंगा सोना खरीद रहे लोग, कारोबार पर असर नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। दो हजार के नोट को चलन से बाहर करने के केंद्रीय बैंक के फैसले के बाद अब लोग इसको घरों से निकालने लगे हैं। हालात यह है कि देशभर में लोग 10-15 फीसदी महंगे भाव पर सोना खरीद रहे हैं। 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम का सोना इस समय 65-70 हजार के भाव पर बिक रहा है। गुजरात, मुंबई, कोलकाता से लेकर हर शहरों में यही हाल है। जूलरी संगठनों के मुताबिक, पिछले दो दिनों में अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) नियमों के कारण 2,000 रुपये के नोटों के बदले सोने की वास्तविक खरीद कम रही है। हालांकि, कुछ जूलर्स दो हजार के नोट से खरीदे जाने वाले सोने पर 10-15 फीसदी ज्यादा भाव ले रहे हैं। पीएनजी ज्वेलर्स के चेयरमैन सौरभ गाडगिल ने कहा, यह काम सिर्फ असंगठित क्षेत्र के कारोबारी कर रहे हैं।?संगठित क्षेत्र के कारोबारी यह काम नहीं कर सकते।

ग्राहकों की ओर से पूछताछ में काफी तेजी : ऑल इंडिया जेम्स एंड जूलरी डोमेस्टिक काउंसिल के चेयरमैन सैयम मेहरा ने कहा, 2,000 के नोटों के बदले सोना या चांदी खरीदने को लेकर काफी पूछताछ की जा रही है। इसलिए शनिवार को ज्यादा ग्राहक शोरूम में दिखे।हालांकि, सख्त केवाईसी नियमों के कारण वास्तविक खरीदी कम रही है।

कारोबार पर असर नहीं : कारोबारियों ने कहा, ग्राहकों का रुझान अब डिजिटल की ओर अधिक है। इसलिए, 2,000 रुपये के नोटों को वापस लेने से जूलरी कारोबार पर कोई असर नहीं होगा।

सरकारी बैंकों का मुनाफा बीते वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ रुपए के पार

नई दिल्ली एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का मुनाफा बीते वित्त वर्ष (2022-23) में सामूहिक रूप से बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। इसमें लगभग आधी हिस्सेदारी देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की रही। पीएसबी के वित्तीय परिणामों के विश्लेषण से पता चलता है कि पिछले कुछ साल में बैंकों ने लंबा रास्ता तय किया है। पीएसबी ने 2017-18 में 85,390 करोड़ रुपए का कुल शुद्ध घाटा दर्ज करने के बाद 2022-23 में 1,04,649 का मुनाफा कमाया है। इन 12 सरकारी बैंकों का मुनाफा 2021-22 के 66,539.98 करोड़ रुपए की तुलना में 57 प्रतिशत बढ़ा है। प्रतिशत में देखें तो पुणे के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का मुनाफा सबसे अधिक 126 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,602 करोड़ रुपये रहा है। इसके बाद यूको ने 100 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,862 करोड़ रुपए और बैंक ऑफ बड़ौदा ने 94 प्रतिशत के साथ 14,110 करोड़ रुपये मुनाफा कमाया है। कुल मिलाकर एसबीआई का सालाना लाभ 59 प्रतिशत वृद्धि के साथ बीते वित्त वर्ष में 50,232 करोड़ रुपए रहा है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) को छोड़कर अन्य पीएसबी ने शुद्ध लाभ में प्रभावी वृद्धि दर्ज की। पीएनबी का शुद्ध लाभ 2021-22 के 3,457 करोड़ रुपए से 27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,507 करोड़ रुपए रहा है। आंकड़ों के अनुसार, 10,000 करोड़ रुपए से ज्यादा सालाना लाभ कमाने वाले सरकारी बैंकों में बैंक ऑफ बड़ौदा (14,110 करोड़ रुपए) और केनरा बैंक (10,604 करोड़ रुपए) भी शामिल हैं।

अमित शाह ने गांधीनगर में अमूल संयंत्र में उन्नत जैविक प्रयोगशाला का उद्घाटन किया

अहमदाबाद, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के गांधीनगर में अमूलफेड डेयरी में उन्नत जैविक परीक्षण प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। अमूल ब्रांड के अंतर्गत उत्पाद बेचने वाले गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) की इकाई अमूलफेड डेयरी में स्थित अत्याधुनिक प्रयोगशाला यह सत्यापित करेगी कि 'जैविक' लेबल वाले खाद्य पदार्थ प्रमाणिक हैं या नहीं। इससे पता लगेगा कि खाद्य पदार्थों की खेती के दौरान कृत्रिम उर्वरकों, कीटनाशकों और अन्य रसायनों का इस्तेमाल तो नहीं किया गया है। जीसीएमएमएफ ने एक बयान में कहा कि जैविक परीक्षण करने और जैविक उत्पादकों का समर्थन करने के लिए सहकारी संस्था द्वारा यह पहली समर्पित प्रयोगशाला है। भारत में जैविक खाद्य उत्पादों की बढ़ती मांग के कारण ऐसी उन्नत सुविधाओं की आवश्यकता है। विज्ञप्ति के अनुसार जैविक भोजन का उत्पादन सिंथेटिक उर्वरकों, कीटनाशकों और अन्य रसायनों के उपयोग के बिना किया जाता है।

बड़ी संख्या में भारतीयों को करना पड़ता है ऑनलाइन यात्रा घोटालों का सामना: रिपोर्ट

नई दिल्ली एजेंसी। कोविड महामारी के बाद देश में पर्यटन बढ़ने के साथ ही ऑनलाइन यात्रा घोटालों की संख्या भी बढ़ रही है। रविवार को जारी एक रिपोर्ट में बताया गया कि बड़ी संख्या में भारतीय यात्रियों को बुकिंग करते समय छूट के नाम पर ठगा गया है। मैकैफी कॉरपोरेशन की 'सेफर हॉलीडेज यात्रा रिपोर्ट के अनुसार सर्वे में शामिल लगभग 51 प्रतिशत भारतीय यात्रा के लिए बुकिंग करने के दौरान रुपए बचाने की कोशिश में ऑनलाइन घोटालों का शिकार हुए। रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि ठगी के शिकार 77 प्रतिशत लोग यात्रा शुरू होने से पहले ही 1,000 डॉलर (83,000 रुपए) तक गंवा चुके थे। यह रिपोर्ट सात देशों के 7,000 लोगों पर किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। इसमें भारत से 1,010 लोगों ने भाग लिया था। रिपोर्ट में खुलासा किया गया कि भारत में छुट्टियों के लिए यात्रा पर जाने वाले 66 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वह इस वर्ष देश के अंदर ही यात्रा करेंगे जबकि 42 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय यात्रा करेंगे।

क्रूड ऑयल की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिर आया उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रूड ऑयल की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी देखी जा रही है। कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर बढ़ी हैं।इस दौरान डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल की कीमत 0.35 फीसदी चढ़कर 71.44 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। वहीं ब्रेंड क्रूड ऑयल की कीमत 0.40 फीसदी चढ़कर 75.30 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इस बीच तेल कंपनियों ने भी पेट्रोल-डीजल के नए रेट जारी कर दिए हैं। हालांकि आज यानी सोमवार को भी पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। तेल कंपनियों ने 22 मई 2023 को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर रखी हैं। इस तरह आज लगातार 366वां दिन है जब देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

आज सोमवार को देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार को पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। इसके अलावा चेन्नई में पेट्रोल का भाव 102.63 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल का भाव 94.24 रुपए प्रति लीटर है। वहीं, कोलकाता में सोमवार को पेट्रोल 106.03 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। नोएडा में सोमवार को पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। गुरुग्राम में पेट्रोल 97.18 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90.05 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। इसके अलावा चंडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपए और डीजल 84.26 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। वहीं, लखनऊ में पेट्रोल का भाव 96.57 रुपए और डीजल की कीमत 89.76 रुपए प्रति लीटर है।

मंदिर में खींचते थे लोगों की फोटो, आज खड़ी कर दी 6500 करोड़ की कपंनी, इन्टेक्स के नरेंद्र बंसल की कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। कहते हैं कि कि अगर किसी चीज को दिल से चाहो और उसे पाने की कोशिश करते रहो तो सफलता जरूर मिलती है। ये कहावत इनटैक्स टैक्नोलाजीज के फाउंडर नरेंद्र बंसल पर सटीक बैठती है। एक वक्त था जब उनके पास पढ़ाई का खर्च उठाने के भी पैसे नहीं थे। अपनी पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए वो ऑडियो-वीडियो कैसेट बेचते थे। मंदिर में लोगों की फोटो खींची और उन तस्वीरों को रिंग में चिपकाकर बेचते थे। आज उनकी कोशिशों का नतीजा है कि कुछ ही सालों में उनकी कंपनी इंटेक्स 6500 करोड़ की कंपनी बन गई।

इंटेक्स टेक्नोलॉजीज भारत की टॉप मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बनाने वाली कंपनियों में से एक है। इस कंपनी की नींव किसी कारोबारी घराने ने नहीं रखी, बल्कि इसकी शुरुआत दिल्ली के चांदनी चौक के एक छोटे से दुकान से हुई। कंपनी के मालिक नरेन्द्र बंसल कभी दिल्ली के बिड़ला मंदिर में लोगों की फोटो खींचते थे। उन तस्वीरों को चाभी के छल्ले में चिपकाकर बेचा करते थे। इस कमाई से वो अपनी पढ़ाई का खर्च उठाते थे। फिर उन्होंने कैसेट बेचना का काम शुरू किया। पढ़ाई के साथ-साथ वह ऑडियो-वीडियो कैसेट बेचते थे।

नरेंद्र बंसल हमेशा से अपना काम, अपना कारोबार करना चाहते थे। इसी चाहत में उन्होंने दिल्ली के चांदनी चौक के नया बाजार में कॉर्डलेस फोन का बिजनेस शुरू किया। इस काम में कुछ अच्छा मुनाफा नहीं हुआ। उन्होंने फौरन इस काम को बंद कर दिया । नरेंद्र भांप गए थे कि आगे चलकर आईटी में देश बहुत तरक्की करने वाला है। इसी को फोकस करते हुए उन्होंने दिल्ली के नेहरू प्लेस में फ्लॉपी डिस्क और कंप्यूटर से जुड़ी अन्य एक्सेसरीज़ बेचना शुरू कर दिया। नेहरु प्लेस मार्केट में किराए पर छोटी सी दुकान ली। पहले ही साल में उन्हें अच्छा मुनाफा हुआ। इस काम में उन्हें अच्छा मुनाफा हुआ। उन्होंने अपने बिजनेस का बढ़ाने का फैसला लिया और साल 1992 में नेहरु प्लेस में एक छोटी सी दुकान ले ली। इस दुकान में उन्होंने कंप्यूटर असेंबल करने का काम शुरू किया। नरेंद्र ताइवान और हांगकांग से सस्ता माल लाकर यहां उसे असेंबल करते बेचते थे। इसी दुकान से उन्होंने साल 1993 में इंटरनेशनल इनप्रेक्स नाम की कंपनी की शुरुआत की। साल 1996 में उन्होंने इंटेक्स टेक्नोलॉजीज की नींव रखी। उन्होंने अपनी इस कंपनी के जरिए चीन और कोरिया के मैन्युफैक्चरर्स और होलसेलर्स से सीधे संपर्क किया। चीन, ताइवान, कोरिया जैसे देशों से सामान लाकर यहां सेल करने में उनका मुनाफा बढ़ता चला गया। पहले साल में ही उनका मुनाफा 30 लाख रुपये रहा। उन्होंने स्पीकर, होम थिएटर, डीवीडी प्लेयर बनाकर बेचने शुरू किए। आज उनकी कंपनी 6500 करोड़ की हो चुकी है। दिल्ली में उनकी कंपनी का हेडऑफिस है। उन्होंने कंपनियों के प्रोजक्ट दूसरी कंपनियों के मुकाबले सस्ते थे, जो इसके बिजनेस हिट होने की बड़ी वजह रहा। आज उन्होंने आईपीएल की टीम गुजरात लॉयंस खरीद लिया है। उनके बेटे केशव बंसल कंपनी की मार्केटिंग देखते हैं।

नरेन्द्र बंसल मूल रूप से राजस्थान में हनुमानगढ़ के रहने वाले हैष उनकी पढ़ाई-लिखाई सब गांव से हुई है। काम-धंधे के लिए साल 1980 में उनका परिवार दिल्ली में बस गया। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया।

किसानों की सब्जी कौड़ी के भाव..., फुटकर में बेच रहे 10-15 गुना महंगी

मेरठ, एजेंसी। मेरठ की नवीन सब्जी मंडी में किसानों का टमाटर, शिमला मिर्च, लोकी और पेठा थोक में दो से पांच रुपये किलो में बिक रहा है। वहीं फुटकर में ये सब्जियां 10 से 15 गुना अधिक रेट में बिक रही हैं। किसानों की लागत भी नहीं निकल रही। इससे वह परेशान हैं। लावड़ के सुंदर, खरखौदा के मदन सैनी, फलावदा के किसान महेश ने बताया कि टमाटर सस्ता होने के कारण रविवार

को काफी किसान ऐसे ही छोड़कर चले गए। किराया भी नहीं निकल रहा। साथ ही गर्मी में टमाटर जल्दी खराब होता है। वहीं शहर में सब्जियां महंगी बेची जा रही हैं। शहर की गली मोहल्लों में टमाटर 20 रुपये किलो और शिमला मिर्च 30 रुपये किलो बेची जा रही हैं। लोकी भी 20 से 25 रुपये किलो में रसोई तक पहुंच रही है। पैठा 15 रुपये किलो, बैंगन 25 रुपये किलो, भिंडी 40 रुपये किलो, करेला 40 रुपये किलो तक बेचा जा रहा है। स्थानीय हरी सब्जियों की मंडी में भरमार है। टमाटर जैसी सब्जियां गर्मी में दूसरे दिन ही खराब हो जाती हैं। टमाटर की अच्छी फसल है। खपत कम होने के कारण रेट कम मिल रहे हैं। ऐसा ही हाल अन्य स्थानीय सब्जियों का है। फुटकर विक्रेता अपनी सब्जी के कई दाम रखते हैं। कारण है कि वह थोक में खरीदी गई सब्जी को कई ग्रेड में बांटते हैं। उसी के आधार पर रेट भी निर्धारित करते हैं।

एफएमसीजी विनिर्माताओ को 2023-24 में बिक्री, मुनाफे में सुधार की उम्मीद, घट सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली एजेंसी। भारत की प्रमुख एफएमसीजी (रोजमर्रा की घरेलू वस्तुओं) कंपनियां कोविड महामारी के बाद अब सामान्य वृद्धि चक्र में लौट चुकी हैं और उन्होंने निवेश बढ़ाने के साथ ही विज्ञापन और विपणन पर खर्च भी बढ़ाया है। एफएमसीजी कंपनियां बिक्री और मुनाफे में सुधार और ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे प्रदर्शन से उत्साहित हैं। एफएमसीजी कंपनियां कुछ तिमाहियों के बाद अब फिर बिक्री में बढ़ोतरी देख रही हैं। मुद्रास्फीति का दबाव कम होने के बाद साबुन से लेकर खाने-पीने की चीजों के वजन को बढ़ाया जा रहा है और कीमतों में कटौती की जा रही है। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल), डाबर, मैरिको, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, आईटीसी, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और नेस्ले ने मार्च तिमाही में बिक्री में सुधार दर्ज किया। इन कंपनियों का कहना है कि उन्हें चालू वित्त वर्ष में धीरे-धीरे वृद्धि की उम्मीद है। मैरिको के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी सौगत गुप्ता ने कंपनी के एक कार्यक्रम में कहा, लगातार सुधार की उम्मीद मजबूत हुई है। पांच तिमाहियों तक बिक्री में गिरावट के बाद इस क्षेत्र ने वृद्धि दर्ज की। सफोला, पैराशूट और लिवॉन जैसे लोकप्रिय ब्रांड की मूल कंपनी मैरिको का मार्च, 2023 तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 18.7 प्रतिशत वृद्धि के साथ 305 करोड़ रुपए रहा, जबकि बिक्री 3.65 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2,240 करोड़ रुपए रही। एचयूएल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुधार दिखा है। एचयूएल की बिक्री में गिरावट जारी है लेकिन यह पिछली तिमाहियों के मुकाबले कम है। एचयूएल का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 12.74 प्रतिशत वृद्धि के साथ 2,601 करोड़ रुपए रहा। शुद्ध बिक्री 10.83 प्रतिशत वृद्धि के साथ 14,926 करोड़ रुपए रही।

पांच वजहें...जो पीपीएफ में निवेश से करती हैं दूर, छोटे निवेशकों को लाभ पहुंचाने के लिए पेश की गई थी योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। लंबी अवधि की बचत योजनाओं में पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) निवेशकों के बीच काफी लोकप्रिय है। इस सरकारी योजना में लगाए गए पैसे सुरक्षित रहते हैं और रिटर्न की गारंटी रहती है।

वर्तमान में इसमें निवेश पर 7.1 फीसदी की दर से ब्याज मिल रहा है। इसे वरिष्ठ नागरिक सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र जैसी अन्य बचत योजनाओं के साथ पेश किया गया है। इसका मकसद छोटे निवेशकों को लाभ पहुंचाना है। पीपीएफ में न्यूनतम 500 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। इन खूबियों के बावजूद पांच ऐसी वजह हैं, जो निवेशकों को पीपीएफ में निवेश से दूर करती हैं।

लोग कर बचाने के लिए पीपीएफ में निवेश करते हैं। लेकिन, इसमें कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) के मुकाबले कम ब्याज मिलता है। ईपीएफ पर 8.15 फीसदी ब्याज है, जबकि पीपीएफ पर 7.1 फीसदी। वेतनभोगी बेहतर रिटर्न व कर बचत के लिए वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड (वीपीएफ) में निवेश कर सकते हैं। लंबी लॉक-इन अवधि... पीपीएफ खाते की लॉक-इन अवधि 15 साल है, जो काफी लंबा समय होता है। लंबी अवधि में निवेश पर अधिक रिटर्न कमाने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश कर सकते हैं। अधिकतम निवेश सीमा कम... पीपीएफ में अधिकतम 1.50 लाख रुपये निवेश कर सकते हैं। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों से इसकी अधिकतम निवेश सीमा में कोई बदलाव नहीं किया है। वीपीएफ में बिना अतिरिक्त कर के वेतन से 2.50 लाख तक निवेश कर सकते हैं। समय से पूर्व निकासी सख्त... पीपीएफ में खाता खोलने के वर्ष को छोड़कर पांच साल के बाद हर वित्त वर्ष में एक बार ही निकासी कर सकते हैं। समय पूर्व निकासी पांच साल के बाद ही संभव है। इसमें भी कई शर्तें हैं और निकासी पर एक फीसदी ब्याज लगता है। पीपीएफ खाते को समय से पहले बंद करने की कड़ी शर्तें हैं। पति-पत्नी या आश्रित बच्चों को जानलेवा बीमारी होने पर ही खाताधारक पीपीएफ खाता बंद करा सकता है। बच्चों को उच्च शिक्षा या रेसिडेंस स्टेटस बदलने पर भी खाता बंद करा सकते हैं।

देना पड़ सकता है एक फीसदी ब्याज

आप समय से पहले पीपीएफ खाता बंद करना चाहते हैं तो खाता खोलने की तारीख से एक फीसदी ब्याज देना पड़ सकता है। हालांकि, पीपीएफ उन लोगों के लिए निवेश और कर बचाने का सबसे बड़ा साधन है, जो वेतनभोगी नहीं हैं। -रत्नेश सिंह, निवेश एवं बीमा विशेषज्ञ

आज पहला क्वालिफायर गुजरात-चेन्नई के बीच

● सीएसके नंबर 2 रहकर 3 बार चैंपियन बनी ● मुंबई 10वीं बार प्लेऑफ में, लखनऊ से एलिमिनेटर खेलेगी

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 51 दिन और 70 मैचों के बाद प्लेऑफ की 4 टीमें मिल चुकी हैं। लीग स्टेज खत्म होने के बाद गुजरात टाइटंस (जीटी) पहले, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) दूसरे, लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) तीसरे और मुंबई इंडियंस (मुंबई) पॉइंट्स टेबल में चौथे नंबर पर रहीं।

जीटी और सीएसके के बीच 23 मई को क्वालिफायर-1, वहीं एलएसजी और मुंबई के बीच 24 मई को एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। दोनों मैच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में होंगे। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई अब तक खेले 14 सीजन में 12वीं बार प्लेऑफ में पहुंची। 10वीं बार टॉप-4 में फिनिश करने वाली मुंबई 5 बार की चैंपियन है। वहीं डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात और लखनऊ 2022 में पहली बार शामिल होने के बाद लगातार दूसरे सीजन के प्लेऑफ में पहुंचीं।

गुजरात टाइटंस 7 प्लेऑफ में 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड

हार्दिक पंड्या की कप्तान वाली गुजरात टाइटंस 20 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रही है। टीम ने 14 में से 10 मुकाबले जीते और केवल 4 ही गंवाए। 2022 से पहली बार आईपीएल में शामिल की गई टाइटंस लगातार दूसरे सीजन के प्लेऑफ में पहुंची। टीम ने पिछले साल फाइनल तक का सफर तय करते हुए ट्रॉफी भी जीती थी। पिछले सीजन भी टीम ने 10 मैच जीते थे और इस बार भी उन्हें इतने ही मुकाबलों में जीत मिली। 2022 में जीटी ने क्वालिफायर-1 और फाइनल में राजस्थान रॉयल्स को हराकर ट्रॉफी उठाई थी। यानी टीम ने प्लेऑफ में कुल 2 मैच खेले हैं और दोनों में ही उन्हें जीत मिली। इस तरह टीम का प्लेऑफ मैच जीतने का रिकॉर्ड 100 प्रतिशत है।

चेन्नई सुपर किंग्स 7 रिकॉर्ड 12वीं बार प्लेऑफ में पहुंचे

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) इस बार 17 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में नंबर-2 पर रही। टीम ने 14 में से 8 मैच जीते, 5 हारे और एक बेनतीजा मुकाबला खेला। 2008 से आईपीएल खेल रही चेन्नई रिकॉर्ड 12वीं बार प्लेऑफ में पहुंची। 12 प्लेऑफ में भी टीम 9 बार फाइनल में पहुंची और 4 बार ट्रॉफी भी उठाई। टीम ने टूर्नामेंट के ओवरऑल 16 में से 14 सीजन खेले हैं। 2016 और 2017 में 2 साल के लिए मैच फिक्सिंग और बेटिंग से जुड़े मामलों के कारण सीएसके बैन कर दी गई थी। सीएसके टूर्नामेंट में केवल 2 ही बार 2020 और 2022 के सीजन में टॉप-4 फिनिश नहीं कर सकी।

मुंबई के खिलाफ किया है शानदार प्रदर्शन

चेन्नई के मैदान पर 24 मई के एलिमिनेटर में एलएसजी का सामना 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस से होगा। दोनों प्लेऑफ में तो पहली बार ही आमने-सामने होंगी। लेकिन लीग स्टेज में दोनों टीमों के बीच 3 मैच खेले गए और तीनों में लखनऊ को जीत मिली। इनमें 2 मुकाबले मुंबई और एक लखनऊ में खेला गया। यानी दोनों टीमें पहली बार ही चेपॉक स्टेडियम में भी आमने-सामने होंगी।

सीएसके ने प्लेऑफ के 62.5 प्रतिशत मैच जीते

अब तक सीएसके ने प्लेऑफ के 11 सीजन में 24 मुकाबले खेले। 15 में उन्हें जीत और 9 में हार मिली। यानी प्लेऑफ में उन्होंने 62.5 प्रतिशत मैच जीते हैं। 2009 और 2014 ही ऐसे सीजन रहे, जब टीम टॉप-4 में फिनिश करने के बावजूद फाइनल में नहीं पहुंच सकी। टीम ने 2008, 2012, 2013, 2015 और 2019 के फाइनल हारे। वहीं 2010, 2011, 2018 और 2021 में सीएसके चैंपियन बनी हैं।

एक अहम बात ये भी है कि 2011 में पहली बार प्लेऑफ सिस्टम शुरू होने के बाद चेन्नई ने तीनों ट्रॉफी लीग स्टेज में नंबर-2 पर फिनिश करने के बाद ही जीती। 2010 में टीम नंबर-3 पर रहकर चैंपियन बनी थी, लेकिन तब सेमीफाइनल सिस्टम हुआ करता था।

वहीं 2009 और 2019 में टीम नंबर-2 पर लीग स्टेज फिनिश करने के बाद भी ट्रॉफी नहीं उठा सकी। 2009 में उन्हें आरसीबी ने सेमीफाइनल हराया था, वहीं 2019 के फाइनल में टीम को मुंबई के खिलाफ एक रन की हार झेलनी पड़ी थी। यानी सीएसके ने कुल 5 बार पॉइंट्स टेबल में नंबर-2 पर रहने के बाद 4 फाइनल खेले और 3 बार ट्रॉफी भी उठाई। इस बार भी टीम ने नंबर-2 पर ही लीग स्टेज फिनिश किया है।

लखनऊ सुपरजायंट्स 7 आरसीबी से हारे थे पिछले साल

क्रुणाल पंड्या की कप्तानी वाली लखनऊ सुपरजायंट्स अपने आखिरी मैच को जीतकर प्लेऑफ में पहुंची। टीम लीग स्टेज में 17 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर रही। उन्होंने 14 में से 8 मैच जीते, 5 हारे और एक बेनतीजा खेला। गुजरात की तरह 2022 से पहली बार आईपीएल में शामिल की गई सुपरजायंट्स भी लगातार दूसरे सीजन के प्लेऑफ में पहुंची। पिछले सीजन एलएसजी एलिमिनेटर में आरसीबी से हारकर फाइनल की रेस से बाहर हो गई थी। तब भी टीम तीसरे नंबर पर ही रही थी, लेकिन उस बार टीम ने 9 मैच जीते थे और इस बार मुकाबले 8 जीते हैं। कुल मिलाकर कहें तो एलएसजी इससे पहले एक ही बार प्लेऑफ में पहुंची, टीम ने एक मैच खेला, लेकिन उसमें भी उन्हें हार ही मिली। यानी प्लेऑफ के मैचों में एलएसजी को अब भी पहली जीत की तलाश है।

वर्ल्ड कप अंडर -20 में इटली ने ब्राज़ील और जापान ने सेनेगल को हराया

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। अंडर-20 विश्व कप फुटबॉल में खिताब के दो मजबूत दावेदारों ब्राजील और सेनेगल को रविवार को यहां अपने शुरुआती मैचों में ही हार का सामना करना पड़ा। खिताब के प्रबल दावेदार ब्राजील को इटली ने 3-2 से हराया जबकि जापान ने सेनेगल को 1-0 से उलटफेर का शिकार बनाया। नाइजीरिया और कोलंबिया ने भी अपने मैच जीते लेकिन उनका सामना कमजोर टीमों से था।

नाइजीरिया ने डोमिनिका गणराज्य को 2-1 से हराया जबकि कोलंबिया ने इजरायल को इसी अंतर से पराजित किया। इटली ने ग्रुप डी के इस मैच में शुरू में ब्राजील पर दबदबा बनाया और एक समय वह 3-0 की बढ़त पर था। उसकी तरफ से मेटियो प्राटी ने 11वें मिनट में पहला गोल किया जबकि सेसरे कासादेई ने इसके बाद 27वें और 35वें मिनट में गोल किए। ब्राजील की तरफ से मार्कोस लिएंड्रो ने 72वें और 87वें मिनट में गोल किए लेकिन इससे वह हार का अंतर ही कम कर पाए। सेनेगल के खिलाफ ग्रुप सी के मैच में जापान की तरफ से स्ट्राइकर कुरयू मात्सुकी ने 15वें मिनट में गोल दागा जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

लोग सोचते हैं कि मेरा टी-20 क्रिकेट गिर रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है : कोहली

नईदिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) भले ही आईपीएल 2023 के प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई हो, लेकिन विराट कोहली ने अपने प्रदर्शन से आलोचकों के मुंह बंद कर दिए हैं। खासकर उन लोगों के जो यह मानते हैं कि कोहली का करियर अंतिम पड़ाव पर है। कोहली ने आखिरी लीग मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 61 गेंदों में नाबाद 101 रन बनाए। यह उनका सीजन में लगातार दूसरा शतक रहा। कोहली ने शतकीय पारी खेलने के बाद आलोचकों पर निशाना साधते हुए साफ कहा कि उनका टी20 करियर बहुत पड़ा हुआ है।

कोहली ने कहा, शतक लगाकर मुझे बहुत अच्छा लगा। बहुत से लोग सोचते हैं कि मेरा टी20 क्रिकेट गिर रहा है, लेकिन मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगता। मुझे लगता है कि मैं फिर से अपना सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेट खेल रहा हूं।÷ कोहली के शतक की मदद से आरसीबी ने गुजरात के सामने 198 का लक्ष्य रखा था। लेकिन शुबमन गिल के 104 रनों के कारण आरसीबी मैच हार गया।

कोहली ने आईपीएल 2023 में लगातार 2 शतक लगाने का काम किया। कोहली ने कहा, मैं बस खुद को एंजॉय कर रहा हूं। मैं इसी अंदाज से टी20 क्रिकेट खेलता हूं। मैं गैप्स हिट करना चाहता हूं, बहुत सारी बाउंड्री हिट करना चाहता हूं और अगर जरूरत पड़े तो फिर अंत में बड़े शॉट लगाने की कोशिश करता हूं। बता दें कि कोहली टी20 करियर में 12,000 रन पूरे करने से बेहद करीब हैं। आईपीएल, अंतरराष्ट्रीय और सभी तरह की टी20 को मिलाकर कोहली ने 374 टी20 मैचों में 41.40 की औसत और 133.35 के स्ट्राइक रेट से 11,965 रन बनाए लिए हैं, जिसमें 8 शतक और 91 अर्धशतक शामिल हैं।

मौजूदा पिचों को देखकर वापसी करने की सोच रहे हैं सचिन और लारा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने आखिरी लीग मैच में 200 रन बनाने के बावजूद दो ओवर शेष रहते हार का सामना करने वाली सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच ब्रायन लारा ने कहा कि यहां पिच बल्लेबाजी के लिए इतनी आसान थी कि वह और दिग्गज सचिन तेंदुलकर फिर से खेल में वापसी करना चाहते हैं।

लारा ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''यह काफी सपाट है। मैं बस सचिन से बात कर रहा था और हम सोच रहे थे कि हम भी ऐसी पिच पर वापसी करना पसंद करेंगे। हमेशा यह स्थिति बनी रहती है कि जो भी टॉस जीतेगा वह लक्ष्य का पीछा करना पसंद करेगा क्योंकि आप नहीं जानते कि ऐसी पिचों पर प्रतिस्पर्धी स्कोर क्या होगा। वेस्टइंडीज के इस पूर्व महान खिलाड़ी ने कहा, ''आज उन्होंने हमारे खिलाफ मन मुताबिक रन बनाये।

विवरांत ने तोड़ा 15 साल पुराना रिकॉर्ड, डेब्यू में खेल डाली बड़ी पारी

मुंबई (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज विवरांत शर्मा ने 15 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए आईपीएल में नया इतिहास रच दिया है। दरअसल, विवरांच आईपीएल डेब्यू में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। जम्मू-कश्मीर के रहने वाले विवरांत शर्मा ने रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ यह मुकाम हासिल किया। सनराइजर्स हैदराबाद ने पांच विकेट के नुकसान पर 200 रन का लक्ष्य रखा। शर्मा ने 47 गेंदों पर 69 रनों का योगदान दिया, जिसमें नौ चौके और दो छक्के शामिल हैं।

भारत की शीर्ष एकदिवसीय घरेलू प्रतियोगिता विजय हजारे ट्रॉफी में जम्मू और कश्मीर के लिए खेला वह 2022 में खेल चुके हैं, जहां वह अपनी टीम के लिए टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जिन्होंने एक शतक और दो अर्द्धशतक के साथ 56.42 की औसत से 395 रन बनाए। राजस्थान रॉयल्स के स्वप्निल असनोडकर ने 2008 में जयपुर में केकेआर के खिलाफ 60 रन बनाए थे। उन्होंने 15 साल तक आईपीएल की शुरुआत में एक भारतीय खिलाड़ी द्वारा सर्वोच्च स्कोर रिकॉर्ड कायम रखा था। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में गोवा और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेला।

लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच गौतम गंभीर ने 2008 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 58 रन बनाए थे, जब वह अपने आईपीएल डेब्यू में दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए खेल रहे थे। 22 वर्षीय देवदत्त पडिक्कल, जो वर्तमान में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं, ने 2020 में दुबई में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए डेब्यू पर 56 रन बनाए।

डेब्यू में बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय

69- विवरांत शर्मा -मुंबई, 2023
60- स्वपनिल असनोदकर -जयपुर, 2008
58*- गौतम गंभीर -दिल्ली, 2008
56- देवदत्त पडिक्कल -दुबई, 2020

पहले बल्लेबाजी करने के लिए आए, एसआरएच के सलामी बल्लेबाज विवरांत और मयंक अग्रवाल ने ठोस प्रदर्शन किया। पावरप्ले की शुरुआत में उन्होंने कोई विकेट नहीं गंवाया और स्कोरबोर्ड पर 53 रन जोड़ दिए। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 140 रनों की साझेदारी की, जिसमें विवरांत ने 47 गेंदों में 69 रन बनाए और मयंक ने केवल 46 गेंदों में आठ चौकों और चार छक्कों की मदद से 83 रन बनाए। स्क्रा ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 200 रन बनाए। मुंबई के लिए आकाश मधवाल ने 37 रन देक सर्वाधिक 4 विकेट लिए।

201 का पीछा करते हुए, एमआई ने इशान किशन (14) को जल्दी खो दिया, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा (37 गेंदों में 56) और कैमरन ग्रीन ने दूसरे विकेट के लिए 128 रन की साझेदारी करके मुंबई की मदद की। ग्रीन ने अपना पहला आईपीएल शतक बनाया। उन्होंने 47 गेंदों में आठ चौकों और आठ छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव (16 गेंदों में 25 *) की पारी ने मुंबई को दो ओवर शेष रहते आठ विकेट से जीत दिलाने में मदद की। कैमरून ग्रीन को उनके शतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया।

बृजभूषण से मिली चुनौती को बजरंग पूनिया ने किया स्वीकार, कहा- हम तैयार हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपों की सच्चाई का पता लगाने के लिए नार्को टेस्ट कराने की चुनौती को सोमवार को स्वीकार कर लिया। बृजभूषण ने रविवार को फेसबुक पोस्ट में लिखा था कि वह अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए नार्को या पॉलीग्राफ़ टेस्ट कराने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने लिखा था,'' मै अपना नार्को टेस्ट, पॉलिग्राफी टेस्ट या लाइ डिटेक्टर (झूठ पकड़ने के लिए किया जाने वाला परीक्षण) करवाने के लिये तैयार हूँ लेकिन मेरी शर्त है मेरे साथ विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के भी ये टेस्ट होने चाहिए। अगर दोनों पहलवान अपना टेस्ट करवाने के लिये तैयार हैं तो प्रेस बुलाकर घोषणा करें और मैं उनको वचन देता हूँ कि मैं भी इसके लिये तैयार हूँ। बजरंग ने इस पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा,'' हम नार्को टेस्ट का सामना करने के लिए तैयार हैं लेकिन हम यह भी चाहते हैं कि वह (बृजभूषण) उच्चतम न्यायालय की निगरानी में परीक्षण का सामना करें जिसका कि राष्ट्रीय टेलीविजन पर सीधा प्रसारण हो।

साक्षी मलिक और विनेश फोगाट के साथ जंतर मंतर पर धरने पर बैठे बजरंग ने कहा,'' हम यह देखना चाहेंगे कि क्या सवाल किए जा रहे हैं। उन्होंने मेरा और विनेश का नार्को टेस्ट करवाने के लिए कहा है, लेकिन हम दो ही क्यों उन सभी लड़कियों का भी नार्को टेस्ट करवाया जाना चाहिए जिन्होंने शिकायत दर्ज की है। विनेश ने कहा कि सारे देश को पता चलना चाहिए कि उन्होंने वर्षों से किस तरह के अन्याय का सामना किया है। उन्होंने कहा,''पूरे देश को पता होना चाहिए कि हमने किस तरह के अत्याचार और अन्याय का सामना किया। पहलवान लगता है मीडिया के एक वर्ग से नाराज हैं जो कि बृजभूषण का महिमामंडन कर रहे हैं। उन्होंने मीडियाकर्मियों से ऐसा नहीं करने की अपील भी की। विनेश ने कहा,'' वह कोई स्टार नहीं बल्कि यौन उत्पीड़न का आरोपी है इसलिए कृपया उनके साथ उसी तरह का व्यवहार करें। प्रदर्शनकारी पहलवान जंतर मंतर से इंडिया गेट तक कैंडल मार्च भी निकालेंगे। साक्षी मलिक ने कहा,''जैसा कि आप जानते हैं कि हमारे विरोध प्रदर्शन को एक महीना हो रहा है।

मैनचेस्टर सिटी ने प्रीमियर लीग में खिताबी हैट्रिक बनाई

मैनचेस्टर(एजेंसी)। मैनचेस्टर सिटी ने अपने घरेलू मैदान पर चेल्सी 1-0 से पराजित करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में लगातार तीसरा खिताब जीता। मैनचेस्टर सिटी का यह पिछले छठे सीज़न में पांचवां खिताब है और वह एक सत्र में तीन खिताब जीतने की तरफ बढ़ रहा है। उसे अभी एफए कप के फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड और चैंपियंस लीग के खिताबी मुकाबले में इंटर मिलान का सामना करना है।

मैनचेस्टर सिटी के कोच पेप गार्डियोला ने कहा,'' सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक कहलाने के लिए हमें यूरोप को जीतना होगा, हमें चैंपियंस लीग जीतनी होगी। चेल्सी के खिलाफ जीत से मैनचेस्टर सिटी का सभी प्रतियोगिताओं में अजेय अभियान 24 मैच तक पहुंच गया है। चेल्सी पर उसकी जीत में जूलियन अल्वारेज ने 12वें मिनट में गोल किया जो निर्णायक साबित हुआ। प्रीमियर लीग में यह उसकी लगातार 12वीं जीत है जिससे उसके 36 मैचों में 88 अंक हो गए हैं। उसे अभी दो मैच और खेलने हैं। दूसरे नंबर पर काबिज आर्सेनल के 37 मैचों में 81 अंक हैं। चेल्सी के खिलाफ मैनचेस्टर सिटी ने तब जीत दर्ज की जबकि उसके स्टार खिलाड़ी इर्लिंग हालैंड और केविन डि ब्रूएन को विश्राम दिया गया था।

कोहली की चोट पर आई अपडेट, कैच लेते समय हुए थे चोटिल

बेंगलुरू(एजेंसी)। विराट कोहली के घुटने में रॉयल चैलेंजर बेंगलोर (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान चोट लग गई थी लेकिन उनके मुख्य कोच संजय बांगड़ ने कहा कि यह चिंताजनक नहीं है। आरसीबी अंतिम लीग मैच में गुजरात से छह विकेट से हारने के कारण आईपीएल से बाहर हो गया है। कोहली ने शतक जड़ने के बाद विजय शंकर का शानदार कैच लिया था लेकिन इस बीच उनका घुटना चोटिल हो गया। कोहली की मदद करने के लिए फिजियो आया लेकिन इस स्टार बल्लेबाज को मैदान छोड़ना पड़ा और वह अंतिम पांच ओवर में डगआउट में बैठे रहे।

बांगड़ ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा,'' हां, उनके घुटने में मामूली चोट आई है लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह गंभीर है। कोहली अभी बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के खिलाफ लगातार मैचों में शतक जमाए। बांगड़ ने कहा,'' उन्होंने चार दिन के अंदर लगातार मैचों में शतक जमाए। वह एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो बल्लेबाजी में ही नहीं बल्कि क्षेत्ररक्षण करते समय अपना पूरा योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने काफी दौड़ लगाई। कुछ दिन पहले खेले गए मैच में वह 40 ओवर तक मैदान पर रहे और यहां उन्होंने 35 ओवर मैदान पर बिताए।

घुटने में मामूली चोट आई

कोहली उन सात भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात जून से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए मंगलवार को इंग्लैंड रवाना होंगे। काउंटी क्रिकेट में खेल रहे टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा इंग्लैंड में ही टीम से जुड़ेंगे। इस बीच गुजरात टाइटंस के स्टार स्पिनर राशिद खान ने कहा कि टी20 में बल्लेबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों में खाली गेंद (डॉट बॉल) करना भी विकेट लेने जैसा ही है। राशिद ने कहा,'' आईपीएल और टी-20 क्रिकेट प्रत्येक खाली गेंद विकेट लेने जैसा है। मैं इसे विकेट के रूप में लेता हूं क्योंकि बाउंड्री छोटी हैं और बल्लेबाज प्रत्येक गेंद पर बड़ा शॉट खेलना चाहता है। उन्होंने कहा,'' इस आईपीएल में इंपैक्ट प्लेयर के कारण आप एक अतिरिक्त बल्लेबाज को खिला सकते हैं। इसलिए बीच के ओवरों में गेंदबाजी करते हुए मैं अधिक से अधिक खाली गेंद करने पर ध्यान देता हूं।

मणिपुर में फिर बढ़ाई गई इंटरनेट सेवा पर पाबंदी, जनजीवन प्रभावित; ऑनलाइन भुगतान में आ रही परेशानी

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर सरकार ने रविवार को आगजनी की घटनाओं की खबरों के बाद अफवाहों, वीडियो, फोटो और संदेशों को फैलने से रोकने के लिए इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को पांच दिनों के लिए बढ़ा दिया, जो जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में कानून और व्यवस्था की स्थिति को प्रभावित कर सकता है। मणिपुर के गृह आयुक्त एच ज्ञान प्रकाश ने 26 मई तक इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को बढ़ाते हुए एक अधिसूचना में कहा कि मणिपुर के पुलिस महानिदेशक ने बताया कि अभी भी घरों और परिसरों में आगजनी जैसी घटनाओं की खबरें आ रही हैं। वहीं, मणिपुर में पिछले 19 दिनों से इंटरनेट सेवाएं निलंबित रहने के कारण राज्य के लोग आनलाइन माध्यम से पैसे नहीं भेज पा रहे हैं और ना ही अन्य आवश्यक डिजिटल मंच का उपयोग कर पा रहे हैं। 54 वर्षीय थोंगबम इनाओतोम्बा दिल्ली में रह रहे अपने बेटे को मकान का किराया भुगतान करने के लिए पैसे नहीं भेज पा रही हैं। उनका बेटा दिल्ली में रह कर पढ़ाई कर रहा है। पेशे से कारोबारी इनाओतोम्बा ने कहा कि मैं अपने बेटे को आनलाइन पैसे नहीं भेज पा रही हूं। उसने मुझसे फोन पर कहा कि मासिक किराया नहीं देने की स्थिति में मकान मालिक ने उसे मकान से बाहर कर देने की धमकी दी है। 52 वर्षीय बिमल थौनाओजम आनलाइन दाखिला प्रक्रिया से गुजरे बगैर अपने 18 वर्षीय बेटे का दाखिला मणिपुर के बाहर स्थित कालेज में कराने की पूरी कोशिश कर रही हैं। इंफाल निवासी थौनाओजम ने कहा कि मेरे बेटे ने हाल में 12वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की है। हम मणिपुर के बाहर देश के बड़े शहरों में स्थित कालेज में आनलाइन फार्म जमा करने और कट आफ अंक की जानकारी नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं। राज्य के कुछ निवासियों का कहना है कि इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह से निलंबित कर देने के बजाय सरकार को इंटरनेट नेटवर्किंग साइट के उपयोग पर पाबंदी लगानी चाहिए थी। हिंसा प्रभावित मणिपुर में आवश्यक वस्तुओं को लाने वाले ट्रकों की विशेष सुरक्षा के बीच आवाजाही जारी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पूर्वोत्तर राज्य में जरूरी सामान की कोई कमी न हो। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि राज्य सरकार, मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ सेना तथा असम राइफल्स राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-37) के जरिए आवश्यक सामान ले जाने वाले वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपसी समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। प्रवक्ता ने कहा कि ड्रोन और चीता हेलीकाप्टरों की मदद से हवाई निगरानी भी की जा रही है।

तमिलनाडु में सरकारी बार से खरीदी शराब पीने से 2 लोगों की मौत, आक्रोशित भीड़ ने किया प्रदर्शन

तमिलनाडु, एजेंसी। तमिलनाडु के तंजावुर में राज्य सरकार द्वारा संचालित बार से खरीदी गई शराब का सेवन करने से रविवार को दो लोगों की मौत का मामला सामने आया है। किझावासल के एक मछली विक्रेता कुप्पुसामी (68) और पुमनरावथन कोइल स्ट्रीट के विवेक (38) तमिलनाडु राज्य विपणन निगम लिमिटेड से शराब लाए थे। शराब पीने के बाद कुप्पुसामी अपनी दुकान पर लौटे और गिर गए। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार उनके मुंह से झाग निकल रहा था। कुप्पुसामी को तंजावुर के एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बार छोड़ने के बाद दूसरा शख्स भी गिर गया और अस्पताल में उसे भी मृत घोषित कर दिया गया। शराब में जहरीली सामग्री थी या नहीं, यह पता लगाने के लिए नमूना लेने के लिए मौके पर पहुंचे अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों के गुस्से का सामना करना पड़ा। घटना के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराते हुए आक्रोशित भीड़ ने उन्हें बार के अंदर बंद करने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस ने अधिकारियों को बचाने के लिए हस्तक्षेप किया और जनता के गुस्से को शांत किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। तंजौर कलेक्टर दिनेश पोनराज के मुताबिक मामले की जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है।

समीर वानखेड़े और उनकी पत्नी को मिल रही धमकियां

मुंबई, एजेंसी। मुंबई एनसीबी के पूर्व जोनल निदेशक समीर वानखेड़े और उनकी पत्नी को धमकियां मिलने की खबर सामने आई है। इस बात की जानकारी खुद समीर ने दी। उन्होंने कहा कि मुझे और मेरी पत्नी को कोई डराने की कोशिश में है और गंदे मैसेज कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिए निर्देश, कहा- शिक्षण संस्थानों में निर्माण कार्यों को जल्द करें पूरा

नई दिल्ली, एजेंसी। आइआइटी, आइआइएम सहित देश के करीब 43 उच्च शिक्षण संस्थानों में चल रहे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के प्रगति की केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने समीक्षा की है। साथ ही इन सभी प्रोजेक्टों को इस साल में पूरा करने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही उन्होंने उन्होंने राज्यों में बन रहे केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालयों के निर्माण कार्यों को भी तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए है। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने इस दौरान मंत्रालय से जुड़े इस सभी प्रोजेक्टों की एक-एक कर समीक्षा दी। साथ ही इसमें होने वाली जानकारी ली। इस बैठक में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही सीपीडब्लूडी, एनबीसीसी के भी अधिकारी मौजूद थे। प्रधान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस प्रोजेक्टों में देरी वह उन लक्ष्यों को भी हासिल करने में पिछड़ रहे है, जो उन्होंने 21 वीं सदी को लेकर तैयार किए है। ऐसे में इन्हें तेजी से पूरा करने की जरूरत है। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों से प्रोजेक्ट की प्रगति पर नियमित नजर रखने और प्रत्येक कार्य की एक समय सीमा भी निर्धारित करने के निर्देश दिए है।

सीयूईटी : गर्मी और परीक्षा में देरी से परेशान हुए छात्र

नई दिल्ली, एजेंसी।
डीयू समेत देशभर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों और कई अन्य शिक्षण संस्थानों के स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए रविवार को सीयूईटी स्नातक परीक्षा दिल्ली सहित 295 शहरों में हुई। अधिकतर केंद्रों पर बिना किसी बड़ी गड़बड़ी के सुचारू रूप से संपन्न हुई, जबकि कुछ केंद्रों पर परीक्षा देरी से शुरू हुई तो कुछ केंद्रों पर देरी से पहुंचने के कारण कई परीक्षार्थियों के पेपर छूट गए।

रविवार को परीक्षा देकर केंद्र से निकले छात्रों ने प्रश्नपत्र को मध्यम स्तर का बताया। परीक्षार्थियों ने बताया कि गर्मी काफी होने के कारण परेशानी हुई। छात्रों ने पैन कार्ड को वैध पहचानपत्र के रूप में स्वीकार नहीं करने पर अधिकारियों के रवैये की आलोचना की। नीतीश कुमार नामक परीक्षार्थी ने बताया कि प्रमाण के तौर पर पैन कार्ड वैध नहीं कर

परीक्षा हॉल में जाने नहीं दिया गया। सीयूईटी का दूसरा संस्करण रविवार को शुरू हुआ, जिसमें 14 लाख से अधिक उम्मीदवार देश भर के विश्वविद्यालयों में स्नातक में प्रवेश के लिए बैठे। इस बार तीन पालियों में परीक्षा कराई गई है।

गाजीपुर में देरी से शुरू : दिल्ली के गाजीपुर विलेज में सीयूईटी यूजी के प्रवेश परीक्षा केंद्र में परीक्षा देरी से शुरू होने से अफरातफरी का माहौल रहा। इस दौरान छात्र और अभिभावक बाहर धूप में परेशान रहे। इस परीक्षा केंद्र पर केमिस्ट्री, विजिस्क्स और मैथ्स में ग्रेजुएशन में एडमिशन पाने के लिए दो पालियों में प्रवेश परीक्षा होनी थीं। दोनों पालियों की परीक्षा में करीब ढाई घंटे की देरी रही। दूसरी पाली की परीक्षा जो करीब तीन बजे शुरू होनी थी, वह छह बजे शुरू हुई और रात 10 बजे तक हुई। इस दौरान काफी हंगामा भी हुआ। गाजियाबाद से आई श्रुति की मां ने बताया कि सुबह से आए हुए हैं, तीन बजे परीक्षा शुरू होनी थी लेकिन शाम को साढ़े पांच बजे भी यह शुरू नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि गर्मी में बुरा हाल था। बच्चे पहले ही थक चुके हैं, ऐसे में उनके प्रदर्शन पर असर पड़ा तो कौन जिम्मेदार होगा। परीक्षा केंद्र पर करीब 200 छात्रों को पेपर देना था। एक घंटे 45 मिनट तक इंतजार : पश्चिमी दिल्ली के प्रशांत विहार स्थित एक परीक्षा केंद्र पर तीसरी पाली की परीक्षा देरी से शुरू हुई। यहां तीन बजे से तीसरी पाली की परीक्षा शुरू होनी थी। करीब तीन बजे परीक्षा केंद्र के बाहर नोटिस लगाया गया कि परीक्षा 4: 45 बजे पर शुरू होगी। इस दौरान बच्चे और अभिभावक परेशान हो गए। करीब पांच बजे यह परीक्षा शुरू हो सकी। दिल्ली के कई परीक्षा केंद्रों पर समय पर न पहुंचने की वजह से कई छात्रों की परीक्षा छूट गई। दिल्ली के विद्या मन्दिर स्कूल स्थित आर के डिजिटल कंप्यूटर परीक्षा केंद्र पर कई छात्र ऐसे थे।

बागेश्वर धाम वाले धीरेंद्र शास्त्री की दिल्ली- एनसीआर में एंट्री, दो-दो कथा

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने विवादित बयानों के लिए मशहूर कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री की अब दिल्ली- एनसीआर में एंट्री हो रही है। बाबा बागेश्वर दो-दो जगह कथा सुनाने वाले हैं। गौरतलब है कि धीरेंद्र शास्त्री बीते दिनों बिहार में कथा सुनाने गए थे। बाबा बागेश्वर का स्वागत करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई दिग्गज नेता पहुंचे थे। अब धीरेंद्र शास्त्री की कथा ग्रेटर नोएडा और राजधानी दिल्ली में होने जा रही है। कथा की तारीख तय हो गई है। बाबा बागेश्वर की एक कथा ग्रेटर नोएडा में कुल सात दिनों तक चलेगी। ग्रेटर नोएडा में चलने वाली इस कथा का आयोजन अमृत कल?याण सेवा ट्रस्ट की ओर से होगा। धीरेंद्र शास्त्री 10 से 16 जुलाई के बीच कथा सुनाएंगे। कथा का आयोजन ग्रेटर नोएडा के जेतपुर मेट्रो डिपो के पास होगा। वहीं इस कथा से पहले कलश यात्रा 9 जुलाई को निकाली जाएगी। बाबा बागेश्वर की दूसरी कथा राजधानी दिल्ली में होगी। इसके लिए तारीख 5 से 8 जुलाई के बीच तय की गई है। हालांकि अभी तक इस संबंध में लिखित में कोई सूचना पुलिस या प्रशासन के पास नहीं है। बता दें कि बीते दिनों बाबा बागेश्वर बिहार के पटना में कथा सुनाने गए थे। पटना में कथा सुनाने के दौरान बिहार ट्रैफिक पुलिस ने सीट बेल्ट लगाए बगैर कार से यात्रा करने पर धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ एक्शन भी लिया था। दरअसल, जिस गाड़ी से धीरेंद्र शास्त्री ट्रेवल कर रहे थे उसी वाहन में भाजपा नेता मनोज तिवारी भी बैठे थे। दोनों बिना सीट बेल्ट लगाए जा रहे थे।

नाबालिग लड़की की हो रही थी शादी, सहेली ने फोन कर बुलाई पुलिस; बारात हुई वापस

नई दिल्ली, एजेंसी।
नूंह के नगीना थाना अंतर्गत एक गांव में शनिवार शाम सहेली के प्रयास से एक नाबालिग लड़की की शादी रुक गई। नाबालिग की शादी भिवानी निवासी 28 वर्षीय युवक से कराई जा रही थी। लड़की के पिता और शादी करने आए दूल्हे से हलफनामा लिए गए हैं।

जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी मधु जैन ने बताया कि शनिवार को डायल-112 पर सूचना मिली कि एक नाबालिग लड़की की जबरन शादी कराई जा रही है। सूचना मिलते ही नगीना थाना की पुलिस के साथ वह मौके पर पहुंची। वहां देखा गया कि भिवानी से बारात आई थी। इस दौरान उन्होंने लड़की और लड़के के परिवारवालों से बातचीत की। अधिकारी ने लड़की की जन्मतिथि, स्कूल का प्रमाण पत्र, आंगनवाड़ी का रिकॉर्ड मांगा तो लड़की के पिता ने स्कूल का सर्टिफिकेट थमा दिया। इसमें लड़की की आयु 18 वर्ष दो महीने थी, जिसे पुलिस ने भी एक पल के लिए सही मान लिया। लेकिन मधुजैन ने सर्टिफिकेट की जांच कराने की सोची और से जांचा गया। आंगनवाड़ी रजिस्टर खंगाले गए तो पता चला कि लड़की नाबालिग है। जानकारी के अनुसार पुलिस के पहुंचने के दौरान गांव के कई लोग पहुंच गए। पुलिस को नाबालिग लड़की की उम्र सबंधित सबूत मिलने के बाद समाज के गणमान्य लोगों ने मिलकर मामले को दबाने का प्रयास भी किया। मधु जैन के अनुसार शादी रुकवाने के बाद नाबालिग लड़की के पिता और बारात लेकर आए दुल्हा व उसके परिजनों से हलफनामा लिए गए। साथ ही हिदायत दी गई कि नाबालिग की शादी करने पर उनके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज किया जाएगा। मधु जैन ने बताया कि हलफनामा देने के बाद दूल्हा बारात संग बेरंग लौट गया। जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी मधु जैन ने बताया कि नाबालिग लड़की के परिजन अधिकारी को स्कूल का सर्टिफिकेट दिखाने के बाद बारात को खाना खिलाने और विदाई की तैयारी में जुट गए। जिस सर्टिफिकेट में उम्र दिखाई गई थी उससे वह संतुष्ट नहीं थीं। इसके बाद आंगनवाड़ी के रजिस्टर खंगाले गए। इस दौरान जांच में पता चला कि जबरन शादी कराए जा रही नाबालिग लड़की की उम्र कम है। इसके बाद पुलिस की मदद से नाबालिग लड़की की शादी रुकवाई गई। इससे पहले गांव में पंचायत करके भी इस पर चर्चा की गई।

मुंबई के धारावी स्लम में रहने वाली लड़की बनी लग्जरी ब्यूटी ब्रांड का चेहरा

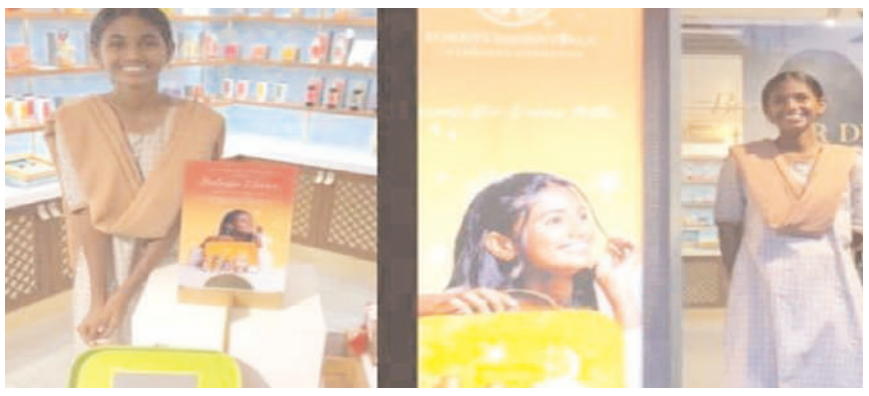

मुंबई, एजेंसी। मुंबई की धारावी स्लम बस्ती की रहने वाली 14 साल की मलीशा खारवा को लग्जरी ब्यूटी ब्रांड फॉरेस्ट एसेंशियल्स के नए कैंपेन द युवती कलेक्शन का ब्रांड एम्बेसडर चुना गया है। साल 2020 में हॉलीवुड अभिनेता रॉबर्ट हॉफमैन ने मलीशा को खोजा था, जब वह एक गाने की शूटिंग के लिए मुंबई पहुंचे थे। जिन्होंने बाद में इस लड़की के लिए एक इंस्टाग्राम अकाउंट भी खोला। 14 वर्षीय मलीशा खारवा के इंस्टाग्राम पर इस वक्त 2 लाख 25 हजार से अधिक फॉलोअर हैं।

मुंबई के स्लम एरिया में रहने वाली मलीशा ने हाल के वर्षों में कई मॉडलिंग गिग्स बनाए हैं। साथ ही वह लिव योर फेयरीटेल नाम की एक शॉर्ट फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। अब, उनकी बड़ी और ताजा उपलब्धि यह है कि उन्हें फ़ॉरेस्ट एसेंशियल्स के अभियान के लिए ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है। इसके पीछे संस्था का उद्देश्य है- युवाओं को मानसिक रूप से सशक्त बनाना।

फॉरेस्ट एसेंशियल्स ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें मलीशा को उनके स्टोर में एंट्री लेते हुए अभियान के साथ तस्वीरें लेते हुए देखा जा सकता है। क्लिप को साझा करते हुए ब्रांड ने लिखा, अपने सपनों को सामने देखकर इस लड़की का चेहरा खुशी से चमक उठा है।

इस वीडियो को चार लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। इस पर कमेंट करते हुए एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, इसे सफलता पाते देखना शानदार है!!! उसके लिए आशीर्वाद और भविष्य में और भी सफलता मिले। एक अन्य व्यक्ति ने कहा, यह देखकर बहुत खुशी हुई क्योंकि हमारे देश में सांवली लड़कियों को कभी ब्यूटी ब्रांडों को बढ़ावा देने के लिए नहीं माना जाता था, अब समय बदल गया है ... यह बहुत सुंदर है।

जी7 समिट पर बौखलाया चीन, जापानी राजदूत को किया तलब; लगाया बदनाम करने का आरोप

बीजिंग , एजेंसी।
चीन ने जी7 शिखर सम्मेलन में चीन से जुड़े मुद्दों पर कार्रवाई को लेकर जापानी राजदूत को तलब किया है। विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि चीन के उप विदेश मंत्री सन वेइदॉन्ग ने जापान के राजदूत को समूह ऑफ सेवन (त्7) शिखर सम्मेलन में चीन से जुड़े मुद्दों पर विरोध दर्ज कराने के लिए जापानी राजदूत को तलब किया है।चीन के उप विदेश मंत्री ने कहा कि जापान ने जी7 शिखर सम्मेलन में चीन को बदनाम करने और हमला करने के लिए गतिविधियों और संयुक्त घोषणाओं में अन्य देशों के साथ सहयोग किया गया। चीन के आंतरिक मामलों में पूरी तरह से हस्तक्षेप किया है। उन्होने 1972 के चीन-जापान संयुक्त वक्तव्य का जिक्र करते हुए कहा कि जापान ने अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों और चीन-जापान के बीच चार राजनीतिक दस्तावेजों की भावना का उल्लंघन किया है।

उन्होंने कहा कि जापान की कार्रवाई चीन की संप्रभुता, सुरक्षा और विकास के हितों के लिए हानिकारक है और चीन इसका कड़ा विरोध करता है। सन ने कहा कि जापान को चीन के बारे में अपनी समझ को सुधारना चाहिए, रणनीतिक स्वायत्तता को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन और जापान के बीच चार राजनीतिक दस्तावेजों के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ द्विपक्षीय संबंधों के स्थिर विकास को वास्तव में बढ़ावा देना चाहिए। ब्रिटेन में चीनी दूतावास ने इससे पहले लंदन से चीन की निंदा करने और बदनाम करने से रोकने को कहा था. ताकि चीन-ब्रिटेन संबंधों को और नुकसान न पहुंचे।

महसा अमीनी की तस्वीर पोस्ट करने पर ईरान ने स्विस राजदूत को किया तलब

तेहरान , एजेंसी।
ईरान के विदेश मंत्रालय ने ट्विटर पर एक पोस्ट में महसा अमीनी को ईरानी विरोध प्रतीक के रूप में दिखाए जाने को लेकर स्विट्जरलैंड के राजदूत को तलब किया। स्थानीय खबरों में रविवार को यह जानकारी दी गई। सितंबर में 22 वर्षीय अमीनी की मौत के बाद ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन शुरू हो गए थे। ईरानी लोकाचार पुलिस ने देश के सख्त इस्लामी परिधान कानून का उल्लंघन करने के आरोप में अमीनी हिरासत में लिया था।

ईरान के सरकारी टेलीविजन से संबद्ध वाईजेसी डॉट आईआर नामक वेबसाइट पर कहा गया कि स्विट्जरलैंड के तेहरान स्थित दूतावास से संबद्ध एक ट्विटर अकाउंट पर अमीनी की तस्वीर पोस्ट किए जाने के बाद स्विस राजदूत

नादिन लोज़ानो को तलब किया गया। तेहरान में स्विस दूतावास से जुड़े ट्विटर अकाउंट पर ईरान के वर्तमान धार्मिक तंत्र के अस्तित्व में आने से पहले क्रांति-पूर्व झंडे की तस्वीर भी पोस्ट की गई।

पोस्ट में कहा गया कि स्विस विदेश मंत्रालय हाल में तीन ईरानी प्रदर्शनकारियों को मौत की सजा दिए जाने की कड़ी निंदा करता है। ईरान ने शुक्रवार को माजिद काज़ेमी, सालेह मिरहशेमी और सईद यागौबी को मृत्युदंड दिए जाने की घोषणा की, लेकिन यह नहीं बताया कि इन लोगों की मौत की सजा को किस तरह अंजाम दिया गया।

हिंदू मंदिरों की बर्बरता पर ऑस्ट्रेलियाई पीएम की जवाबदेही, भारतीय दूतावास की ओर से हुई सराहना

ऑस्ट्रेलिया, एजेंसी।
ऑस्ट्रेलिया में भारतीय उच्चायुक्त मनप्रीत वोहरा ने सोमवार को हिंदू मंदिरों की तोड़-फोड़ पर ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों की जवाबदेही की सराहना की। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पापुआ न्यू गिनी का दौरा पूरा कर आज ऑस्ट्रेलिया जा सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय उच्चायुक्त ने कहा, हम ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों की ओर से हमारी चिंताओं के प्रति जवाबदेह होते देख रहे हैं। हमें विश्वास है कि यह अधिकारी उन लोगों के पीछे जाएंगे, जो कानून का उल्लंघन करते हैं और इन घृणित अपराधों में शामिल होते हैं। मैं मुझे पूरा विश्वास है कि आगे जाकर हम बेहतर स्थिति देखेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बानीज हिंदू मंदिरों की तोड़-फोड़ के मुद्दे पर चर्चा करेंगे, वोहरा ने कहा, हिंदू मंदिरों की तोड़-फोड़ भारत में चिंता का विषय रही है। पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज के सामने भी चिंता जताई है,

जब वह भारत आए थे और हमें उनसे भी प्रतिक्रिया मिली। इससे पहले, मार्च में अपनी भारत यात्रा के दौरान, अल्बानीज ने दोहराया था कि ऑस्ट्रेलिया हिंदू मंदिरों के खिलाफ हमलों को रोकने के लिए पूरी ताकत से काम करेगा। इस मुद्दे को पीएम मोदी ने हैदराबाद हाउस में उठाया, जहां दोनों पक्षों ने औपचारिक बातचीत की। मोदी ने कहा था कि ऑस्ट्रेलिया में हिंदू मंदिरों पर हुए हमलों ने भारत को चिंतित कर दिया है। अल्बानीज ने पीएम मोदी को आश्वासन दिया था कि उनकी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के माध्यम से हर तरह की कार्रवाई की जाएगी, ताकि आरोपी को कानूनी कार्रवाई का पूरी तरह से सामना करना पड़े। । ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने कहा था, मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि ऑस्ट्रेलिया एक ऐसा देश है, जो लोगों की आस्था का सम्मान करता है। हम धार्मिक इमारतों पर इस तरह के चरम कार्यों और हमलों को बर्दाश्त नहीं करते हैं, चाहे वे हिंदू मंदिर हो, मस्जिद हो, सिनेगॉग हो या चर्च हो। हम एक सहिष्णु बहुसांस्कृतिक राष्ट्र हैं और इस गतिविधि के लिए ऑस्ट्रेलिया में कोई जगह नहीं है। । पिछले कुछ महीनों में हिंदू मंदिर पर हमले बढ़े हैं। मार्च में ब्रिस्बेन में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर पर हमला हुआ था। इससे पहले, जनवरी में, ऑस्ट्रेलिया के कैरम डाउन्स में शिव-विष्णु मंदिर में भी तोड़-फोड़ की गई थी। 12 जनवरी को, ऑस्ट्रेलिया के मिल पार्क में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को भारत विरोधी और हिंदू विरोधी भित्तिचित्रों से भर दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय उच्चायुक्त ने दोनों देशों के बीच शिक्षा और व्यापार साझेदारी के बारे में भी बात की। वोहरा ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी और गर्व है कि जिन पहले दो विदेशी विश्वविद्यालयों की भारत में दो कैंपस खोलने की घोषणा पहले की गई थी, वे दोनों ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ डीकिन और यूनिवर्सिटी ऑफ वोलोंगोंग हैं।

आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते पर होगी चर्चा: वोहरा ने आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते के बारे में भी कहा, जिसे 29 दिसंबर, 2022 को लागू किया गया था। उन्होंने कहा, ईसीटीए पर पिछले साल हस्ताक्षर किए गए थे और यह लागू भी हो गया है। हमने पहले ही अगले कदम पर बहुत गहनता से बातचीत शुरू कर दी है, जो पूर्ण व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईसीए) है।

पीएम मोदी 22-24 मई, 2023 तक ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाले हैं। पीएम मोदी की ऑस्ट्रेलिया यात्रा पर, ऑस्ट्रेलिया में भारतीय उच्चायुक्त मनप्रीत वोहरा ने कहा, उनके पास पीएम अल्बानीज के साथ द्विपक्षीय चर्चाओं का एक बहुत ही ठोस दौर है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129